रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

रांची, शुक्रवार 26 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 108

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	33.1	27.5
जमशेदपुर	33.5	26.0
डालटनगंज	32.8	26.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत पर साधा निशाना, कहा - गलतफहमी पालकर आखिर कितने दिन आंखें बंद रखेंगे

उठिए, जागिए महाराज, देखिए आपके पीछे कोई नहीं बचा है...

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक बार फिर से तार्किक अंदाज में सीएम हेमंत सोरेन पर निशाना साधा है. कहा है कि गलतफहमी पालकर कितने दिन आंखें बंद रखेंगे. उठिए, जागिए महाराज, देखिए आपके पीछे अब कोई नहीं बचा है. और हां, थोड़ी सी भी मर्यादा और इंसानियत बची हो तो नामजद सहायक पुलिसकर्मियों का नाम एफआईआर से वापस लें. चाहे आप अपनी हड्डियों का बचा पूरा दम भी क्यों न लगा लें...अधिकारों के मिलने तक, मांगों के पूरा होने तक यह संघर्ष अनवरत चलता रहेगा, यह बिगुल हरदम बजता रहेगा.

दनादन परीक्षाएं की जा रही हैं स्थगित

बाबूलाल ने ट्वीट में आगे लिखा है कि हेमंत सोरेन जी, आपने तो जमानत पर जेल से छूटने के बाद चंपाई सोरेन जी द्वारा घोषित 40,000 नौकरियों में 25% कटौती कर के 30,000 नौकरियां देने की बात कही थी, लेकिन अब तो प्रतिदिन दनादन परीक्षाएं स्थगित की जा रहीं हैं. इस आपाधापी की वजह क्या है? क्या आयोग ने सरकार के दबाव में अधूरी तैयारी के साथ परीक्षा की तिथि घोषित कर दी थी? क्या आपको नौकरी बेचने का मनचाहा 'रेट' नहीं मिल रहा?

युवाओं को नौकरी देने की नीयत नहीं

वजह चाहे जो भी हो, एक बात तो स्पष्ट है कि आपमें झारखंड के युवाओं को नौकरी देने की नियत नहीं है. आपकी मंशा सरकारी नौकरियों के पदों को बाहरी हाथों में बेचकर अवैध रूप से उगाही करने की है. झारखंड के युवाओं को आप जैसा 'घोषणावीर' सीएम नहीं चाहिए. कुछ महीने और प्रतीक्षा करिए.युवा आपकी इस धूर्तबाजी को हमेशा के लिए बंद कर राजनीतिक रूप से बेरोजगार कर देंगे.

ये कैसी सरकार है....

जहां पहले अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरना पड़ता है, फिर लाठी खानी पड़ती है और अंत में मुख्यमंत्री जी के आदेश पर झूठी एफआईआर भी लिखी जाती हैं. जब बात खुद सत्ता में बैठकर आदेश देने की आती है, लोगों पर एफआईआर कराने की आती है तो महोदय को आदिवासी समाज नहीं दिखता है. नामित नामों को देखें तो 18 में से लगभग 11 से 12 नाम आदिवासी भाई -बहनों के हैं, और अभी 1500 अज्ञात लोगों में से न जाने और कितने आदिवासी होंगे.

'बच्चों को घटिया खाना खिला रही हेमंत सरकार'

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी हेमंत सरकार पर लगातार हमलावर हैं. उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि हेमंत सरकार झारखंड के आदिवासी बच्चों को घटिया खाना खिला रही है. बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए पौष्टिक भोजन बेहद जरूरी होता है, लेकिन झारखंड के अनुसूचित जनजाति आवासीय विद्यालय में आदिवासी बच्चों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता बेहद घटिया है. हेमंत सोरेन से कहा कि कुछ तो लाज-शर्म रखिए और शिक्षा के मंदिर को अपने भ्रष्टाचार का केंद्र मत बनाइये. डीसी रांची को कहा कि यथाशीघ्र संबंधित विद्यालय में पौष्टिक भोजन और पठन-पाठन की सुचारू व्यवस्था का प्रबंध करें.

झारखंड के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध मोदी सरकार : बाबूलाल ने दूसरे ट्वीट में कहा कि झारखंड के सर्वांगीण विकास के लिए मोदी सरकार प्रतिबद्ध है. वर्ष 2024-25 के बजट में झारखंड राज्य के लिए 7302 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है. वर्ष 2009-14 के औसत बजट 457 करोड़ से लगभग 16 गुना अधिक है. रेल परियोजनाओं के लिए 52885 करोड़ रुपए का निवेश होगा. 57 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास होगा.

रांची, धनबाद व जमशेदपुर में एयर क्वालिटी के लिए मिले 150 करोड़

- धनबाद और जमशेदपुर को 100 में 100 और रांची को मिले 75 अंक

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के शहरी विकास और आवास सचिव अरवा राजकमल ने भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) की 7वीं संचालन समिति की बैठक में भाग लिया. वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए चयनित शहरों में झारखंड के तीन शहरों में रांची, धनबाद और जमशेदपुर शामिल हैं. सचिव ने बैठक में इस मुद्दे को उठाया कि झारखंड के लिए 2023-24 में कोई फंड जारी नहीं किया गया है और 2024-25 में फंड के लिए भारत सरकार से अनुरोध किया गया है. संचालन समिति ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा उपलब्ध कराए गए वायु गुणवत्ता मानकों के आंकड़ों के अनुसार ही 2025-25 में राशि आवंटित करने का निर्णय लिया. सीपीसीबी के अनुसार, धनबाद को 100 में 100 अंक मिले, रांची को 100 में 75 अंक मिले. उन्हें 2024-25 में फंडिंग के लिए योग्य पाया गया. शहरों में वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए इन 3 शहरों को 2024-25 में लगभग 150 करोड़ की फंडिंग दी जाएगी.

किन चीजों में होगा राशि का उपयोग : राशि का उपयोग करके, 3 शहर संघनन मशीनरी, उभयचर उत्खननकर्ता खरीद सकते हैं. जल निकाय पुनर्जीवन, वृक्षारोपण भी कर सकते हैं. धूल भरी सड़कों पर यातायात को कम करने के लिए शहर पेवर-ब्लॉक सड़कें भी बना सकते हैं.

कोर्ट की खबरें : हाईकोर्ट के नए भवन में जलजमाव पर जनहित याचिका की हुई सुनवाई

पार्किंग में जलजमाव, कोर्ट नाराज

संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने पार्किंग एवं अन्य जगहों पर जलजमाव पर नाराजगी जतायी है. नयी हाईकोर्ट बिल्डिंग से संबंधित एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने गुरुवार को आदेश दिया कि झारखंड हाईकोर्ट परिसर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम इंस्टॉल किया जाये. इसको लेकर अदालत ने राज्य सरकार को भी रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है. कोर्ट ने यह भी कहा है कि लंबे अरसे से झारखंड हाईकोर्ट के नये परिसर के निर्माण की मांग हो रही थी. इतनी बड़ी रकम से बड़े प्रोजेक्ट के निर्माण पूरे होने के बावजूद अगर इस तरह जलजमाव का सामना करना पड़ रहा है तो यह निराशा जनक है. मामले की अगली सुनवाई अगस्त माह में होगी. बता दें कि बारिश से हमेशा हाईकोर्ट की पार्किंग में जल जमाव हो जाता है.

ऊर्जा सचिव को 31 अगस्त को उपस्थित होने का निर्देश

रांची। राजेश कुमार सिंह द्वारा विद्युत विभाग में इंडियन इलेक्ट्रिसिटी एक्ट के तहत उच्च पदों पर नियुक्ति के लिए दायर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. गुरुवार की सुनवाई के दौरान अदालत ने ऊर्जा सचिव को 31 जुलाई को सशरीर उपस्थित होने को कहा है. अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि 2003 में जब एक्ट आया तो 2024 तक इसका इम्प्लीमेंट क्यों नहीं किया गया. अदालत अब इस मामले में 31 जुलाई को सुनवाई करेगा. राजेश कुमार ने अपनी जनहित याचिका में मांग की है कि बिजली बोर्ड में उच्च पदों पर प्रोफेशनल लोगों की नियुक्ति इंडियन इलेक्ट्रिसिटी एक्ट के तहत की जानी चाहिए. इस मामले में हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस की बेंच में सुनवाई हुई. प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता ऋतु कुमार ने पक्ष रखा. वहीं विद्युत् नियामक आयोग की ओर से अधिवक्ता नवीन कुमार ने पक्ष रखा.

आलमगीर-बीरेंद्र का केस एक साथ टैग, होगा चार्ज फ्रेम

रांची। पूर्व मंत्री आलमगीर आलम और ग्रामीण विकास विभाग के निलंबित इंजीनियर इन चीफ बीरेंद्र राम से जुड़े टेंडर घोटाला के दो मामलों को एक साथ टैग कर दिया गया है. रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में गुरुवार को इस केस की आरोपी राजकुमारी देवी और बीरेंद्र राम के पिता गेंदा राम सशरीर कोर्ट में उपस्थित हुए. सुनवाई के दौरान सभी आरोपियों को पुलिस पेपर सौंप दिया गया. अब न्यायालय चार्ज फ्रेम की प्रकिया शुरू करेगा. **टेंडर घोटाला के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही ईडी :** दरअसल झारखंड में टेंडर घोटाला के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग की जांच केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी कर रही है. इस केस में पूर्व मंत्री आलमगीर आलम, उनके ओएसडी संजीव लाल और जहांगीर आलम समेत ग्रामीण विकास विभाग के निलंबित इंजीनियर इन चीफ बीरेंद्र राम समेत कई लोगों को ईडी गिरफ्तार कर चुकी है.

प्रेम प्रकाश की डिस्चार्ज पिटीशन पर बहस पूरी

रांची। चेशायर होम रोड की जमीन की अवैध तरीके से खरीद-बिक्री से जुड़े लैंड स्कैम केस के आरोपी और पवार ब्रोकर के नाम से मशहूर प्रेम प्रकाश की डिस्चार्ज पिटीशन रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है. गुरुवार को ईडी और प्रेम प्रकाश की ओर से बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है.

मॉब लिंचिंग केस : असलम की डिस्चार्ज पर फैसला सुरक्षित

रांची। चर्चित रुपेश पांडेय मॉब लिंचिंग केस के आरोपी मोहम्मद असलम उर्फ पप्पू मियां की डिस्चार्ज पिटीशन पर रांची सीबीआई की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के बाद अदालत ने डिस्चार्ज पिटीशन पर फैसला सुरक्षित रख लिया. सीबीआई की ओर से विशेष लोक अभियोजक खुशबू जायसवाल ने बहस की. बता दें कि हजारीबाग जिले के बरही में छह फरवरी 2022 को सरस्वती पूजा के बाद प्रतिमा विसर्जन जुलूस देखने पहुंचे रूपेश पांडेय नामक युवक की भीड़ ने हत्या कर दी थी. इस मामले में बरही थाना में दो एफआईआर दर्ज हुई थी. दोनों एफआईआर को सीबीआई ने टेकओवर कर जांच की है.

बरही थाना कांड संख्या 59/2022 में 27 नामजद व अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है. जबकि कांड 63/2022 में 87 नामजद और अन्य अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है.

लैंड स्कैम: राजकुमार पाहन ने भरा एक लाख का निजी बॉण्ड

रांची। लैंड स्कैम केस का आरोपी राजकुमार पाहन

गुरुवार को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में सशरीर उपस्थित हुआ. उसके खिलाफ कोर्ट ने समन जारी किया था. कोर्ट में उपस्थित होने के बाद कोर्ट ने उसे एक लाख का निजी मुचलका भरने का निर्देश दिया है. दरअसल ईडी ने हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस में प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) दायर की है, जिसपर कोर्ट ने संज्ञान भी ले लिया है. इस केस के प्रमुख आरोपी बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप समेत अन्य फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में बंद हैं. पीएमएलए कोर्ट द्वारा संज्ञान लिए जाने के बाद आर्किटेक्ट विनोद सिंह और राजकुमार पाहन पर गिरफ़्तारी की तलवार लटकने लगी थी. लेकिन कोर्ट में उपस्थित होने के बाद अब राजकुमार को राहत मिली है.

राहुल गांधी के खिलाफ वारंट जारी करने की कोर्ट से मांग

रांची। भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ बयान देने से जुड़े मामले में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और रायबरेली के सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज केस में रांची सिविल कोर्ट में सुनवाई हुई. पिछली सुनवाई में रांची की एमपी एमएलए की विशेष कोर्ट ने राहुल गांधी के विरुद्ध समन जारी किया था. लेकिन अब तक वह कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए. गुरुवार को नवीन झा की ओर से उपस्थित अधिवक्ता विनोद साहू ने कोर्ट से यह आग्रह किया कि राहुल गांधी के खिलाफ वारंट जारी किया जाए. राहुल गांधी के खिलाफ बीजेपी कार्यकर्ता नवीन झा ने केस दायर किया था. जिसमें यह आरोप लगाया गया है कि मार्च 2018 को उन्होंने कांग्रेस महाधिवेशन के दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की छवि धूमिल की है. राहुल के खिलाफ भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ अपतिजनक टिप्पणी करने के मामले को लेकर अवमानना का केस रांची और चाईबासा में किया गया था.

राज्य सेवा के अफसरों का ताबड़तोड़ तबादला

61 बीडीओ का हुआ ट्रांसफर

प्रमुख संवाददाता। रांची। राज्य सेवा के अफसरों का बड़े पैमाने पर तबादला किया है. 61 बीडीओ को इधर से उधर कर दिया है. ग्रामीण विकास विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया. जारी आदेश में कहा गया है कि वैसे प्रखंड जहां प्रखंड विकास पदाधिकारी पदस्थापित नहीं है. वहां अधिसूचित कार्यरत अंचल अधिकारी को प्रखंड विकास पदाधिकारी की शक्ति नियमित प्रखंड विकास पदाधिकारी के पदस्थापन तक प्रदत्त की जाती है. जिन प्रखंडों में भी अधिकारी के पद रिक्त हैं, उनमें प्रखंड विकास पदाधिकारियों द्वारा अंचल अधिकारी के दायित्वों का निर्वहन किया जाएगा.

जानें कौन-कहां गए

चंद्र देव प्रसाद	बीडीओ	चंदवारा, कोडरमा	अजय कुमार वर्मा	बीडीओ	डुमरी, गिरिडीह
नुपूर कुमारी	बीडीओ	कटकमसांडी	पप्पु रजक	बीडीओ	हंटरगंज
अमित कुमार	बीडीओ	सदर गुमला	अमल जी	बीडीओ	पालोजोरी,
कुन्दन भगत	बीडीओ	मोहनपुर	अमरेन डाग	बीडीओ	रंका, गढ़वा
रणजीत कुमार सिन्हा	बीडीओ	दुलमी	कीकू महतो	बीडीओ	कुंदा चतरा
कमलेश कुमार सिन्हा	बीडीओ	शिकारीपाडा	देवानन्द राम	बीडीओ	देवघर सदर
आशा साहू	बीडीओ	चितरपुर, रामगढ़	सुनील वर्मा	बीडीओ	हाटगम्हरिया
शक्ति कुंज	बीडीओ	रायडीह गुमला	मनोरंजन कुमार	बीडीओ	पत्थलगड़ा, चतरा
सत्यम कुमार	बीडीओ	विष्णुगढ़	मनोज कुमार तिवारी	बीडीओ	डडई, गढ़वा
दयानंद प्रसाद जायसवाल	बीडीओ	महुआटांड़	ललित प्रसाद सिंह	बीडीओ	झींकपानी, प. सिंहभूम
मो. हारून रशीद	व्याख्याता	सर्ड	संजय कुमार कोनगाडी	बीडीओ	पदमा हजारीबाग
संजय सांडिल्य	बीडीओ	बेरमो	आकांक्षा कुमारी	बीडीओ	गोड्डा सदर,
रितीक कुमार	बीडीओ	मांडू, रामगढ़	कनक	बीडीओ	बुंडू रांची
बरुण कुमार	बीडीओ	कुरडेग	विवेक किशोर	बीडीओ	कुकडू, सरायकेला
रेणु कुमारी	बीडीओ	मांडर	संतोष कुमार महतो	बीडीओ	गारू, लातेहार
संदीप कुमार	बीडीओ	मनिका लातेहार	हरिशंकर बारिक	बीडीओ	विश्रामपुर, पलामू
सोमनाथ बनर्जी	बीडीओ	रातू रांची	अखिलेश कुमार	बीडीओ	मझिआंव, गढ़वा
ज्ञानमणी एक्का	बीडीओ	केरसई, सिमडेगा	संतोष कुमार चौधरी	बीडीओ	बारियातू, लातेहार
मो. अमीर हमजा	बीडीओ	जामा दुमका	अशोक कुमार चौपड़ा	बीडीओ	मनातू, पलामू
विजय प्रकाश मरांडी	बीडीओ	नाला, जामताड़ा	मनोज कुमार गुप्ता	बीडीओ	राहे, रांची
अनिल कुमार	बीडीओ	तिसरी गिरिडीह	विजय कुमार	बीडीओ	हरिहरगंज पलामू
प्रभाष चंद्र दास	बीडीओ	जलडेगा, सिमडेगा	संतोष कुमार	बीडीओ	नौडीहा बाजार, पलामू
विवेक कुमार	बीडीओ	ईचाक	चन्दन प्रसाद	बीडीओ	दारू, हजारीबाग
सुमित कुमार मिश्रा	बीडीओ	केरेडारी, हजारीबाग	ठाकुर गौरी शंकर शर्मा	बीडीओ	लोहरदगा सदर
अमित कुमार पासवान	बीडीओ	चंदवा	निखिल गौरव कमान कच्छप	बीडीओ	खुंटपानी, प. सिंहभूम
प्रवीण कुमार	बीडीओ	रामगढ़, पलामू	विशाल कुमार पाण्डेय	बीडीओ	टुंडी, धनबाद
अभिषेक पाण्डेय	बीडीओ	प्रतापपुर चतरा	अन्वेषा ओना	बीडीओ	चांडिल,
कामेश्वर बेदिया	बीडीओ	ओरमांझी	मनीष कुमार	बीडीओ	धुरकी, गढ़वा
तालेश्वर रविदास	बीडीओ	पतरातू रामगढ़	अजय कुमार दास	बीडीओ	चिनियां, गढ़वा
प्रदीप कुमार दास	बीडीओ	पाकरटांड़, सिमडेगा	मनीष कुमार	बीडीओ	नामकुम, रांची
शैलेन्द्र कुमार चौरसिया	बीडीओ	बगोदर, गिरिडीह	—	—	—

ब्रीफ खबरें

सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड का हक लौटाया : ठाकुर

रांची। प्रदेश कांग्रेस ने रतनगर्भा झारखंड और अन्य राज्यों द्वारा खदान और खनिज संपदाओं पर कर लगाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला ऐतिहासिक करार देते हुए इसका स्वागत किया है. प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा खनिज और खदानों पर राज्यों द्वारा कर लगाने के अधिकार के पक्ष में फैसला देना एक ऐतिहासिक निर्णय है. उन्होंने कहा कि 35 वर्षों पूर्व के फैसले को अमान्य करार देकर उच्चतम न्यायालय ने झारखंड को उसका हक वापस लौटा दिया.

राजधानी में आज बनेगी मानव श्रृंखला

रांची। आदिवासी जमीन लूट और पांचवीं अनुसूचित क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों में आदिवासियों की मातृभाषा कुड़ुख, मुंडारी, खड़िया, संथाली, हो आदि के स्थान पर सादरी और नागपुरिया के शिक्षक नियुक्ति के विरोध में 26 जुलाई को एक दिवसीय मानव श्रृंखला बनाकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा. यह प्रदर्शन सुबह नौ बजे से हरमू बाईपास रोड में पुरानी रांची से लेकर बिरसा चौक तक किया जाएगा. यह जानकारी राष्ट्रीय आदिवासी छात्र संघ के अध्यक्ष संगम उरांव ने दी है.

सूबे के पांच जिलों के रहने वाले 15 नक्सलियों की तलाश में एनआईए

रांची। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) रांची, धनबाद, लातेहार, लोहरदगा और चतरा जिले के रहने वाले 15 बड़े नक्सलियों की तलाश में है. इन नक्सलियों के सहयोगियों से एनआईए जानकारी जुटाने में लगी है. एजेंसी ने पिछले दिनों कुछ सहयोगियों के ठिकानों पर छापेमारी भी की थी. बता दें कि एनआईए झारखंड टेरर फंडिंग, माओवादी उग्रवाद और मानव तस्करी से संबंधित कई मामलों की जांच कर रही है. इन सभी मामलों में एनआईए ने कई जगहों पर छापेमारी भी की है. साथ ही कई नक्सली, उग्रवादी और टेरर फंडिंग से जुड़े लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है.

इन 15 बड़े नक्सलियों की है तलाश

- गिरिडीह के पीरटांड़ का रहने वाला भाकपा माओवादी का नक्सली पतिराम मांझी को एनआईए कांड संख्या आरसी-11/2017 और आरसी -19/2018 और 25/2020 मामले में तलाश कर रही.
- धनबाद टुंडी का रहने वाला भाकपा माओवादी नक्सली प्रयाग मांझी को एनआईए कांड संख्या आरसी- 11/2017 में खोज रही.
- रांची बुंडू का रहने वाला भाकपा माओवादी नक्सली गुरुवा मुंडा को एनआईए कांड संख्या आरसी- 11/2017 में तलाश कर रही.
- भाकपा माओवादी नक्सली छोटू खेरवार को एनआईए कांड संख्या आरसी 14/2017 और आरसी 01/2018 और 25/2020 में तलाश कर रही है.
- चतरा लावालौंग का रहने वाला टीपीसी उग्रवादी बृजेश गंझू को एनआईए कांड संख्या आरसी 06/2018, आरसी 22/2018 और आरसी 23/2018 में ढूंढ़ रही.
- चतरा जिले के लावालौंग का रहने वाला आक्रमण गंझू को एनआईए कांड संख्या आरसी 06/2018, आरसी 22/2018 और आरसी 23/2018 में तलाश कर रही.
- गिरिडीह जिले के मधुवन का रहने वाला भाकपा माओवादी नक्सली रामदयाल महतो को एनआईए कांड संख्या आरसी 19/2018 मामले में खोज रही.
- गिरिडीह जिले के पीरटांड का रहने वाला भाकपा माओवादी नक्सली अजय महतो को एनआईए ने कांड संख्या आरसी 19/ 2018 में तलाश कर रही है.
- गिरिडीह डुमरी का रहने वाला भाकपा माओवादी का नक्सली चंचल को एनआईए ने कांड संख्या आरसी 19/2018 में ढूंढ़ रही.
- गिरिडीह जिले के अकबीकाटांड का रहने वाला भाकपा माओवादी नक्सली शनीचर हेंब्रम को एनआईए कांड संख्या आरसी 19/2018 में तलाश कर रही है.
- लातेहार का रहने वाला रवींद्र गंझू को एनआईए कांड संख्या 25/2020 में तलाश कर रही है.

इसके अलावा इस मामले में एनआईए मृत्युंजय भुईंया, नागेंद्र यादव, कुंदन खेरवार, अनिल तुरी की भी तलाश कर रही है.

आंदोलनकारियों को मिलेगा बकाया पेंशन

रांची। झारखंड अलग राज्य के गठन के लिए आंदोलन करने वाले आंदोलनकारियों को बकाया पेंशन का भुगतान किया जायेगा. यह बकाया पेंशन रांची, जामताड़ा, लातेहार, चतरा और गढ़वा जिले के आंदोलनकारियों या उनके आश्रितों को मिलेगा. इसको लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने तीस लाख की राशि आवंटित की है. इसको लेकर गृह सचिव ने आदेश जारी किया है. जारी आदेश में कहा गया है कि संबंधित जिले के डीसी भुगतान से पूर्व सुनिश्चित करेंगे कि राज्य सरकार द्वारा चिन्हित आंदोलनकारियों को राशि का भुगतान करेंगे. जिन जिलों के लिए राशि आवंटित की गयी है, उसमें जामताड़ा के लिए 11.45 लाख, लातेहार के लिए 3.54 लाख, चतरा के लिए 9.97 लाख, गढ़वा के लिए 1.16 लाख और रांची के 3.91 लाख शामिल है.

क्लासिफाइड

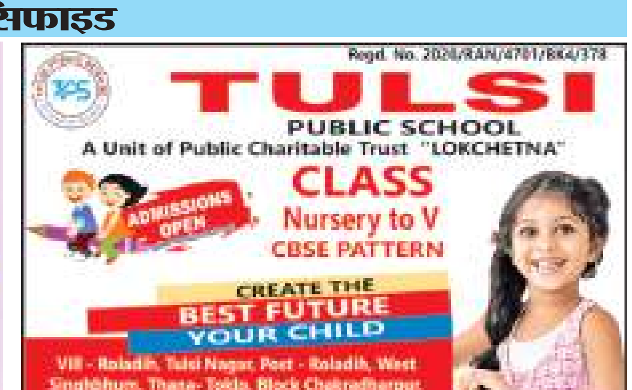

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 26 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 108 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखंड के हक में सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला, केंद्र को झटका

खनिजों पर राज्यों को रॉयल्टी वसूलने का कानूनी अधिकार

लगातार न्यूज नेटवर्क

सुप्रीम कोर्ट के नौ जजों की बैंच ने गुरुवार को एक आदेश जारी कर कहा है कि खान-खनिज की माइनिंग पर टैक्स लगाने का अधिकार राज्यों को है. सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि केंद्र सरकार, राज्यों की सरकार को जो रॉयल्टी मिलती है, वह टैक्स नहीं है. माइनिंग पर टैक्स लगाने का अधिकार राज्य सरकार को है या नहीं है, इसे लेकर करीब 25 सालों से विवाद चल रहा था.

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला झारखंड के लिए महत्वपूर्ण है. क्योंकि झारखंड में कोयला, आयरन ओर (लौट अयस्क), तांबा, यूरेनियम, अभ्रक, बॉक्साइट, मैग्नीज समेत कई तरह के खनिज हैं. सरकार को सिर्फ रॉयल्टी मिलती है. सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब राज्य सरकार अपने स्तर से खनिजों की माइनिंग पर टैक्स लगा पाएगी. इससे राज्य सरकार की आय में बढ़ोतरी होगी. इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि झारखंड के पास देश में कोयले का सबसे बड़ा भंडार है, लेकिन बिजली की उपलब्धता के मामले में यह सबसे नीचे स्थित पांच राज्यों में शामिल है.

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान के तहत राज्यों के पास खदानों और खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने का विधायी अधिकार है. शीर्ष अदालत की नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 8:1 के बहुमत के फैसले में कहा कि खनिजों पर देय रॉयल्टी कर नहीं है. चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि रॉयल्टी टैक्स नहीं है. कोर्ट के फैसले से झारखंड, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और उत्तर-पूर्व के खनिज समृद्ध राज्यों को फायदा होगा. हालांकि, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि संसद के पास निकाले गये खनिजों पर कर लगाने की सीमाएं, प्रतिबंध और यहां तक कि रोक लगाने की शक्ति है.

1989 में सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ द्वारा दिया गया फैसला सही नहीं : सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने अपने और पीठ के सात जजों के फैसले को पढ़ा, जिसमें कहा गया कि संविधान की दूसरी सूची की प्रविष्टि 50 के अंतर्गत संसद को खनिज अधिकारों पर कर लगाने की शक्ति नहीं है. बहुमत के फैसले में कोर्ट ने कहा कि वर्ष 1989 में सात जजों की संविधान पीठ द्वारा दिया गया वह फैसला सही नहीं है, जिसमें कहा गया था कि खनिजों पर रॉयल्टी कर है. -शेष पेज 11 पर

25 साल बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही फैसले को गलत ठहराया

- 9 जजों की पीठ ने 8-1 के बहुमत से कहा-रॉयल्टी टैक्स नहीं है
- कहा- एमएमआरडीए एक्ट राज्यों के अधिकार सीमित नहीं करता

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना फैसले से असहमत

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने कहा कि राज्यों के पास खदानों तथा खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने का विधाई अधिकार नहीं है. चीफ जस्टिस और नागरत्ना के अलावा पीठ के अन्य सदस्य न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय, अभय एस. ओका, जेबी पारदीवाला, मनोज मिश्रा, उज्ज्वल भुइयां, सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह हैं.

31 जुलाई को पीठ सुनाएगी अपना फैसला

पीठ ने इस विवादास्पद मुद्दे पर फैसला सुनाया कि क्या खनिजों पर देय रॉयल्टी खान तथा खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 के तहत कर है. क्या केवल केंद्र को ही ऐसा कर लेने का अधिकार है या राज्यों को भी अपने क्षेत्र में खनिज युक्त भूमि पर कर लेने का अधिकार है. चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली नौ जजों की पीठ ने केंद्र और राज्यों से इस पहलू पर लिखित दलीलें दाखिल करने को कहा और कहा कि वह 31 जुलाई को इस मुद्दे पर फैसला करेगी. अगर यह फैसला पूर्वव्यापी लागू होता है, तो राज्यों को भारी कर बकाया देना पड़ सकता है. राज्य चाहते हैं कि यह फैसला पूर्वव्यापी रूप से लागू हो, जबकि केंद्र इसे भविष्य के लिए लागू करना चाहती है.

कोर्ट ने क्या -क्या कहा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यों के पास मिनरल्स वाली जमीन पर कर लगाने की क्षमता और शक्ति है. इससे ओडिशा, झारखंड, बंगाल, छत्तीसगढ़, एमपी और राजस्थान को बड़ा फायदा होगा. चीफ जस्टिस ने कहा, रॉयल्टी खनन पट्टे से आती है. रॉयल्टी खनन में निकाले गए मिनरल्स की मात्रा के आधार पर तय की जाती है. रॉयल्टी की बाध्यता पट्टा देने वाले और पट्टा लेने वाले के बीच अनुबंध की शर्तों पर निर्भर करती है. इसके लिए जो भी पेमेंट होती है, वह सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए नहीं, बल्कि विशेष उपयोग शुल्क के लिए होता है. ऐसे में सरकार को अनुबंध के लिए किए गए भुगतान को टैक्स नहीं माना जा सकता. मालिक खनिजों को अलग करने के लिए रॉयल्टी लेता है. रॉयल्टी को लीज डीड द्वारा जब्त कर लिया जाता है और टैक्स लगाया जाता है. हमारा मानना है कि इंडिया सीमेंट्स के फैसले में रॉयल्टी को टैक्स बताना गलत है.

केंद्र की दलील- रॉयल्टी का अधिकार केंद्र के पास हो

केंद्र की ओर से पेश अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने तर्क दिया था- केंद्र के पास खदान और खनिजों पर टैक्स लगाने की ज्यादा शक्तियां हैं. सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि खदान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम खनिजों पर टैक्स लगाने की राज्यों की विधाई शक्ति पर सीमा लगाती है और रॉयल्टी तय करने का अधिकार केवल केंद्र सरकार के पास है.केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर राज्य सरकारों के द्वारा खनिज पर रॉयल्टी से अधिक टैक्स लगाने का विरोध किया था. केंद्र ने अदालत से राज्यों द्वारा रॉयल्टी से अधिक टैक्स लगाने की अनुमति ना देने के लिए कहा था. केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि खनिज समृद्ध राज्यों द्वारा लगाए गए टैक्स से महंगाई बढ़ेगी. खनन क्षेत्र में एफडीआई में बाधा आएगी. भारतीय खनिज महंगा हो जाएगा. व्यापार घाटे में वृद्धि और राज्यों के बीच विषम आर्थिक विकास के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार कम प्रतिस्पर्धी हो जाएगा.

क्या है रॉयल्टी : कंपनियां खनिज की मात्रा के अनुपात में निकाले गए खनिज के लिए एक निश्चित राशि का भुगतान करती हैं. इस तरह के भुगतान को रॉयल्टी कहा जाता है. रॉयल्टी की गणना निकाले गए या हटाए गए खनिजों की मात्रा के आधार पर की जाती है.

किसका कितना बकाया (रुपये में)

राज्य	बकाया	राज्य	बकाया
ओडिशा	1798369 .46 लाख	महाराष्ट्र	30453 .66 लाख
छत्तीसगढ़	883872 .12 लाख	गुजरात	25165 .11 लाख
राजस्थान	367596 .65 लाख	तेलंगाना	22473 .79 लाख
झारखंड	**279140 .34 लाख**	तमिलनाडु	17936 .39 लाख
आंध्र प्रदेश	41402 .136 लाख	गोवा	9755 .24 लाख
कर्नाटक	254214 लाख	यूपी	2452 .32 लाख

कारगिल विजय दिवस आज

भारत ने 26 जुलाई, 1999 में पाकिस्तानी सेना को खदेड़ते हुए कारगिल में विजय पताका फहराया था. इसके बाद से ही हर साल 26 जुलाई के दिन भारत कारगिल विजय दिवस मनाता है. यह दिन उन सैनिकों की बहादुरी को समर्पित है, जिन्होंने भारत को जीत दिलाई थी, साथ ही यह उन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का दिन है, जिन्होंने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे. कारगिल दिवस के दिन स्कूल, कॉलेज, सरकारी व गैर-सरकारी शैक्षिक और अन्य संस्थानों में समारोह आयोजित किए जाते हैं.

ऑपरेशन विजय के नाम से भारत ने चलाया था अभियान

- 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ, 60 दिन तक कारगिल चला युद्ध–527 जवान हुए थे शहीद, करीब 1400 जवान घायल हुए

जेपी पटेल व लोबिन की विधायकी गई, स्पीकर कोर्ट ने सुनाया फैसला

प्रमुख संवाददाता। रांची

विधानसभा सदस्य जेपी पटेल और लोबिन हेंब्रम की विधायकी चली गई. विधानसभा स्पीकर कोर्ट ने गुरुवार को इसका फैसला सुना दिया. पिछले दो दिनों से इस मामले की सुनवाई स्पीकर कोर्ट में चल रही थी. बुधवार को सुनवाई पूरी होने के बाद स्पीकर ने फैसला सुरक्षित रख लिया था. साथ ही दोनों से गुरुवार को दोपहर 12 बजे तक जवाब देने को कहा गया था. दोनों की ओर से लिखित जवाब मिलने के चार घंटे बाद स्पीकर रवींद्र नाथ महतो ने दोनों विधायकों की सदस्यता रद्द करने का फैसला सुना दिया. दोनों को दल-बदल मामले में दसवीं अनुसूची के उल्लंघन के लिए दोषी माना गया. इन दोनों विधायकों की सदस्यता 26 जुलाई से रद्द मानी जाएगी.

पार्टी लाइन से बाहर जाकर लोबिन ने लड़ा था चुनाव : झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम ने अपनी पार्टी के खिलाफ राजमहल से लोकसभा चुनाव लड़ा था. पार्टी अध्यक्ष शिबू सोरेन ने इनको पार्टी से निलंबित करते हुए दल-बदल की शिकायत की थी. वहीं विधायक लोबिन हेंब्रम की ओर से कहा गया कि इससे संबंधित कोई नोटिस नहीं मिला है. सदन में हेमंत सोरेन के पक्ष में वोट किया था. इसका मतलब है कि वे झामुमो के ही विधायक हैं. वहीं झामुमो की ओर से कहा गया कि लोकसभा चुनाव के दौरान लोबिन हेंब्रम ने पार्टी लाइन से बाहर जाकर चुनाव लड़ा. ऐसे में उनकी सदस्यता खत्म होनी चाहिए

दसवीं अनुसूची के उल्लंघन के लिए दोनों को माना दोषी

- 26 जुलाई से मानी जाएगी दोनों की सदस्यता रद्द
- दोनों के लिखित जवाब देने के चार घंटे बाद स्पीकर ने सुनाया फैसला

कांग्रेस के टिकट पर जेपी पटेल ने लड़ा था चुनाव

वहीं, भाजपा विधायक जेपी पटेल लोकसभा चुनाव के कुछ दिन पहले कांग्रेस में शामिल हो गये थे और हजारीबाग से कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़े थे. इनके खिलाफ नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने दल-बदल की शिकायत की थी. सुनवाई के दौरान अमर बाउरी ने पूछा था कि विधायक केवल इतना बता दें कि वह कांग्रेस के चुनाव चिह्न पर हजारीबाग सीट से लोकसभा का चुनाव लड़े थे या नहीं. प्रतिवादी जेपी पटेल ने इस पर कहा था कि मुझे मंगलवार को ही याचिका की कॉपी मिली. इसलिए मुझे जवाब के लिए 90 दिनों का समय चाहिए. इस पर स्पीकर ने उन्हें गुरुवार को ही जवाब देने को कहा था.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	64,800
चांदी (किलो)	87,000

ब्रीफ खबरें

महाराष्ट्र में बारिश का कहर, इलाके जलमग्न

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच गुरुवार को को वर्षाजनित घटनाओं में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई. पुणे समेत महाराष्ट्र के कई निचले इलाके जलमग्न हो गये हैं. मुंबई में जनजीवन अस्त-व्यस्त है. गुजरात में भी बारिश का कहर जारी है. पेज 12 भी देखें

केजरीवाल के समर्थन में 30 को 'इंडिया' की रैली

नयी दिल्ली। विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन 30 जुलाई को जंतर-मंतर पर एक रैली आयोजित करेगा, जिसमें तिहाड़ जेल में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरती सेहत का मुद्दा उठाया जाएगा. आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को यह जानकारी दी.

दरबार हॉल और अशोक हॉल के नाम बदले गए

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति भवन के प्रतिष्ठित दरबार हॉल और अशोक हॉल के नाम गुरुवार को बदल कर क्रमशः गणतंत्र मंडप और अशोक मंडप कर दिए गए. इस मामले पर सियासत भी तेज हो गई है. इसको लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा. प्रियंका गांधी ने कहा कि दरबार का कोई कॉन्सेप्ट नहीं है, लेकिन 'शहंशाह' का कॉन्सेप्ट है.

लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे उठाया सवाल, की मांग, मचा हंगामा

संथाल के 10% आदिवासी कहां गुम हो गए?

एजेंसी। नयी दिल्ली

गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को लोकसभा में आदिवासियों की घटती आबादी का मुद्दा उठाया. उन्होंने शुरुआत संविधान खतरे में है से की और कहा कि हम यहां दलितों की बात करते हैं, आदिवासी की बात करते हैं. कहीं किसी की सरकार हो, उसका एकमात्र लक्ष्य यही है कि अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है. सांसद ने कहा, जिस संथाल परगना से आता हूं, वहां जब बिहार से झारखंड अलग हुआ, तो आदिवासी आबादी 36% थी. आज आदिवासियों की आबादी 26% है. 10% आदिवासी कहां गायब हो गए, कहां खो गए?

123% की दर से बढ़ी मुस्लिम आबादी : सांसद ने कहा कि जिप की जो अध्यक्ष हैं, उनके पति मुसलमान हैं. हमारे यहां सौ आदिवासी मुखिया हैं जो आदिवासी के नाम पर हैं और उनके पति मुस्लिम हैं. प्रत्येक चुनाव में 15 से 17% आबादी बढ़ती है, हमारे यहां 123%. दुबे ने कहा कि जिस लोकसभा से चुन कर आया, उसकी एक विस सीट मधुपुर में 267 बूथों पर मुस्लिमों की आबादी 117%बढ़ गई है. झारखंड में 25 ऐसी विस सीटें हैं जहां 123%, 110% आबादी बढ़ी है. ये बड़ी चिंता का विषय है. उन्होंने पाकुड़ जिले के तारानगर इलामी और दारापाड़ा में दंगे का मुद्दा उठाते हुए कहा, मालदा और मुर्शिदाबाद के लोग आकर हमारे लोगों को भगा रहे हैं. गांव के गांव खाली हो रहे हैं. दुबे ने कहा कि ये मैं ऑन रिकॉर्ड कह रहा हूं. अगर मेरी बात गलत है, तो मैं इस्तीफा देने को तैयार हूं. सांसद ने कहा, मालदा, मुर्शिदाबाद, किशनगंज, अररिया, कटिहार और जो पूरा संथाल परगना है, इसको केंद्र शासित प्रदेश बनाइए. नहीं तो हिंदू खत्म हो जाएंगे. एनआरसी लागू करिए. इसके पहले पहले हाउस की एक कमेटी भेजिए और इस कमेटी में टीएमसी के अधिक से अधिक सांसदों को शामिल करिए.

- संथाल परगना , मुर्शिदाबाद, अररिया, किशनगंज, मालदा को बनाया जाए केंद्रशासित प्रदेश, वरना खत्म हो जाएंगे हिंदू
- झारखंड की 25 विस सीटों पर बढ़े 110% मुस्लिम, गांव के गांव हो गए खाली

बांग्लादेशी कर रहे यहां की लड़कियों से शादी

सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि इसके बारे में कभी भी ये सदन चिंता की बात नहीं करता है, वोटबैंक की पॉलिटिक्स करता है. निशिकांत दुबे ने कहा कि हमारे यहां जो सरकार है झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस, इसके लिए कोई भी एक्शन नहीं लिया जा रहा है. उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की घुसपैठ हमारे यहां लगातार बढ़ रही है. आदिवासी महिलाओं के साथ बांग्लादेशी घुसपैठिए शादी कर रहे हैं. हिंदू और मुसलमान का सवाल नहीं है. बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि हमारे यहां जो लोकसभा का चुनाव लड़ती हैं महिला, वह आदिवासी कोटे से लड़ती हैं और उसके पति मुसलमान हैं.

पेरिस ओलंपिक का आज रंगारंग उद्घाटन

पेरिस। पेरिस ओलंपिक शुक्रवार को सीन नदी पर ऐतिहासिक उद्घाटन समारोह के साथ शुरू होगा. भारत भी इस महत्वपूर्ण अवसर का हिस्सा होगा. उद्घाटन समारोह भारतीय समयानुसार रात 11 बजे से शुरू होगा और भारत में इसका सीधा प्रसारण भी होगा.

ओलंपिक इतिहास में पहली बार उद्घाटन समारोह किसी स्टेडियम में नहीं होगा. सभी राष्ट्रों की पारंपरिक परेड पेरिस की सीन नदी के किनारे होगी. समारोह में, 100 नावों पर 10,000 एथलीट सीन के ज़रिए यात्रा करेंगे. दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु और टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल, पेरिस परेड ऑफ नेशंस में भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे. -पेज 10 भी देखें

विस का मॉनसून सत्र आज से, 29 को अनुपूरक बजट

विधानसभा अध्यक्ष के चैंबर में आयोजित बैठक में सीएम हेमंत सोरेन.

विशेष संवाददाता। रांची

हेमंत के तीसरी बार सीएम बनने के बाद विस का मॉनसून सत्र शुक्रवार से शुरू हो रहा है. छह दिन के कार्यदिवस वाले इस छोटे सत्र के सफल संचालन के लिए विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने गुरुवार को विधायक दल के नेताओं की बैठक बुलाई.

बैठक में इंडिया गठबंधन विधायक दल के नेता एवं सीएम हेमंत सोरेन, कांग्रेस की ओर से मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव, माले विधायक विनोद सिंह और आजसू के लंबोदर महतो ने हिस्सा लिया. बैठक के बाद बातचीत में सीएम ने कहा कि सवाल भी आते हैं, जवाब भी आते हैं. जैसा आसन का निर्देश होता है, उसके अनुसार सदन चलता है. जब उनसे पूछा गया कि भाजपा के विधायक बैठक में नहीं आए. तो उन्होंने कहा कि वे लोग तो आए थे, मगर किस लिए आए, किस उद्देश्य के लिए आए, यह तो वही लोग बता सकते हैं. हेमंत ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा झारखंड में राष्ट्रपति शासन लगाए जाने की मांग पर कहा कि वे संसद देखें, झारखंड के बारे में अधिक चिंता न करें.

सत्र हंगामेदार होने की संभावना, भाजपा विभिन्न मुद्दों पर घेरेगी : विधानसभा का मॉनसून सत्र हंगामेदार रहने की संभावना है. भाजपा विभिन्न मसलों जैसे रोजगार, नौकरी, स्थानीय नीति, विधि व्यवस्था, बांग्लादेशी घुसपैठ सहित अन्य मसलों पर सरकार को घेरेगी. इधर सत्ता पक्ष भी विपक्ष के हमले का मुंहतोड़ जवाब देने को तैयारी कर रहा है.

स्पीकर ने की विधायकों की बैठक, भाजपा के लोग नहीं हुए शामिल

- **हेमंत ने कहा :** भाजपा के कुछ लोग तो आए थे, मगर किस उद्देश्य से आए थे, वही बता सकते हैं

सदन में किस दिन क्या होगी कार्यवाही

26 जुलाई : शपथ ग्रहण अगर कोई हो तो, राज्यपाल सदन में प्रख्यापित अध्यादेशों को रखेंगे, शोक प्रस्ताव यदि हो तो

27, 28 जुलाई : अवकाश

29 जुलाई : प्रश्नकाल, वित्तीय वर्ष 2024-25 का प्रथम अनुपूरक बजट पेश

30 जुलाई : प्रश्नकाल, अनुपूरक बजट पर चर्चा

31 जुलाई : राजकीय विधेयक एवं राजकीय कार्य यदि हो, प्रश्नकाल

01 अगस्त : प्रश्नकाल, राजकीय विधेयक एवं अन्य राजकीय कार्य यदि हो

2 अगस्त : राजकीय विधेयक एवं राजकीय कार्य यदि हो, गैर सरकारी संकल्प

हाई बोल्ट का नंगा तार हैं योगी

प्रसंगवश

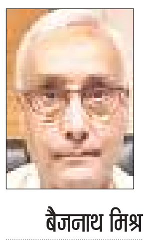

बैजनाथ मिश्र
वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

राजनीतिक दलों में असंतोष सीक्रेट एजेंट की तरह होता है. वह मौके की तलाश में रहता है. जब तक पार्टियां उड़ान या उठान पर होती हैं, तब तक यह एजेंट साइलेंट मोड में होता है. लेकिन जैसे ही वे ढलान की ओर अग्रसर होती हैं, यह एजेंट अपने पैंतरे दिखाने लगता है. उत्तर प्रदेश भाजपा में यह परिदृष्य सतह पर आ गया है. ऐसा मीडिया की खबरों से प्रतीत होता है. मूल सवाल यह उठ रहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बचेंगे या जायेंगे ? ऐसे ही हालात 1999 में बने थे. तब कल्याण सिंह बतौर मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से भिड़ गये थे. अंततः उन्हें जाना पड़ा था. उन्होंने अलग पार्टी बनायी, मुलायम सिंह यादव से समझौता भी किया. इससे इन दोनों को तो नुकसान हुआ ही, भाजपा भी लहूलुहान हो गयी थी. थक-हार कर मेरो मन अनत कहां सुख पावै, जैसे उड़ि जहाज को पंछी पुनि जहाज पै आवै गाते हुए कल्याण सिंह भाजपा में वापस आये जरूर, लेकिन भाजपा को उबरने में कम से कम एक दशक से ज्यादा लग गया. कल्याण सिंह ने भाजपा को गढ़ा था, सींचा था, संवारा था और राम मंदिर के लिए अपनी बहुमत की सरकार कुर्बान कर दी थी. प्रदेश में उनकी हैसियत का नेता तब भी नहीं था और अब भी नहीं है. लेकिन उन्होंने सबसे बड़ी भूल यह कर दी कि वह वाजपेयी जी से भिड़ गये. इतिहास गवाह है कि जो अटल जी से भिड़ा वह कहीं का नहीं रहा. बलराज मधोक से लेकर गोविंदाचार्य और सुब्रह्मण्यम स्वामी तक.

खैर अब लौटते हैं उत्तरप्रदेश में मौजूदा हालात पर. योगी जी न संघ में रहे हैं, ना ही भाजपा संगठन में. न उन्होंने संघ के लिए कुछ किया है, ना ही भाजपा के लिए. उनके दादा गुरु महंत दिग्विजय नाथ हिंदू महासभा के थे और उनके शिष्य अवैद्यनाथ जी भी उसी के ध्वजवाहक थे. लेकिन ये दोनों राम मंदिर के लिए अड़े और लड़े. बाद में अवैद्यनाथ जी भाजपा से जुड़े, चुनाव लड़े और बाद में एक घटना के कारण आदित्यनाथ ने राजनीति में पदार्पण किया और गोरखपुर से लगातार संसद पहुंचते रहे. उन्होंने हिंदू रक्षा वाहिनी भी बनायी और हिंदुओं के लिए अपने गुरुओं की राह पर चलते हुए पूरी शिद्दत से लड़े और किसी से भी भिड़े. बावजूद इसके वह प्रदेश के नेता कभी नहीं थे. वह गोरखपुर मंडल और खींचतान कर पूर्वी उत्तर प्रदेश में ही प्रभावी रहे. लेकिन 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद वह पूरे प्रदेश में छा गये हैं. आज उनके बराबर का कोई नेता भाजपा में तो नहीं ही है, दूसरी पार्टियों में भी नहीं है. उन्होंने नो रिटर्न एंड पर चले गये प्रदेश को पटरी पर लाने का प्रयास किया है. उन्होंने कानून का राज तो स्थापित किया ही है, विकास की आस भी जगायी है. वह अपनी वेश-भूषा, भाषा और व्यक्तित्व-कृतित्व से हिंदुत्व के आइकॉन बन गये हैं. यानी हिंदुत्व के मामले में आज भाजपा जहां है, योगी जी उससे एक सीढ़ी ऊपर हैं. ऐसे में क्या लोकसभा चुनाव में प्रदेश में भाजपा की दुर्गति के लिए उन्हें कसूरवार मानते हुए मुख्यमंत्री पद से हटा दिया जायेगा ? इस प्रश्न का उत्तर इस सवाल में छिपा है कि उन्हें किन लोगों के कहने या दबाव में हटाया जायेगा और उनकी जगह लाया कौन जायेगा ? -शेष पेज 11 पर

झामुमो की बैठक तीसरे दिन भी जारी, हेमंत सोरेन ने कार्यकर्ताओं में भरा उत्साह

विशेष संवाददाता। रांची

विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर झामुमो की बैठक तीसरे दिन भी जारी रही. गुरुवार को उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के हज़ारीबाग, रामगढ़ एवं कोडरमा जिला के पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक हरमू स्थित सोहराई भवन के सभागार में संपन्न हुई.

बैठक में वर्तमान राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही लोक कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार तथा सांगठनिक रूप से युद्ध स्तर पर कार्यक्रमों को आयोजित कर योजनाओं का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया. बैठक में आए सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्बोधित किया तथा कार्यकर्ताओं में उत्साह तथा ऊर्जा भरने का कार्य किया. बैठक में केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने आए कार्यकर्ताओं के मन में राज्य की लोक कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में उठ रही जिज्ञासाओं को शांत किया.संगठन की मजबूती के लिए बूथ स्तर पर कार्यक्रम करने की बात कही. बैठक में उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के हज़ारीबाग, रामगढ़ एवं कोडरमा जिला के जिला समिति के सभी पदाधिकारी, वर्ग संगठनों के अध्यक्ष एवं सचिव, नगर/महानगर समिति के पदाधिकारी, प्रखंड समिति के पदाधिकारी तथा पंचायत समिति के अध्यक्ष तथा सचिव शामिल हुए.

गुरुवार को झामुमो की उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल की बैठक.

आज होगी पलामू प्रमंडल की बैठक : 27 जुलाई को चतरा, पलामू तथा लातेहार जिला के पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक रांची के हरमू स्थित सोहराई भवन में आहूत होगी.

सीएम ने रिम्स में भर्ती जेएमएम जिला सचिव का हाल जाना

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को रिम्स ट्रामा सेंटर व इमरजेंसी की आईसीयू में भर्ती जेएमएम के जिला सचिव महालाल सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली.

महालाल सोरेन को उल्टी, मतली, चक्कर आने और सिरदर्द होने के कारण रिम्स में भर्ती किया गया है. डॉक्टर ने बताया कि उन्हें हृदय संबंधी भी परेशानी रही है, जिसकी कार्डियोलॉजी विशेषज्ञ द्वारा समीक्षा की गयी, जिसमे सभी जांच सामान्य आई. उन्होंने बताया कि उन्हें कार्डियोलॉजी विभाग में भर्ती करने की आवश्यकता नहीं है. बाकी अनिवार्य जांच में भी सभी पैरामीटर सामान्य हैं. महालाल सोरेन का इलाज मेडिसिन विभाग के चिकित्सक डॉ संजय कुमार सिंह के अधीन हो रहा है. मुख्यमंत्री ने मरीज़ को बेहतर चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराने का निर्देश प्रबंधन को दिया. उन्होंने इमरजेंसी में इलाजरत अन्य मरीजों से भी मुलाकात की और उनसे इलाज एवं दवाओं की उपलब्धता इत्यादी के विषय में जानकारी ली. मरीज़ों से प्राप्त फीडबैक से वह संतुष्ट दिखे. प्रबंधन को उन्होंने सभी को बेहतर चिकित्सा सेवा प्रदान करते रहने का निर्देश दिया.

हेमंत ने दिया मंत्र

विपक्ष के हर सवाल का जवाब देगें: सीएम

रांची। सीएम मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विस सत्र की पूर्व संध्या इंडिया गठबंधन के मंत्रियों-विधायकों के साथ बैठक की. सीएम ने मंत्रियों और विधायकों को मॉनसून सत्र को लेकर विचार-विमर्श किया. उन्होंने कहा कि सरकार ने बहुत सारे कार्य किए हैं, बहुत सारी योजनाएं शुरू की है. इसलिए आप सदन में विपक्ष के हर सवालों का मजबूती से सामना करें और उसका जवाब दें. बैठक में सभी मंत्री और विधायक मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

मैं किसी भी पार्टी या नेता के संपर्क में नही जय़राम

रांची। झारखंड भाषा खतियानी संघर्ष समिति(जेबीएसएस) ने अकेले दम पर विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है. पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो ने गुरुवार को प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि जिस उम्मीद से राज्य की जनता ने महागठबंधन को सत्ता सौंपी थी, वह उम्मीद पूरी नहीं हुई. उन्होंने इस बात की भी खंडन किया कि हम किसी भी पार्टी और नेता के संपर्क में नहीं है. उन्होंने यह भी कहा कि कुछ दिन पहले कई दलों के नेताओं ने संपर्क किया था. सरयू राय से भी किसी तरह के गठबंधन की संभावना को एक सिरे से खारिज कर दिया. उन्होंने कहा कि पार्टी 55 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ सकती है. पलामू में भी पार्टी को बेहतर रेस्पांस मिल रहा है.

रेलवे के ई-टिकट का अवैध कारोबारी धराया

रांची। आरपीएफ ने रेलवे ई टिकट के एक अवैध कारोबारी को गिरफ्तार किया है. कारोबारी का नाम अभिनव नाथ मिश्रा है. वह रातू के बिजुलिया का है. उसके पास से पांच ई-टिकट पाया गया. आरपीएफ के निरीक्षक डी शर्मा ने बताया कि रांची रेल मंडल में रेल टिकट के अवैध कारोबारियों के खिलाफ आरपीएफ कमांडेंट के निर्देश पर अभियान जारी है. इसी क्रम में अपराध शाखा के जरिये रातू थाना के सहयोग से रेडियो स्टेशन रोड, काठी टांड़ चौक स्थित अभिनव प्रज्ञा केंद्र में रेड की गई. इस दौरान अभिनव नाथ मिश्रा को रेलवे के पांच ई-टिकट के साथ पकड़ा गया. पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह अपने निजी आईडी से टिकटों को अन्य व्यक्तियों के लिए निकाला था.

आदिवासियो की जमीन लूट को विस में उठाने की मांग

रांची। विभिन्न आदिवासी संगठनों ने राज्य में जमीन लूट के खिलाफ गुरुवार को पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी से मुलाकात की. उन्हें राज्य मे आदिवासियों की धार्मिक, भूंईहरी औऱ निजी जमीन की लूट से अवगत कराया गया.आदिवासी संगठनों ने जमीन लूट को मॉनसून सत्र के दौरान विधानसभा में उठाने का मांग की है. क्योंकि जमीन कारोबारी आदिवासी जमीन पर जबरन दखल-कब्जा कर रहा है.आपराधिक तत्व और राजस्व अधिकारियों से मिलीभगत से दस्तावेजों में छेड़छाड़ हो रही है. पुलिस प्रशासन, जमीन माफिया गठजोड़ से लोग परेशान हो गये है. हजारों जमीन मालिक मुख्यमंत्री, मंत्री और अधिकारियों को शिकायत की है. इसके बावजूद कोई कार्रवाई नही हो रही है.

न्यू मधुकम साईं बिहार कॉलोनी की सड़क बदहाल

गड्ढे ही गड्ढे हर रोज होते हादसे

बेहद खराब हालत: सड़क पर गड्ढों की भरमार. इसी से होकर लोग करते हैं रोज आना-जाना. फोटो। रमीज

संवाददाता। रांची

शहर के मुहल्लों की सड़कों का बुरा हाल है. कई मुहल्लों की मुख्य सड़कें गड्ढों में तब्दील हो गई हैं. कहीं सड़कें कीचड़मय हो गई हैं, तो कहीं गड्ढों में पानी भरा होने के कारण हर रोज हादसे होते हैं. गड्ढों के कारण मुहल्ले के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. हल्की बारिश में नाली का पानी सड़क में बहने लगता है. लोगों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है. शहर के न्यू मधुकम इलाके की साईं बिहार कॉलोनी की सड़क कहीं तालाब में तब्दील हो गई है, तो कही छोटे-छोटे गड्ढों में भरे पानी के कारण सड़क व गड्ढे में फर्क पता ही नहीं चल पाता है. रात हो या दिन सड़क पर संभल कर न चले, तो गिर कर चोटिल होना तय है. इस सड़क की ऐसी स्थिति पिछले सात वर्षों से बनी हुई है. सड़क बनाने की मांग को लेकर निगम के अफसरों से लेकर सांस-विधायक तक से गुहार लगाई गई, लेकिन किसी ने ध्यान ही नहीं दिया. न्यू साईं बिहार कॉलोनी में लगभग पांच सौ मकान हैं और 10 हजार की आबादी है. लेकिन मुहल्ले के लोग गड्ढों वाली सड़क पर ही चलने को मजबूर हैं.

क्या कहते हैं कॉलोनी के लोग

पैदल चलने में भी लगता है डर : चंचल देवी

मुहल्ले की चंचल देवी ने बताया कि मुहल्ले की सड़क पर इतने गड्ढे हो गए हैं कि पैदल चलने में भी डर लगता है, कहीं गड्ढों के कारण पैर न मुचक जाए. नाली का पानी गड्ढे में जमा हो जाता है. मुहल्ले के लोगों को घर से बाहर निकलने में कई बार सोचना पड़ता है. यमुना नगर में पिछले दो साल से पानी के लिए पाइपलाइन बिछायी जा रही है, लेकिन अभी तक घरों तक पानी नहीं पहुंच पाया है. कहीं-कहीं तो पाइप भी नहीं बिछायी गयी है.

गुहार कोई सुनता ही नहीं : सुनील राम

कॉलोनी में सुनील राम ने बताया कि यह सड़क पाहन टोली, मधुकम, लोटोगाड़ा मुहल्लों को जोड़ती है.नाले का पूरा पानी सड़क पर बहने लगा है. जहां-जहां गड्ढे हैं,वहां-वहां पानी जमा है.गड्ढों में जमा नाले व बारिश के गंदे पानी से बदबू उठने के कारण परेशानी और बढ़ गयी है. सड़क किनारे दो मंदिर हैं. एक शिव मंदिर और दूसरा हनुमान मंदिर है. श्रद्धालु इसी रोड से होकर सुबह- शाम पूजा अर्चना करने जाते हैं. सात साल से विधायक से रोड और नाली का मांग कर रहे हैं, लेकिन कोई सुन नहीं रहा है.

नाली का गंदा महकउवा पानी सड़क पर जमा : अजु देवी

अंजु देवी ने बताया कि गैलेक्सिया मॉल, रूगड़ा गड़ा का पानी इसी रोड पर जमा हो जाता है.गर्मी में भी पानी जमा रहता है, तो बरसात के दिनों में क्या हालत होती है, सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है. सड़क की बुरी स्थिति बनी रहती है. पैदल चलना भी मुश्किल है. नगर निगम के कर्मी सफाई करने आते हैं, लेकिन सही से साफ-सफाई नहीं करते, जिससे नाली का गंदा महकउवा पानी सड़क पर बहता रहता है.

लोग मलेरिया-डेंगू की चपेट में : आलोक सिन्हा

आलोक सिन्हा ने बताया कि यह सड़क पांच-सात साल पहले बनी थी, लेकिन पहली बारिश में ही सड़क पूरी तरह से तरह से जर्जर हो गयी थी. सड़क की मांग को लकेर कई बार सांसद से मिले. आचार संहिता का हवाला देकर सांसद ने चुनाव बाद बनवाने का आश्वासन दिया.चुनाव जीतने का बाद जर्जर सड़क देखने तक नहीं पहुंचे. गंदे नाले में तब्दील सड़क के कारण लोगों को कैसी-कैसी परेशानी हो रही है, यह जानने भी नहीं आये. सड़क पर बने गड्ढे में गंदा पानी जमने से डेंगू का प्रकोप बढ़ गया है.

तो सांसद-विधायक का घर घेरेंगे : कुंती देवी

कुंती देवी ने कहा, पिछली बार रोड में धान रोपकर विधायक- सांसद का विरोध किया गया था. उसके बाद मिट्टी, डस्ट और ईंट लाकर ऊबड़-खाबड़ कर डाल दिया गया, जिससे परेशानी और बढ़ गई. बारिश होने से सड़क कीचड़मय हो जाती है. रोड का निर्माण विधानसभा चुनाव से पहले नहीं कराया गया तो मुहल्ले के लोग मिलकर विधायक और सांसद के आवास का घेराव करेगी. मुहल्ला के लोग इस रोड को लेकर गुस्से में है. लोग सड़क छोड़कर दुकान के सामने बनाये गए चबूतरे से होकर जाते हैं.

'महिला नीत विकास' की तरफ बढ़ रही है सरकार: अन्नपूर्णा देवी

रांची। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा है कि सरकार वीमेन डेवलपमेंट (महिला विकास) से वीमेन लेड डेवलपमेंट (महिला नीत विकास) की ओर बढ़ रही है जहां महिलाएं राष्ट्रीय प्रगति की कहानी में समान भागीदार बनें और नेतृत्व भी करें. मंत्री ने दिल्ली में पत्रकारों के साथ बातचीत में यह टिप्पणी की. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, अन्नपूर्णा देवी ने कहा, प्रधानमंत्री जी ने विकसित भारत के निर्माण का जो संकल्प लिया है उसी दिशा में सरकार वीमेन डेवलपमेंट से वीमेन लेड डेवलपमेंट की ओर बढ़ रही है, जहां महिलाएं विकास और राष्ट्रीय प्रगति की कहानी में समान भागीदार हों और जहां वे नेतृत्व भी करें. उन्होंने मंत्रालय की कई योजनाओं और कदमों का भी उल्लेख किया. उनके मुताबिक, महिलाओं की सुरक्षा के लिए, वन-स्टॉप सेंटर आवश्यक सेवाएं प्रदान करते हैं, जिसमें चिकित्सा और कानूनी सहायता शामिल है, और 24 घंटे टोल-फ्री हेल्पलाइन ''181'' और ''1098'' संकट से महिलाओं और बच्चों को तत्काल सहायता प्रदान की जाती है. मंत्री ने कहा, मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 कार्यक्रम महिलाओं और बच्चों में कुपोषण से निपटने पर केंद्रित है और उनके स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के बीच महत्वपूर्ण संबंध को रेखांकित करता है. मंत्रालय कामकाजी महिलाओं के छात्रावास और पालना घर के माध्यम से महिलाओं की कार्यबल भागीदारी को मजबूत करने के लिए भी प्रयासरत है. अन्नपूर्णा देवी ने इस बात का उल्लेख किया, 2024-25 के लिए महिलाओं के सशक्तीकरण के उद्देश्य से योजनाओं के लिए जेंडर बजट आवंटन 3.3 लाख करोड़ रुपये है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 37.3 प्रतिशत अधिक है. यह महिलाओं के कल्याण और सशक्तीकरण के प्रति सरकार के संकल्प को दर्शाता है.

डिस्टिलरी पुल वेजीटेबल मार्केट में सजीं दुकानें

गुरुवार को डिस्टिलरी पुल के मार्केट में लगी सब्जी की दुकानें.

संवाददाता। रांची

लालपुर-कोकर मार्ग के सब्जी विक्रेताओं को व्यवस्थित करने के लिए डिस्टिलरी पुल के पास वेजीटेबल मार्केट का निर्माण किया गया था. मंगलवार को लॉटरी से 130 विक्रेताओं को दुकान मिली थी. इसके बाद बुधवार सुबह से सब्जी विक्रेताओं ने मार्केट में दुकान लगाना शुरू कर दिया.

दुकान मिलने से सब्जी विक्रेता काफी खुश नजर आये. बता दें कि कुल 368 विक्रेताओं ने वेजीटेबल मार्केट में जगह के लिए सहमति पत्र भरा था. इनमें से 356 विक्रेताओं को लॉटरी के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया. लॉटरी के बाद कुल 130 लोगों को जगह आवंटित की गई थी.

226 विक्रेताओं को अब भी जगह की तलाश : वेजीटेबल मार्केट के लिए 356 योग्य विक्रेताओं में से अब तक 130 विक्रेताओं को ही मार्केट में जगह मिली है. वहीं 226 विक्रेताओं में दुकान लगाने के लिए अब भी जगह की तालाश है. निगम के एक अधिकारी ने बताया कि निगम द्वारा बचे विक्रेताओं को आस-पास में जगह देने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा.

पार्किंग व मार्केट के बाहर भी विक्रेताओं ने लगाए दुकान : सब्जी विक्रेता संघ और निगम के बीच सहमति बनी थी कि कुछ दुकानों को पार्किंग एरिया में भी लगाने की इजाजत दी जाएगी. बुधवार को कुछ विक्रेताओं ने मार्केट के पार्किंग और वेजीटेबल मार्केट के बाहर भी अपनी-अपनी दुकानें लगायी.

सड़क पर न लगें दुकानें

सब्जी विक्रेताओं को वजीटेबल मार्केट में दुकान आवंटित करने के बाद निगम ने बुधवार को कोकर-लालपुर रोड में अतिक्रमण हटाओं अभियान भी चलाया. इस दौरान निगम की टीम के द्वारा सड़क पर लगी दुकानों को हटाया गया. साथ ही सड़क पर दुकान नहीं लगाने की चेतावनी भी दी.

मतदाता सूची के लिए जांचे गए वोटरों के नाम

संवाददाता। रांची

मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत गुरुवार को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन किया गया. रांची समेत जिला के विभिन्न बूथों पर बीएलओ मतदाता सूची के प्रारुप के साथ उपस्थित थे, जहां मतदाताओं ने वोटर लिस्ट में अपना नाम जांचा.

इस दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने डोरंडा स्थित अपने बूथ जाकर प्रकाशित ड्राफ्ट मतदाता सूची में अपना और अपने परिजनों के नाम की जांच की. उन्होंने राज्य के सभी मतदाताओं से भी अपील की कि वे ड्राफ्ट मतदाता सूची में अपना और अपने परिजनों का नाम जरूर जांच लें.

डीसी ने किया बूथ का निरीक्षण : जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने रातू रोड स्थित श्रद्धानंद सेवाश्रम मध्य विद्यालय अवस्थित बूथ नंबर 31-39 और 43-45 का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान बारी-बारी से सभी 12 बूथों के बीएलओ व बीएलओ सुपरवाइजर से प्री-रिवीजन के दौरान हाउस टू हाउस सर्वे की जानकारी ली. उन्होंने मतदाता सूची का अवलोकन करते हुए सभी बीएलओ से उनके संबंधित क्षेत्र में नये मतदाताओं की संख्या में बढ़ोतरी के बारे में पूछा.

ज्यादा से ज्यादा लोगों का नाम मतदाता सूची में जोड़ें: डीसी

डीसी ने सभी बीएलओ को कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा योग्य नागरिकों का नाम मतदाता सूची में दर्ज करायें. उन्होंने कहा कि किसी का नाम मतदाता सूची से हटाने के दौरान पूरी सावधानी बरतें, पूरी तरह सुनिश्चित होने पर ही किसी मतदाता का नाम मतदाता सूची से डिलीट करें. इस दौरान 63-रांची विधानसभा क्षेत्र के ईआरओ उत्कर्ष कुमार, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री बिवेक कुमार सुमन एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी/कर्मी उपस्थित थे.

नारकीय हालत सड़क पर ऑटो का कब्जा, कीचड़, फ्लाईओवर कार्य के कारण जाम रहती सड़क

बारिश में तिहरी मार झेल रहे रातू रोड वासी

आकर्ष अनिकेत। रांची

शहर के सबसे व्यस्त चौक में से एक है पिस्का मोड़ चौक. दिनभर व्यस्त रहने वाले इस चौक के पास फ्लाईओवर का निर्माण हो रहा है, जिससे सड़क संकरी हो गयी है. इसके साथ ही बची सड़क पर ऑटो चालकों का कब्जा रहता है. ऑटो चालक सड़क किनारे गाड़ी लगाकर पैसेंजर का इंतजार करते हैं, जिससे जाम की स्थिति और भी बढ़ जाती है. अब तो बारिश ने भी लोगों की मुसीबत बढ़ा दी है.

फ्लाईओवर निर्माण कार्य के कारण सड़क पर मिट्टी पसरी रहती है, जो बारिश की हल्की फुहार पड़ते ही कीचड़ में तब्दील हो जाती है. ऐसे में रातू रोड से गुजरने वाले राहगीरों और रातू रोड वासियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. यों कहा जाए, रातू रोडवासी तिहरी मार झेलने को विवश हैं.

सड़क पर ही ऑटो स्टैंड

रातू रोड से कई दर्जन ऑटो रोजाना शहर के अलग-अलग इलाकों के लिए चलते हैं. ऑटो की संख्या काफी अधिक होने के कारण सड़क किनारे ही पार्किंग की जाती है, जिसे देखने पर ऐसा प्रतीत होता है कि यह सड़क नहीं ऑटो स्टैंड है. रातू रोड पर निजी गड़ियों से ज्यादा ऑटो नजर आते हैं. सकरी सड़क और ऑटो के कब्जे से रातू रोड में दिनभर जाम की स्थिति बनी हुई रहती है.

रांची में कोलकाता की तर्ज पर लागू होगी ट्रैफिक व्यवस्था

संवाददाता। रांची

शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए डीजीपी अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को बैठक हुई. इस बैठक के दौरान रांची शहर की ट्रैफिक व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए पुलिसकर्मियों की उपलब्धता और आवश्यकता पर जोर दिया गया. साथ ही कोलकाता महानगर के तर्ज पर रांची में ट्रैफिक जिला बनाने के प्रस्ताव पर लिये गये निर्णय की समीक्षा की गयी.

इसके अलावा कुछ अन्य शहरों जहां कि यातायात व्यवस्था अनुकरणीय है. वैसे शहर में कोलकता महानगर की तर्ज पर रांची ट्रैफिक व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया गया. यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए गृह रक्षा वाहिनी से सहयोग के लिए निर्देश दिया गया. इस संबंध में अन्य शहरों में ट्रैफिक व्यवस्था के अध्ययन के लिए अन्य राज्यों में भेजे गये गठित त्रिस्तरीय कमिटी के द्वारा जानकारी दी गई.

रांची की ट्रैफिक व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए डीजीपी ने की बैठक.

पानी की व्यवस्था सहित अन्य सुविधाएं देने का प्रस्ताव रखा गया : गठित त्रिस्तरीय कमिटी के द्वारा बताया गया कि सभी ट्रॉफिक पोस्ट को सुविधायुक्त बनाने जिसमें दो शौचालयों (पुरुष और महिला का अलग-अलग) पानी की व्यवस्था सहित अन्य सुविधाएं देने का प्रस्ताव रखा गया. पोस्ट में लगभग 10 व्यक्तियों के बैठने की व्यवस्था करने और दरवाजा और खिड़की, फॉल्स सीलिंग, इलेक्ट्रिकल फिटिंग जैसे लाइट, पंखा और एग्जॉस्ट फैन पर्याप्त संख्या में प्रस्तावित हैं.

12 आइपीएस ट्रेनिंग के लिए जा सकते है हैदराबाद

रांची। राज्य पुलिस सेवा के 12 आइपीएस ट्रेनिंग के लिए हैदराबाद जा सकते हैं. जिनमें हजारीबाग एसपी अरविंद सिंह, गिरिडीह एसपी दीपक शर्मा, सिटी एसपी राजकुमार मेहता, कोडरमा एसपी अनुदीप सिंह, धनबाद सिटी एसपी अजीत कुमार, गढ़वा एसपी दीपक पांडेय, जामताड़ा एसपी अनिमेष नैथानी, एसीबी के एसपी आरिफ एकराम, पुलिस मुख्यालय में पदस्थापना की प्रतीक्षा कर रहे डॉ विमल कुमार, मनीष टोप्पो, ट्रैफिक एसपी कैलाश करमाली और दुमका एसपी पीतांबर सिंह खेरवार शामिल हैं. पुलिस मुख्यालय ने प्रशिक्षण में भेजने के लिए बायोडाटा और प्रमाणपत्र भी मांगा है. सहायक निदेशक एमसीटीपी हैदराबाद द्वारा 46वें आइपीएस बैच के लिए इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के लिए मनोनयन की मांग पुलिस से की गयी थी.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 26 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 108 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

खाद्य आपूर्ति विभाग की जांच रिपोर्ट में बड़ा खुलासा, एसएफसी के कडरू स्थित गोदाम में विभागीय मंत्री के औचक निरीक्षण के बाद आई रिपोर्ट

तत्कालीन मंत्री सरयू राय की जानकारी में गाड़ा गया था 1098 क्विंटल अनाज!

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

झारखंड खाद्य आपूर्ति विभाग की जांच रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है. पिछले दिनों मंत्री बन्ना गुप्ता द्वारा एसएफसी (स्टेट फूड कॉरपोरेशन) के कडरू स्थित गोदाम में किए गए औचक निरीक्षण के बाद जांच रिपोर्ट बनाई गई है. रिपोर्ट में यह लिखा गया है कि तत्कालीन मंत्री सरयू राय की जानकारी में अनाज जमीन में गाड़ा गया था. करीब 1098.17 क्विंटल अनाज तत्कालीन मंत्री सरयू राय ने जमीन में गाड़ने की अनुमति दी थी.

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि उचित रखरखाव के अभाव में अनाज सड़ गया था और इसकी सूचना आप्त सचिव के माध्यम से तत्कालीन खाद्य आपूर्ति मंत्री सरयू राय को दी गई थी .बता दें कि मंत्री बन्ना गुप्ता ने पिछले दिनों एसएस्सफसी गोदाम का औचक निरीक्षण किया था. इस दौरान जेसीबी मशीन की मदद से जमीन में गाड़े गए अनाज को खोद कर निकाला गया था. इसके बाद मंत्री बन्ना गुप्ता ने जांच रिपोर्ट की मांग की थी.

जांच रिपोर्ट

- उचित रखरखाव के अभाव में एसएफसी में सड़ गया था अनाज
- तत्कालीन विभागीय मंत्री को आप्त सचिव ने दी थी सूचना

सरयू राय ने मंत्री बन्ना गुप्ता को दी चुनौती, कहा- हिम्मत है तो निरीक्षण प्रतिवेदन सार्वजनिक करें

- कोई व्यक्ति नासमझ, भ्रष्ट और तिकड़मबाज भी है, तो उसकी बदमाशी लाइलाज

प्रमुख संवाददाता। रांची

जमशेदपुर पूर्वी के निर्दलीय विधायक सरयू राय ने खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता को चुनौती दी है. कहा है कि अगर बन्ना गुप्ता में हिम्मत है, तो अब तक जितने भी गोदामों का उन्होंने निरीक्षण किया है, उसका निरीक्षण प्रतिवेदन और उस पर विभागीय सचिव की टिप्पणी को सार्वजनिक करें. सरयू राय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि कोई व्यक्ति अगर नासमझ, भ्रष्ट और तिकड़मबाज भी है, तो उसकी बदमाशी लाइलाज है. झारखंड के खाद्य, आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले के मंत्री बन्ना गुप्ता इसी श्रेणी में आते हैं. उनके सामने तथ्य की बात रखना, भैंस के आगे बीन बजाने जैसा है.

मंत्री निरीक्षण करने के बाद, एक प्रतिवेदन तैयार करते हैं : सरयू राय ने कहा कि कोई मंत्री जब निरीक्षण करता है, तो एक निरीक्षण प्रतिवेदन तैयार कर संचिका में रखता है. संचिका विभागीय सचिव के पास टिप्पणी के लिए जाती है. विभागीय सचिव संचिका में रक्षित प्रतिवेदन पर विचारोपरांत नियम का हवाला देते हुए विधिसम्मत टिप्पणी के साथ संचिका आदेश के लिए मंत्री के पास भेजते हैं. मंत्री इसपर विचार कर सचिव की टिप्पणी से अंशतः या पूर्णतः सहमत या असहमत होते हुए आवश्यक आदेश जारी करते हैं. मंत्री बन्ना गुप्ता ने कडरू गोदाम का निरीक्षण करते समय जो पाया, उसका क्या लिखित प्रतिवेदन संचिका में दिया है. विभागीय सचिव ने इसकी मीमांसा करते हुए जो टिप्पणी नियमानुसार मंत्री के रूप मे उनके पास भेजी है, उस पर उन्होंने क्या आदेश किया है? यह श्री बन्ना गुप्ता को सार्वजनिक करना चाहिए.

अनाज को जमीन में गाड़ने का बयान तिकड़मबाजी

राय ने कहा कि गुरुवार को खाद्यान्न को जमीन में गाड़ने के संबंध में उन्होंने जो बयान जारी किया है और उसके साथ मेरा नाम जोड़ा है, वह उनकी तिकड़मबाजीयुक्त बदमाशी का द्योतक है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ही इसका इलाज कर सकते हैं. क्योंकि इससे उनकी सरकार के चेहरे पर कालिख पुत रही है. यदि उनकी सरकार का एक मंत्री बेसिर-पैर की बात करता है, बयान जारी करने में अपनी अज्ञानता प्रदर्शित करता है, तो मंत्रिपरिषद की सामूहिक जिम्मेदारी के नाते, इसमें उनका भी उत्तरदायित्व बनता है.

कोई एक छटाक भी अनाज की चोरी नहीं कर सकता

बन्ना गुप्ता यह समझ लें कि अपने मंत्री कार्यकाल में मैंने जो व्यवस्था कर दी है, उसके बाद कोई मंत्री या सचिव चाह कर भी एक छटाक खाद्यान्न की चोरी नहीं कर सकता. इसलिए यदि वे गोदामों का निरीक्षण अनाज की चोरी करने का रास्ता निकालने की बदनीयत से कर रहे हैं, तो उन्हें निराशा हाथ लगेगी. मेरे कार्यकाल में विभाग में जो भी हुआ है, वह नियम, उपनियम, परिनियम के अनुसार ही हुआ है. उन्होंने यह भी कहा कि अनाज की कालाबाजारी करने-कराने का आपका मंसूबा कभी पूरा नहीं होगा.

ब्रीफ खबरें

दिलीप जायसवाल बने बिहार भाजपा के अध्यक्ष

नयी दिल्ली। भाजपा ने दो राज्यों - बिहार और राजस्थान में नए प्रदेशाध्यक्षों की नियुक्ति की है. भाजपा ने बड़ा बदलाव करते हुए बिहार की कमान दिलीप जायसवाल के हाथ में दे दी है. इससे पहले बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष थे. वहीं राजस्थान में भी पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष के रूप में बदलाव किया है. भाजपा ने मदन राठौर को राजस्थान का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है. इसके अलावा भाजपा ने छह राज्यों के लिए नए प्रभारी भी नियुक्त किए हैं.

जदयू नेता राजीव रंजन का निधन

पटना। जदयू के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता राजीव रंजन का गुरुवार को दिल्ली के एक अस्पताल में निधन हो गया.

65 वर्षीय रंजन को सांस लेने में कठिनाई होने पर दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली. बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने रंजन के निधन पर शोक-संवेदना व्यक्त की है. नालंदा निवासी रंजन 2010 में इस्लामपुर से जीते थे. नीतीश के साथ मतभेदों के बाद वह भाजपा में शामिल हो गए. दिसंबर 2022 में, रंजन भाजपा को छोड़ कर वापस जदयू में आ गए और उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता बनाया गया था. नीतीश ने अपने शोक संदेश में कहा, रंजन समाजसेवी थे. उनके निधन से अपूरणीय क्षति हुई है.

54 सीओ और 24 एसओ का तबादला

रांची। राज्य सरकार ने बड़े पैमाने पर अंचल अधिकारियों (सीओ) का तबादला किया है. भू-राजस्व विभाग ने बुधवार की देर शाम इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है. रांची के मांडर , गुमला के चैनपुर, चतरा के प्रतापपुर, हजारीबाग के विष्णुगढ़, देवघर के देवीपुर समेत अन्य कई जिलों में पदस्थापित सीओ का तबादला किया गया है. इसके अलावा 24 बंदोबस्त पदाधिकारियों (एसओ) की भी ट्रांसफर-पोस्टिंग हुई है.

जोखिम के आकलन के आधार पर तय किया जाएगा गारंटी शुल्क

बदलेंगे सरकारी गारंटी के नियम

शुभम संदेश एक्सक्लूसिव

रवि भारती। रांची

- झारखंड की राजकोषीय स्थिरता को सुनिश्चित करना उद्देश्य
- सदन में पेश होगी झारखंड राज्य प्रत्याभूति नियमावली 2024

झारखंड में सरकारी गारंटी का नियम बदलेगा. इसके लिए सदन में झारखंड राज्य प्रत्याभूति नियमावली 2024 पेश की जाएगी. इस नियमावली को लाने की प्रमुख वजह यह है कि ऋण लेने वाली एजेंसियों के चूक के कारण सरकार को ऋण चुकाना पड़ता है. तब गारंटी राज्य की देनदारी बन जाती है. इससे राज्य के वित्त पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है. राजकोषीय स्थिरता सुनिश्चित करने और गारंटी लेने-देने के मामले में बेहतर विवेचन और चयन सुनिश्चित करने के लिये सरकारी गारंटी के नियम में बदलाव किया जा रहा है.

स्वतंत्र रूप से होगा हर प्रस्ताव का मूल्यांकन : हर प्रस्ताव का मूल्यांकन स्वतंत्र रूप से किया जायेगा. जोखिम के आकलन के आधार पर गारंटी शुल्क तय किया जायेगा. अधिक जोखिम वाली परियोजनाओं में गारंटी शुल्क निर्धारित स्तर से अधिक होगा. सरकार अपने जोखिम को कम करने के लिये प्रथम नुकसान के बजाय अंतिम नुकसान का भुगतान कर सकती है. भुगतान करने के पूर्व भुगतान संबंधी सभी कटौतियों के संदर्भ में संतुष्ट होना अनिवार्य है. गारंटी चूक के मामले में कटौती योग्य (डिडक्टिबल) व्यवस्था के अधीन सरकार 70 प्रतिशत राशि का भुगतान करेगी तथा शेष 30 प्रतिशत राशि का भुगतान ऋण लेनेवाली संस्था द्वारा किया जायेगा. ऋण लेनेवाली संस्था को पहले 30 प्रतिशत का भुगतान करना होगा और फिर शेष राशि के निपटान के लिये सरकार से संपर्क करना होगा. इसके लिये यह आवश्यक होगा कि ऋण लेनेवाली संस्था अपने दायित्व को पूरा करने के लिये अपनी आंतरिक परिसंपत्तियों व पूंजीगत संसाधनों की पहचान करे.

गारंटी के प्रस्तावों की जांच करेगा प्रशासी विभाग

प्रशासी विभाग सरकारी गारंटी के प्रस्तावों की जांच करेगा. इसमें प्रस्तावित गारंटी में निहित सार्वजनिक हित देखा जाएगा. ऋण लेनेवाले की क्रेडिट योग्यता (उधार पात्रता) देखी जाएगी, जिससे गारंटी देने में कोई अनुचित जोखिम न हो. वित्तीय संस्थानों से बाजार ऋण के मामले में नियम एवं शर्तों को जांचा जाएगा कि वे भारतीय रिजर्व बैंक के अनुरूप अनुमोदित हैं या नहीं.

ये होंगे सरकारी गारंटी के नए मापदंड

- किसी भी व्यक्ति या निजी संस्था या कम्पनी को कोई सरकारी गारंटी नहीं दी जायेगी जबतक कि उसमें सरकार या अन्य किसी सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई का अंशदान 50 प्रतिशत से अधिक नहीं हो.
- ऋण प्राप्तकर्ता संगठन को कोई सरकारी गारंटी तबतक नहीं दी जायेगी, जब तक कि विगत दो वर्षों के लेखा का अंतिम निष्पादन तथा ऑडिट नहीं करा लिया गया हो.
- आधारभूत परियोजनाओं के विकास के हित में सरकार निष्पादन की गारंटी जारी रख सकती है.
- गारंटी कमीशन के रूप में सरकार एक प्रतिशत के अधीन शुल्क लेगी. लेकिन परियोजना की चूक और जोखिम के आधार पर सरकार कमीशन की दर को बढ़ा सकती है.
- किसी भी मामले में ऋण के परिसमापन तक प्रत्येक वर्ष अप्रैल को प्राप्त या बकाया राशि के अनुसार गारंटी की अधिकतम राशि पर गारंटी कमीशन वसूल किया जायेगा.
- ऋण-ब्याज की अदायगी में उधार लेने वाली संस्था की ओर से चूक होने पर गारंटी के निर्वहन में सरकार द्वारा ऋणदातृ संस्थान को भुगतान की गई राशि उधार लेने वाली संस्था पर बकाया राशि के रूप में माना जायेगा.
- ऋण लेने वाली संस्था के द्वारा अपने दायित्व के निर्वाह में चूक होने के कारण ऋणदातृ संस्था की यदि कोई नुकसान या क्षति होती है, तो उसे गारंटी संबंधित दावा सरकार के पास गारंटी अवधि की समाप्ति के एक महीने के भीतर दायर करना होगा.
- चूक के मामले में गारंटी का आच्छादन केवल मूलधन और सामान्य ब्याज के भुगतान तक ही सीमित रहेगा. झारखंड सरकार किसी दंडात्मक ब्याज या किसी अन्य शुल्क के भुगतान के लिए उत्तरदायी नहीं होगी.

नीट पेपर लीक: सीबीआई टीम हजारीबाग में

ओएसिस स्कूल व राज गेस्ट हाउस में खंगाले कागजात

राज गेस्ट हाउस के बाहर मीडिया कर्मियों की भीड़.

संवाददाता। हजारीबाग/रांची

नीट (यूजी) पेपर लीक मामले की जांच को लेकर सीबीआई टीम एक बार फिर गुरुवार को हजारीबाग पहुंची. टीम ने ओएसिस स्कूल और राज गेस्ट हाउस पहुंच कर जांच की. जानकारी के मुताबिक, सीबीआई की टीम तीन अलग-अलग वाहनों से पहुंची थी. इसमें एक वाहन बिहार पुलिस का था. टीम सबसे पहले दो संदिग्धों को लेकर राज गेस्ट हाउस से बाहर निकली. तीसरा संदिग्ध अन्य सीबीआई अधिकारियों के साथ स्टेट गेस्ट हाउस के अंदर ही रहा. कुछ देर बाद उसे भी साथ ले जाया गया. बताया जा रहा है कि सीबीआई की टीम राज गेस्ट हाउस से कुछ दस्तावेज भी जब्त कर अपने साथ ले गई है.

गेस्ट हाउस सील कर संचालक की हुई थी गिरफ्तारी : सीबीआई की टीम कुछ दिन पहले भी जांच के लिए राज गेस्ट हाउस पहुंची थी. उस वक्त गेस्ट हाउस के संचालक राजकुमार सिंह उर्फ राजू को गिरफ्तार किया गया है. वहीं, अगले दिन गेस्ट को भी सील कर दिया गया था. इससे पहले सीबीआई ने हजारीबाग से ओएसिस स्कूल के तत्कालीन प्रिंसिपल एहसान उल हक, तत्कालीन वाइस प्रिंसिपल मो इम्तियाज के अलावा एक बड़े बैनर से जुड़े व्यक्ति को गिरफ्तार किया था. इनसे पूछताछ के बाद ही अगली कार्रवाई राज गेस्ट हाउस में हुई थी.

तीन संदिग्धों को लेकर जांच करने पहुंची थी टीम

सीबीआई की टीम गुरुवार को गेस्ट हाउस के गेट पर लगे सील को खोल कर अंदर दाखिल हुई. जांच टीम में करीब 12 सदस्य मौजूद थे. सुरक्षा के दृष्टिकोण से पटना से भी टीम के साथ पुलिस आई थी. इस दौरान सीबीआई अपने साथ तीन संदिग्धों को लेकर आई थी. इन सभी का चेहरा ढका हुआ था. बताया जा रहा है कि इसमें एक मुख्य आरोपी पंकज था, जबकि दूसरा राज गेस्ट हाउस का मालिक राजू है. अनुमान लगाया जा रहा है कि तीसरा व्यक्ति प्रश्नपत्र का सॉल्वर है. करीब दो से तीन घंटे तक सीबीआई गेस्ट हाउस के अंदर जांच करती रही.

23 में से सिर्फ सात जवान ही हुए पास

संवाददाता। रांची

23 में से सिर्फ सात पुलिसकर्मी ही प्रशिक्षण में पास हो पाए. गौरतलब है कि इन सभी पुलिस कर्मियों का 10 और 29 अगस्त 2023 को पीटीसी प्रशिक्षण हुआ था. जिनमें मोलिन हेंब्रम, सोनी तिग्गा, नंदन सिंह, ब्रजेश कुमार, राकेश कुमार पांडेय, राजेश टोप्पो और श्रावणी कुमारी ही पास हो पाईं. जबकि सुनील सिंह जामुदा, सोना साव, नागेंद्र साव, नरेश राम, ललन कुमार, अनिल कुमार झा, मालती देवी, पिलातूस कुजूर, विनय कुमार, प्रकाश, रवींद्र, रघुनाथ गोप, बलिराम उरांव, अरविंद कुमार मेहता और मुन्ना बिरूली फेल हुए.

ऊर्जा विभाग के एसडीईओ व जेई को कार्य आबंटित किया

विशेष संवाददाता। रांची

उर्जा विभाग द्वारा 21 जून को सहायक विद्युत अभियंता और कनीय विद्युत अभियंताओं को उनका कार्य आबंटित कर दिया गया है. इसको लेकर उर्जा विभाग ने कार्यालय आदेश जारी कर दिया है. सहायक विद्युत अभियंता अजय कुमार सिंह- गिरिडीह, कोडरमा, हजारीबाग, रामगढ़, पलामू, गुमला, गढ़वा, चतरा, लोहरदगा, धनबाद, लातेहार एवं बोकारो में 51 से 100 एचपी तक विद्युत अधिष्ठापनों का निरीक्षण करेंगे.

वहीं इतनी ही क्षमता का शैलेजानंद प्रकाश- पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, रांची, खूंटी एवं सिमडेगा तथा दीपक रजक- दुमका, देवघर, साहेबगंज, पाकुड़, जामताड़ा एवं गोड्डा जिले का निरीक्षण कर पाएंगे. इसी तरह कनीय अभियंता 50 एचपी तक के विद्युत अधिष्ठापनों का निरीक्षण कर पाएंगे. इनमें जेई विकास कुमार- पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, खूंटी, रांची, पाकुड़, पलामू, चतरा, लोहरदगा, गुमला, गढ़वा, लातेहार व सिमडेगा तथा कुंदन कुमार दास- दुमका, देवघर, साहेबगंज, पाकुड़, जामताड़ा, गोड्डा, धनबाद, कोडरमा, गिरिडीह, हजारीबाग, रामगढ़ एवं बोकारो जिले का निरीक्षण कर पाएंगे. वहीं विद्युत निरीक्षणालय कार्यालय रांची में कार्यरत लिपिकों और अनुसेवकों के कार्य का बंटवारा कर दिया गया है.

प्रदेश कांग्रेस के नेता और मंत्री राहुल गांधी और खरगे से मिले

विस चुनाव की रणनीति पर चर्चा

- चुनाव की तैयारी व सरकार के कामकाज की दी जानकारी
- राहुल गांधी ने विस चुनाव की तैयारी में जुट जाने को कहा

विशेष संवाददाता। रांची

राहुल गांधी को बुके देते राजेश ठाकुर.

झारखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर के नेतृत्व में झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और झारखंड सरकार में कांग्रेस कोटे के मंत्रियों ने गुरुवार को दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की. इस दौरान एआईसीसी के राष्ट्रीय महासचिव एवं संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे.

मीर ने राज्य की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों, सांगठनिक कार्यक्रमों और सरकार के संबंध में विस्तृत जानकारी दी. वहीं मंत्री बन्ना गुप्ता, दीपिका पांडे सिंह और डॉ इरफान अंसारी ने भी अपने-अपने विभागों को संभालने के बाद किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी. पार्टी आलाकमान को बताया कि हम जनता को किए गए वादों को पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं. **विधानसभा चुनाव की रणनीति बनाने का निर्देश :** राहुल गांधी से मुलाकात के संदर्भ में प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन के भावी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई. उनसे निर्देश मिला है कि कांग्रेस के न्याय स्तंभों के अनुसार, झारखंड में जनता के लिए भावी रणनीति तैयार की जाए, हमने राज्य की जनता के हितों के लिए जिन मुद्दों को चुना है, उसे हर हाल में अंजाम तक पहुंचाना है. मुद्दों के हल के गहन समीक्षा करने और सरकार द्वारा किए गए कार्यों को संगठन के माध्यम से पंचायत स्तर तक पहुंचाने की कोशिश करने का भी निर्देश मिला है.

---

500 रुपये के 259 जाली नोट के साथ एक धराया

- पांकी थाना क्षेत्र के सोरठ के पास से पकड़ाया आरोपी
- जाली नोट में कुल रकम 1,29,500 रुपये जब्त

संवाददाता। रांची/मेदिनीनगर

जब्त नकली नोट.

पांकी थाना पुलिस ने पांकी-बालूमाथ मार्ग पर विगत बुधवार देर शाम 500-500 रुपये के 259 पीस जाली नोट के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपी की पहचान तरहसी थाना क्षेत्र के परसाई गांव निवासी नंददेव साहू के रूप में हुई है. वह वर्तमान में चैनपुर थाना क्षेत्र के सेमरटांड में रहता है. पांकी थाना प्रभारी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि रांची से एक उम्रदराज व्यक्ति किसी वाहन से पांकी थाना अंतर्गत सोरठ के आस-पास उतर कर पैदल ही पांकी मुख्य चौक की ओर जाली नोट के साथ जानेवाला है.

इस आधार पर लेस्लीगंज एसडीपीओ के निर्देश पर छापेमारी दल का गठन किया गया. पुलिस टीम ने पांकी-बालूमाथ मुख्य पथ पर रात करीब आठ बजे एक अधेड़ संदिग्ध देखने पर उसे रोक कर तालाशी ली. उसके पास से 500-500 रुपये के जाली नोट के कुल 1,29,500 रुपये बरामद हुए. गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है.

कोर्ट की सुनवाई | आदिवासी समुदाय के लोगों के धर्मांतरण पर हाईकोर्ट सख्त, राज्य व केंद्र सरकार से पूछा

किन-किन जिलों में आदिवासी समुदाय के लोगों का धर्मांतरण हुआ

- धर्मांतरण रोकने के लिए क्या कार्रवाई कर रही है सरकार
- राज्य और केंद्र सरकार स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करें

संवाददाता। रांची

झारखंड के अलग-अलग जिलों में आदिवासी समुदाय के लोगों का धर्मांतरण रोकने के लिए दाखिल जनहित याचिका पर गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. इस क्रम में अदालत ने राज्य व केंद्र सरकार से पूछा है कि किन-किन जिलों में आदिवासी समुदाय के लोगों का धर्मांतरण किया गया है और इसे रोकने के लिए क्या-क्या कार्रवाई की गई है? दोनों सरकारों को स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया गया है.

अब इस मामले की अगली सुनवाई अब 27 अगस्त को होगी. इस संबंध में सोमा उरांव की ओर से जनहित याचिका दाखिल की गई है. याचिका में कहा गया है कि चंगाई सभा के नाम पर आदिवासी समुदाय के लोगों को तरह-तरह का प्रलोभन देकर दूसरे धर्म में शामिल कराया जा रहा है. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ में हुई. केंद्र सरकार की ओर से अधिवक्ता शिवानी ने पक्ष रखा.

नए भवन की पार्किंग में जलजमाव पर हाईकोर्ट नाराज : झारखंड हाईकोर्ट ने पार्किंग एवं अन्य जगहों पर जलजमाव के मसले पर भारी नाराजगी जताई है. नए हाईकोर्ट बिल्डिंग से संबंधित एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए गुरुवार को अदालत ने आदेश दिया कि झारखंड हाईकोर्ट परिसर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम इंस्टॉल किया जाए. अदालत ने इसको लेकर राज्य सरकार को भी रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है. कोर्ट ने यह भी कहा है कि इतनी बड़ी रकम और इतने बड़े प्रोजेक्ट का निर्माण पूरे होने के बावजूद अगर इस तरह के जल जमाव का सामना करना पड़ रहा है, तो यह निराशाजनक है. मामले की अगली सुनवाई अगस्त माह में होगी.

हाईकोर्ट ने ऊर्जा सचिव को 31 अगस्त को उपस्थित होने कहा

रांची। विद्युत विभाग में इंडियन इलेक्ट्रिसिटी एक्ट के तहत उच्च पदों पर नियुक्ति के लिए दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान अदालत ने ऊर्जा सचिव को 31 जुलाई को सशरीर उपस्थित होने का आदेश दिया है. अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि 2003 में जब एक्ट आया, तो 2024 तक इसका इम्प्लीमेंट क्यों नहीं किया गया? अब इस मामले की सुनवाई 31 जुलाई को होगी. उल्लेखनीय है कि प्रार्थी राजेश कुमार ने बिजली बोर्ड में उच्च पदों पर प्रोफेशनल लोगों की नियुक्ति इंडियन इलेक्ट्रिसिटी एक्ट के तहत किये जाने की मांग की है. इस मामले में हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस की बेंच में सुनवाई हुई. प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता ऋतु कुमार और विद्युत नियामक आयोग की ओर से अधिवक्ता नवीन कुमार ने पक्ष रखा.

हाईकोर्ट ने कहा- डैम व जलस्रोतों से अतिक्रमण हटाएं

रांची। रांची के आसपास जलस्रोतों पर अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर गुरुवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान अदालत ने राज्य सरकार को धुर्वा, कांके और गेतलसूद डैम के कैचमेंट एरिया से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया है. साथ ही साथ झारखंड में पानी की समस्या दूर करने के लिए लघु एवं दीर्घकालीन योजना बनाने सहित अन्य बिंदुओं पर जवाब मांगा है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि आगामी 10 सालों में रांची में पानी की गंभीर समस्या हो सकती है. मामले की अगली सुनवाई 31 जुलाई को होगी.

सड़क के गड्ढों में धान की रोपाई कर किया प्रदर्शन

संवाददाता। रातू

प्रखंड मुख्यालय से लेकर इलियास आजाद हॉस्पिटल तक एवं रानी बगीचा का रोड नंबर 1 एवं अन्य गलियों में गुरुवार को सैकड़ों ग्रामीणों ने सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों में धान रोपनी का प्रदर्शन हटिया विधानसभा प्रभारी भरत काशी एवं रांची जिला परिषद की अध्यक्ष निर्मला भगत के नेतृत्व में किया. इस सड़क को वर्ष 2011-12 में तत्कालीन ग्रामीण विकास मंत्री सुदेश महतो द्वारा बनवाया गया था. उसके बाद से अब तक सड़क अपने पुनर्निर्माण की राह देख रही है. इस सड़क पर जनप्रतिनिधि एवं आला अधिकारी चलते हैं लेकिन उन्होंने कभी भी इस सड़क की सुध नहीं ली. कई बार आवेदन देने के बावजूद सड़क का निर्माण नहीं हुआ तो अंत में ग्रामीणों ने थक हार कर धान रोपनी करने का निर्णय लिया. प्रदर्शन में मुख्य रूप से बिना सिंह, अन्नू देवी, रीता गुप्ता, रूपा देवी, अर्जुन महतो, किशन काशी, प्रेम सिंह, धनिष कुमार, चेतन गोप, संतोष घोष, मोहित जायसवाल, विशाल साहू, देवेंद्र पाहन, सुनील मुंडा, मुकेश साहू, जितेंद्र कांशी, प्रदीप पटेल, अजय महतो, अरविंद मुंडा, राजेश शर्मा आदि सैकड़ों लोग मौजूद थे.

बरसाती पानी से लबालब सड़क पर धान रोपते स्थानीय लोग.

ब्रीफ खबरें

खलारी में चोरी का प्रयास करते दो धराए

खलारी। डकरा टीएमबी में तैनात सीआईएसएफ जवानों ने डकरा ट्रांसपोर्ट मोटर व्हीकल (टीएमबी) कैंपस में घुस कर चोरी का प्रयास करते हुए दो युवकों को पकड़ कर ख़लारी पुलिस को सौंप दिया. जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह लगभग 7 बजे एनके एरिया के डकरा परियोजना अंतर्गत सीसीएल वर्क शॉप के मोटर व्हीकल में दो अपराधी अंदर घुस कर चोरी करने के प्रयास में थे. उसी दरमियान सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ जवान शिवदयाल सिंह ने उन्हें पकड़ लिया. इसके बाद सीआईएसएफ के क्यूआरटी टीम को बुलाया गया. दोनों अभियुक्त से पूछताछ कर सत्यापन करके खलारी पुलिस को सौंप दिया. पकड़े गए दोनों आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. आरोपियों की पहचान छोटु यादव (24) व आफताब राजा (23) के रूप में हुई है.

युवक ने फांसी लगा कर की आत्महत्या

सिल्ली/मुरी। सिल्ली थाना अंतर्गत हाकेदाग पंचायत के हरीडीह निवासी रवि महतो (25) ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. ग्रामीणों ने इसकी सूचना सिल्ली थाने को दी. पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए रांची रिम्स भेज दिया. थाना प्रभारी मोहित कुमार ने बताया कि रवि महतो का दिमागी संतुलन ठीक नहीं था. वह अपने घर में कुछ ना कुछ अजीब हरकत करता रहता था. दिमागी संतुलन ठीक न होने की वजह से उसने आत्महत्या कर ली.

एक लाख अस्सी हजार ले उड़े उच्चके

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र में अपराध की घटनाओं की बाढ़ सी आ गयी है. निरंतर आपराधिक घटनाएं घट रही हैं. न तो अपराधी पकड़ में आ रहे हैं और न ही घटनाओं पर विराम लग पा रहा है. गुरुवार को दोपहर विष्णुगढ़ के अखाड़ा चौक में अपराधियों ने एक और आपराधिक घटना को अंजाम दिया. विष्णुगढ़ के चंद्रिका साव इसके शिकार हुए. उन्होंने एसबीआई की विष्णुगढ़ शाखा से एक लाख अस्सी हजार रुपये निकाले. रुपये झोले में रखे और अपनी साइकिल के हैंडल में लटकाकर अखाड़ा चौक स्थित एक दुकान में घुस गए. बाहर रुपये वाले झोले को उसी तरह साइकिल के हैंडल में लटकता उन्होंने छोड़ दिया. इसी बीच एक अपराधी आया तथा झोले से रुपये निकाल कर अपने साथी की अपाचे बाइक में सवार होकर फरार हो गया.

एएसआई की मौत की जांच करने पहुंचे एसपी

रामगढ़। बरकाकाना ओपी क्षेत्र के बंजारी मंदिर के समीप ड्यूटी में तैनात राहुल कुमार सिंह की मौत की घटना तूल पकड़ने लगा है. राहुल कुमार सिंह की हुई मौत की जांच करने रामगढ़ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार बंजारी मंदिर चेक पोस्ट पहुंचे. यहां उन्होंने बंजारी धर्मशाला में पुजारी राजेंद्र उपाध्याय व अन्य लोगों से पूछताछ की. बता दें कि 21 जुलाई को ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिस के एएसआई राहुल कुमार सिंह की मौत हो गई थी. इसके बाद मृतक के परिजनों द्वारा रामगढ़ थाना प्रभारी अजय कुमार साहू व तत्कालीन पुलिस अधीक्षक डॉ विमल कुमार पर कई गंभीर आरोप लगाया गया था. इसके बाद रामगढ़ जिला के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार को स्थानांतरित करते हुए मुख्यालय बुला लिया गया है.

कार की चपेट में आने से घायल हुए युवक की मौत

हजारीबाग। कार की चपेट में आने से घायल हुए दो युवकों में एक की बृहस्पतिवार को रांची में इलाज के दौरान मौत हो गई. इसकी सूचना मिलते ही मृतक शुभम के परिजनों ने सैकड़ों लोगों के साथ सदर थाना पहुंच कर आरोपी गाड़ी मालिक और चालक को गिरफ्तार कर कार्रवाई करने की मांग की. परिजनों ने 'हिट एंड रन' के इस मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक से भी मुलाकात कर न्याय की गुहार लगाई. इसके बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपी के घर गई लेकिन वहां से आरोपी फरार था. इस संबंध में सदर पुलिस ने बताया कि कार मालिक के खिलाफ सदर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है. उन्होंने यह भी कहा कि परिजनों ने समय पर आवेदन नहीं दिया थ इसलिए कार्रवाई नहीं हो पाई है.

माओवादियों की बंदी का बुंडू में रहा व्यापक असर

बुंडू। माओवादियों का 25 जुलाई को झारखंड बिहार बंद बुंडू में असरदार रहा. सुबह से ही नगर की दुकानें बंद रहीं, स्कूल कॉलेज बंद रहे, सरकारी एवं गैरसरकारी कार्यालय बैंक, पोस्ट ऑफिस, भारतीय जीवन बीमा इत्यादि बंद रहे. बुंडू नगर पंचायत, प्रखंड व अंचल कार्यालय, अनुमंडल कार्यालय इत्यादि खुले लेकिन लोगों की उपस्थिति बंदी के कारण नगण्य रही. बुंडू बस व ऑटो स्टैंड से वाहन नहीं चला. रांची-टाटा रोड पर भी नाममात्र ही वाहन चले. बंदी ऐसी रही कि लोगों को एक ग्लास पानी के लिए भी तरसते देखा गया. सड़क पर वाहनों के न चलने से तमाड़, सोनाहातु, राहे के लोगों को आने जाने में परेशानी हुई. कुल मिलाकर बंद शांतिपूर्ण रही.

अत्यंत जर्जर भवन में रहने को विवश एसटी आवासीय विद्यालय बारीडीह के छात्र

मूलभूत सुविधाएं भी मयस्सर नहीं

सुनील कुमार गुप्ता। बेड़ो

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि रांची के बेड़ो प्रखंड के बारीडीह में कल्याण विभाग की ओर से संचालित राजकीय अनुसूचित जनजाति आवासीय विद्यालय की दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति के लिए यहां के प्रधानाध्यापक और वार्डन अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते. तिर्की ने प्रधानाध्यापक और वार्डन को यह सख्त निर्देश दिया कि वे विद्यार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान करें और लापरवाही से बाज आयें. बेड़ो के बारीडीह अवस्थित राजकीय अनुसूचित जनजाति आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा स्कूल में निम्न स्तरीय भोजन मिलने और स्कूल भवन के जर्जर होने संबंधी आरोप लगाये जाने के बाद गुरुवार को बंधु तिर्की ने विद्यालय भवन का निरीक्षण किया और प्रधानाध्यापक, वार्डन, विद्यार्थियों एवं अन्य संबंधित पक्ष से बातचीत की और संपूर्ण घटना की जानकारी लेते हुए विद्यालय के भवन, कक्षा, छात्रावास, किचन आदि का निरीक्षण किया. विद्यालय के छात्र अत्यंत जर्जर भवन में रहने को विवश हैं. यहां मूलभूत सुविधाएं भी मयस्सर नहीं हैं. बच्चों ने समस्याओं को लेकर बुधवार को सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया था. तिर्की ने कहा कि ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति निराशाजनक है और सभी को इस बात को समझना चाहिये. तिर्की ने अपने स्तर से थाली, ग्लास और अन्य बर्तन खरीदकर विद्यालय के प्रधानाध्यापक को दिया और यह सख़्त निर्देश दिया कि अब विद्यार्थियों को इसी नये बर्तनों में खाना परोसा जाये न कि कागज पर या फिर जैसे-तैसे भोजन करने के लिये उन्हें विवश किया जाये. बंधु तिर्की ने विद्यालय में सब्जी एवं खाद्य सामग्री की आपूर्ति करनेवाले आपूर्तिकर्ता से भी बातचीत की और कहा कि वे त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरी सतर्कता और सावधानी के साथ अपनी जिम्मेदारी को पूरा करें. उन्होंने छात्रों की समस्या सुनकर झारखंड सरकार के कल्याण मंत्री से भी फ़ोन पर बात की और उन्हें विद्यालय की वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए विद्यालय के जर्जर भवन की चर्चा की और कहा कि राष्ट्रीय उच्च पथ 23 के तहत पलमा से गुमला तक सड़क चौड़ीकरण के दौरान इस विद्यालय की भूमि का अधिग्रहण करने के पश्चात अधिग्रहित क्षेत्र में आयी विद्यालय के आधे भवन को तोड़ दिया गया, लेकिन इसके कारण इस भवन का बचा भाग बहुत ही कमजोर हो गया है और बच्चे जर्जन भवन में ही पढ़ने के लिये मजबूर हैं.

राजकीय अनुसूचित जनजाति आवासीय विद्यालय बारीडीह बेड़ो पहुंचे बंधु तिर्की.

बंधु तिर्की ने नई थाली खरीद कर स्कूल को दी, जिसमें भोजन करते हुए छात्र.

- स्कूल की समस्याओं को लेकर विद्यार्थियों ने बुधवार को सड़क पर उतरकर किया था प्रदर्शन
- विद्यालय पहुंचे बंधु तिर्की हालत देखकर आग बबूला हुए. जिम्मेदारों को दी हिदायत कहा– ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति निराशाजनक है, सभी को इस बात को समझने की जरूरत

विद्यालय के लिये अस्थायी भवन की व्यवस्था की जाएं

बंधु तिर्की ने कल्याण मंत्री से अनुरोध किया कि जरिया में भवन निर्माण पूर्ण होने तक विद्यालय के लिये अस्थायी भवन की व्यवस्था की जायें, क्योंकि जर्जर भवन में अध्ययन के कारण इस विद्यालय में कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है और यहां पढ़ने वाले बच्चे हताहत हो सकते हैं. तिर्की ने कल्याण मंत्री से एक समिति गठित कर विद्यालय की स्थिति के निरीक्षण के लिये भेजने का भी अनुरोध किया. पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने बेड़ो के प्रखंड कल्याण पदाधिकारी को फोन पर निर्देश दिया कि वे सप्ताह में तीन दिन आकर इस विद्यालय में साफ–सफाई और सुरक्षा के साथ ही विद्यार्थियों को मिल रही सुविधा पर नजर रखें और पूरी सावधानी बरतें. तिर्की ने प्रधानाध्यापक और वार्डन को सख्त निर्देश दिया कि वह प्रत्येक शनिवार को विद्यालय के साथ ही विद्यार्थियों की परेशानियों विशेषकर स्वच्छता आदि के मामले में प्रभावी कदम उठायें. इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल उरांव, कांग्रेस का प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव सहित कई पदाधिकारी, विधायक प्रतिनिधि एवं विद्यालय के प्रधान शिक्षक एवं वार्डन सहित सभी छात्र उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

हिप्पो के हमले से जैविक उद्यान का कर्मी घायल

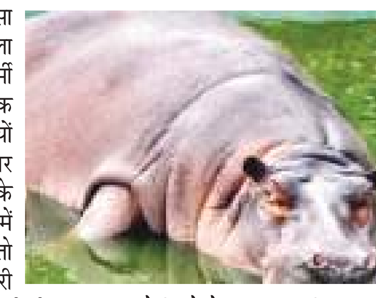

ओरमांझी। बिरसा जैविक उद्यान चकला के एक सफाईकर्मी घायल हो गया. जैविक उद्यान के कर्मचारियों ने बताया कि गुरुवार दोपहर दो बजे के करीब हिप्पो के बाड़े में संतोष कुमार महतो नाम का एक कर्मचारी सफाई कर रहा था. इसी बीच अचानक से हिप्पो ने हमला कर दिया. इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. वहां पर मौजूद कर्मचारियों ने उसे मेदांता अस्पताल लाया, जहां पर डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया.

अवैध बालू लदे तीन ट्रैक्टरों को किया गया जब्त

सिल्ली/मुरी। एनजीटी की रोक के बावजूद बालू माफिया अवैध रूप से बालू की तस्करी करने से बाज नहीं आ रहे हैं. सिल्ली थाना एवं डीएमओ रांची द्वारा संयुक्त रूप से अवैध बालू खनन को लेकर सिल्ली क्षेत्र के झाबरी घाट में छापामारी अभियान चलाया गया. सिल्ली थाना प्रभारी मोहित कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर अवैध बालू लदे तीन ट्रैक्टरों को पकड़ कर थाना लाया गया है, जहां करवाई करने के लिए खनन विभाग को आवेदन दिया गया है. अभी लगातार अवैध बालू को लेकर अभियान विशेष रूप से चलता रहेगा.

बीडीओ ने किया विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण

इटकी। अतिरिक्त सहायक निर्वाचन निबंध पतराधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा गुरुवार को प्रखंड अंतर्गत सभी मतदान केंद्रों पर नाम जांचों अभियान का निरीक्षण किया गया. ज्ञात हो कि 25 जुलाई से मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशन किया जा रहा है. इसमें अपना नाम जांचने के लिए अपने बूथ पर जाकर बीएलओ से संपर्क करें या वोटर हेल्पलाइन ऐप या voters.eci.gov.in के माध्यम से जांचते हुए अपने सोशल मीडिया पर #NaamJancho के साथ 12 से 1 बजे के बीच जरूर पोस्ट करें.

शमशान शेड और पीसीसी पथ का शिलान्यास

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत हाकेदाग पंचायत के हाकेदाग के केंदुआटोली में शमशान शेड और ग्राम हरीडीह से बोकलादो तक पी.सी.सी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास रांची जिला परिषद उपाध्यक्ष वीणा चौधरी, सिल्ली प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक ने संयुक्त रूप से किया. मौक़े पर केंद्रीय सचिव सुशील महतो, हाकेदाग मुखिया हरिपद मांझी, महिला प्रखंड अध्यक्ष सोमरी देवी, पिस्का पंचायत समिति सदस्य अनिल मांझी आदि उपस्थित थे.

दिवंगत पत्रकार को पेड़ लगाकर दी गई श्रद्धांजलि

इटकी। इटकी शांति समिति के तत्वावधान में गुरुवार को स्थानीय थाना परिसर में एक कार्यक्रम का आयोजन कर क्षेत्र के गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति में प्रभात खबर के दिवंगत वरिष्ठ पत्रकार स्व. सुबोध कुमार सिन्हा की स्मृति में प्रखंड प्रमुख किरण उरांव, जिप सदस्य रीना देवी व थाना प्रभारी अभिषेक कुमार द्वारा एक गेवियनयुक्त कटहल का पौधा लगाकर दिवंगत को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी.

आजसू के चूल्हा प्रमुखों की बैठक में बोले केंद्रीय सचिव

'राज्य के सर्वांगीण विकास तक आंदोलन जारी रहेगा'

आजसू की चूल्हा प्रमुखों की बैठक में मौजूद पार्टी कार्यकर्ता.

संवाददाता। नामकुम

प्रखंड की रामपुर पंचायत जारेया में गुरुवार को ग्राम प्रभारी गीता देवी एवं निरंजन महतो की अगुवाई में चूल्हा प्रमुखों की बैठक की गई. मुख्य अतिथि केंद्रीय सचिव सह पूर्व प्रत्याशी पारसनाथ उरांव ने अपने संबोधन में कहा कि आजसू पार्टी माटी की पार्टी है. यह राज्य स्वाभाविक या विरासत में नहीं मिला है, आजसू पार्टी के आंदोलनकारियों की शहादत और आंदोलन की देन है. जब तक झारखंड राज्य का नव निर्माण या सर्वांगीण विकास नहीं हो जाता है तब तक आंदोलन जारी रहेगा. इसके लिए महिलाओं की भूमिका अहम है. इस चुनाव में चूल्हा प्रमुखों का महत्वपूर्ण योगदान होगा. लोगों में आजसू पार्टी के प्रति समर्पित भाव और रूझान भी दिख रहा है. मौके पर आजसू पार्टी केन्द्रीय सचिव जितेन्द्र सिंह, महिला मोर्चा रांची जिला अध्यक्ष वीणा कुमारी, रांची जिला महिला मोर्चा सचिव वीणा देवी, महादेव मुंडा, शिवनारायण सिंह बिंझिया, चमरा बिंहा, बुधराम मुंडा, जीत कुमार नाग, मोतीलाल सिंह बिंझिया, छेदीय मुंडा, चमरा मुंडा, दुर्गा महतो, बुधराम मुंडा, चमरा विन्हा, किरण देवी, बूधन मुंडा, ममता देवी, लखीमणी देवी तारा देवी, शानी देवी आदि उपस्थित थे.

उषा मार्टिन के सीएसआर गांव में बच्चों को दी गईं विभिन्न जानकारियां

बिरला के छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

खास बातें

- बच्चों ने कृषि में नवीन तकनीक के सफल प्रयोग को देखा
- लाभकारी कृषि से गांवों का विकास संभव : डॉ. मयंक

संवाददाता। नामकुम

कृषि को लाभकारी एवं टिकाऊ बनाकर ही गांवों का विकास संभव है. इसके लिए उषा मार्टिन कृषि में प्रगतिशील किसानों के साथ नवीन तकनीक के सफल प्रयोग करा रही है, ताकि किसान आत्मनिर्भर हो सके और कृषि उनके परिवार के विकास में योगदान कर सकें. उक्त बातें कंपनी महाप्रबंधक एवं सीएसआर हेड डॉ मयंक मुरारी ने कहीं. वहीं गुरुवार हेसल को गांव में सरला बिरला पब्लिक स्कूल के कक्षा 12 के छात्रों का कंपनी के सीएसआर गांव में शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्रों को जानकारी दीं. डॉ. मयंक मुरारी ने छात्रों को बताया कि सीएसआर के माध्यम से 18 गांवों में चलाए जा रहे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगारन्मुख प्रशिक्षण, आधारभूत संरचना विकास, सौर ऊर्जा, बागवानी से संबंधित विकास कार्यों की जानकारी दी. कृषि क्षेत्र में एकीकृत योजना के तहत किसानों को मिलने वाले लाभ मृदा जांच, पॉलीनेट, ड्रीप इरिगेशन, सोलर पैनल को ऑन स्पॉट दिखाया एवं बताया गया. एग्रीकल्चरलिस्ट शचींद्र कुमार ने छात्रों को मृदा जांच के तरीकों के बारे में प्रायोगिक जानकारी उपलब्ध करायी. उन्होंने संरक्षित खेती एवं मिश्रित खेती के लाभ एवं उपयोग की जानकारी दी. उन्होंने छात्रों को पॉलिनेट के माध्यम से कंट्रोल टम्परेचर में उत्तम फसल पाने के तरीकों को बताया. उषा मार्टिन फॉउंडेशन के माध्यम से ग्राफ्टेड प्लांट किसानों को दिया गया है, जो आर्थिक लाभ में विशेष सहयोग मिल रहा है.

खेती में नवीन तकनीक से विकास की गति बढ़ेगी

एसबीपीएस के शिक्षक प्रभंजन कुमार ने कहा कि खेती में नवीन तकनीक का प्रयोग विकास की गति को बढ़ायेगा. यह खेतों में देखकर विश्वास हो रहा है. शिक्षक संजय कुमार एवं प्रशात कुमार पांडेय तथा मैताली रॉय ने गांव में रोजगारन्मुख खेती को काफी सराहा. उन्होंने कहा कि इससे स्कूल के छात्रों को एक्सपिरियस बॉय लर्निंग होगा. यह सीखने का बेहतर तरीका है. इस अवसर पर जानुम के किसान गोवर्धन मुंडा, मासु के किसान प्रेमनाथ महतो, हेसल के किसान ईश्वर महतो ने अपनी सफलता की यात्रा को छात्रों के साथ साझा किया. उन्होंने बताया कि उषा मार्टिन के सहयोग से ही यह सब सफल हो पाया है. इस अवसर पर 150 से अधिक छात्रों के अलावा बड़ी संख्या में गांव के किसान, फॉउंडेशन के फिल्ड सुपरवाइजर आदि उपस्थित रहें. सरला बिरला पब्लिक स्कूल की प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा है कि उषा मार्टिन फॉउंडेशन का कृषि कार्यों में टेक्नोलॉजी का प्रयोग सराहनीय है. इससे कृषि में आमूलचूल परिवर्तन आयेगा. यह क्षेत्र किसानों के लिए न केवल लाभकारी होगी, बल्कि परंपरागत खेती करनेवाले किसानों के लिए भी प्रेरणा मिलेगा. उन्होंने कहा कि विद्यालय के छात्रों को एक्सपेरिमेंटल लर्निंग से सबसे ज्यादा लाभ होगा.

पहल प्रखंड व जिले में व्यापक स्तर पर पौधरोपण करने की जरूरत : आरती

एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ

- शास्त्री चौक में आरती कुजूर ने लगाया पौधा, बोलीं– अच्छी बारिश के लिए हरियाली जरूरी

संवाददाता। ओरमांझी

प्रखंड क्षेत्र के शास्त्री चौक के एसआर परफेक्ट हब ब्रांडेड शोरूम का संचालक राजकिशोर महतो ने अपनी दुकान के आगे पौधा लगाकर संरक्षण का संकल्प लिया. मंगलवार को दुकानदारों के साथ अभियान की शुरुआत भाजपा नेत्री आरती कुजूर ने की. इससे पहले आरती कुजूर ने ओरमांझी पंचायत भवन स्थित ओरमांझी स्कूल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ करते हुए पौधरोपण किया. कुजूर ने कहा कि प्रखंड व जिले में व्यापक स्तर पर पौधरोपण करने की जरूरत है, ताकि अच्छी बारिश हो सके. फलदार और छायादार पौधे पीढ़ियों में संचरण का काम करते हैं. किताबी ज्ञान के साथ ही समाज के मूल्यों का ज्ञान भी जरूरी है. दुकान के आगे में पौधरोपण के दौरान आरती कुजूर ने महिलाओं से कहा कि समाज के बदलाव और खेती के नवाचारों में महिलाओं की अहम भूमिका है. वर्तमान हालात में पौधरोपण अभियान में सहभागिता निभाते हुए हर व्यक्ति को एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए. इस दौरान राजकिशोर महतो, जासो देवी, मोहसिन आलम, सावित्री देवी, ललिता कुमारी समेत अनेक दुकानदार मौजूद रहे.

पौधरोपण करते भाजपा नेत्री आरती कुजूर व अन्य.

विधायक प्रतिनिधि ने 25 केवीए के पावर ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया

15 दिन बाद ग्रामीणों को मिली बिजली

संवाददाता। लापुंग

प्रखंड की लतरातु पंचायत के लतरातु अम्बोटोली के ग्रामीणों को 15 दिन अंधेरे में रहने के बाद गुरुवार की रात बिजली नसीब हुई. ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण अम्बाटोली में 15 दिन से बिजली नहीं थी. बिजली के अभाव में अंधेरे में रहने को यहां के ग्रामीण विवश थे. अंततः विधायक प्रतिनिधि एवं पंचायत के लोगों के आग्रह पर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की के प्रयास से 25 केवीए का एक ट्रांसफार्मर गांव में लगाया गया. गुरुवार को विधायक प्रतिनिधि सह कांग्रेस पार्टी के पंचायत अध्यक्ष सुजीत तिर्की ने गुरुवार की देर शाम लगभग 7:30 बजे अंबा टोली में 25 केवीए पावर ट्रांसफार्मर का फीता काटकर उद्घाटन किया. 15 दिन के बाद ग्रामीणों के चेहरे पर मुस्कान दिखाई दी. सुजीत तिर्की ने कहा कि विधायक शिल्पी नेहा तिर्की और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की के प्रयासों से ही इस गांव में ट्रांसफार्मर लग पाया. पावर ट्रांसफार्मर के उद्घाटन के मौके पर कर्मवीर तिर्की, झिरगा उरांव, सहदेव लोहार, साहेबा उरांव, देवेंद्र उरांव, गोवर्धन उरांव सहित दर्जनों ग्रामीण मौके पर मौजूद थे.

पावर ट्रांसफार्मर का उद्घाटन करते सुजीत तिर्की.

पति की लंबी आयु की कामना के साथ नव विवाहिताएं 14 दिनों तक रखती हैं व्रत, बिताती हैं सात्विक जीवन

मिथिलांचल का लोकपर्व मधुश्रावणी प्रारम्भ, नई दुल्हनें रखती हैं उपवास

संवाददाता।रांची

मिथिला क्षेत्र की आस्था प्रधान पर्व मधुश्रावणी गुरुवार को प्रारंभ हुई और 7 अगस्त को संपन्न हो जाएगी. झारखण्ड मिथिला मंच के जानकी प्रकोष्ठ की महासचिव निशा झा ने बताया कि यह पर्व खासकर नवविवाहिता अपने वैवाहिक जीवन और पति की लंबी आयु के लिए करती हैं नवविवाहिता पूरे 14 दिन तक पूरी निष्ठा के साथ सात्विक जीवन बिताती हैं. इन 14 दिनों तक व्रती बिना नमक का खाना और वह भी एक बार ही खाती हैं. प्रतिदिन अपनी सहेलियों के संग संध्या काल बाग में जा कर फूल लोढ़ी करती हैं. फिर पूजा करती है. यह व्रत नवविवाहिताएं अपने मायके में करती हैं और इस दौरान उनकी ससुराल से भार के साथ-साथ खाने-पीने के सामान और कपड़े भी ससुराल से ही आते हैं. उन्होंने बताया कि हटिया निवासी कौशल झा की पुत्री जयंती झा अपने आवास में पूजा कर रही हैं. इनके अलावा नगर के विभिन्न भागों में रहनेवाले मैथिल परिवारों में यह पर्व मनाया जा रहा है.

श्रावण कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि को प्रारंभ होनेवाले इस व्रत में मुख्य रूप से गौरी और भगवान शिव की पूजा की जाती है. व्रती महिलाएं एक दिन पहले से से बगीचे से फूल लोढ़ना प्रारम्भ करती हैं. आज के दिन वे स्नान कर ससुराल से आये रंग-बिरंगे कपड़े और आभूषण पहनकर नाग देवता की पूजा-अर्चना करती हैं . नवविवाहिताएं इस व्रत के दौरान अरवा भोजन ग्रहण कर पूजन आरंभ करती हैं. यह व्रत नव विवाहिताएं बड़े ही धूमधाम से करती हैं. यह व्रत धैर्य और त्याग का प्रतीक है. इस पूजा में पंडितों की भूमिका भी महिलाएं ही अदा करती हैं. इस अनुष्ठान के पहले और अंतिम चरण में बड़े विधि-विधान से साथ पूजा की जाती है. ऐसी धार्मिक मान्यता है कि इस दौरान माता पार्वती की पूजा को विशेष महत्व दिया जाता है. इसके साथ ही इस पर्व की अनोखी परंपरा भी मिथिला में देखने को मिलती है. नई दुल्हन जो पहले सावन में पति के लिए उपवास करती हैं, वे उनकी अग्निपरीक्षा भी लेती हैं.

कुंज विहार अरगोड़ा में ब्रजकिशोर झा एवं बबिता झा की पुत्री दीक्षा.

अग्निपरीक्षा में दुल्हन का जलाया जाता है घुटना

बिहार के मिथिलांचल में प्यार का पता लगाने के लिए एक अनोखी परंपरा का पालन किया जाता है, जिसमें महिला को अग्निपरीक्षा देनी होती हैं. उसमें महिला का घुटना जलाया जाता है. पति अपनी पत्नी के घुटने पर पूजा घर में रखे गए दीपक की बाती से प्यार के साथ उसका घुटना जलाता है. इससे दोनों का करुण सार देखने को मिलता है .जब महिला को जलाया जाता है. वह उफ्फ तक नहीं करती. ऐसा माना जाता है कि इस परीक्षा में विवाहिता के घुटने में जितना बड़ा फफोला पड़ता है. पति-पत्नी का प्यार उतना ही गहरा होता है.

संत मरिया महागिरजाघर में आयोजन, जिम्मेदारियों के निर्वहन का संकल्प

पोप के राजदूत के हाथों आर्च बिशप ने ग्रहण किया पालियोम

खास बातें

- लियोपोल्दो जिरेली ने की मिस्सा बलिदान की शुरुआत
- नम्रतापूर्वक दूसरे लोगों की सेवा करने का संदेश

संवाददाता।रांची

संत मरिया महागिरजाघर में आर्चबिशप विसेंट आइंद ने पोप के राजदूत लियोपोलदो जेरेल्ली के हाथों पोलियोम ग्रहण किया. मिस्सा बलिदान की शुरुआत पोप के राजदूत लियोपोल्दो जिरेली ने की. पालियोम का अर्थ समझाते हुए कहा कि पालियोम संत पिता से जुड़े रहने का प्रतीक है. उसके द्वारा प्राप्त अधिकार का प्रयोग नम्रता से पूरा करना है. सम्पूर्ण कलीसिया की देखभाल करने की ज़िम्मेदारी का प्रतीक है. इसके पश्चात पालियोम प्रतिस्थापन की धर्मविधि आरंभ हुई, जिसमें आर्च बिशप विंसेंट आइंद ने पोप के राजदूत लियोपोल्दो जिरेली के सम्मुख अपने और कलीसिया के विश्वास और उसकी शिक्षा की घोषणा की. साथ ही आर्चबिशप संत पिता फ्रांसिस के प्रति वफादार बने रहने, कलीसिया की शिक्षा को सिखाने और नम्रता पूर्वक अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की प्रतिज्ञा ली. इसके पश्चात ही पोप के राजदूत लियोपोल्दो जिरेली ने आशीष की प्रार्थना के साथ आर्चबिशप विसेंट आइंद को पालियम प्रदान किया. इसके पश्चात मिस्सा बलिदान आगे बढ़ाया गया. अपने संदेश में उन्होंने प्रत्येक मनुष्य को नम्रता पूर्वक प्राप्त अधिकारों का अपनी सेवा के लिए नहीं, अन्य लोगों की सेवा पर ज़ोर दिया. मिस्सा के अंत में आर्चबिशप सहित सभी पुरोहितों तथा पल्लीवासियों को धन्यवाद दिया.अपने मिशन कार्य में ईश्वर से प्रार्थना करने का आह्वान किया। मौके पर पूर्व आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो, बिशप थियोदोर मसकारेनहस, बिशप विसेंट बरवा, बिशप पिंगल एक्का, बिशप विनय कांडुलना, बिशप, आनंद जोजो, बिशप फ्रांसिस तिर्की, बिशप विसुवाशम सेल्वाराज, बिशप जूलियस मरांडी, बिशप अंतोनिस बाड़ा समेत 50 से अधिक पुरोहित समेत बड़ी संख्या में विश्वासी उपस्थत थे.

पोप के राजदूत लियोपोलदो जेरेल्ली के साथ आर्चबिशप विसेंट आइंद.

जानें, क्या है पालियोम

पालियोम मेमना (सिल्क) के ऊन से बनायी गयी एक विशेष प्रकार की पट्टी है. यह एक सफेद बैंड है, जिसकी चौड़ाई लगभग पांच सेंटीमीटर है. इस पट्टी में दो बराबर बैंड हैं, जो लगभग 30 सेंटीमीटर लंबे हैं. इन बैंडों पर छोटे सिल्क से ढके हुए लीड के टुकड़े हैं. इस पट्टी पर छह काले क्रॉस हैं, जो आगे, पीछे, दोनों कंधों पर और आगे-पीछे लटकते हुए हैं. यानी कि पालियोम का उपयोग गर्दन के चारों ओर समान रूप से फैले हुए होता है. प्रत्येक को एक काले क्रॉस से सजाया गया है.

चार और क्रॉस गर्दन के चारों ओर समान रूप से फैले हुए हैं. कैथोलिक चर्च में पालियोम का बहुत गहरा अर्थ होता है. इसके रंग, सजावट और बनावट ईश्वर के मेमना येसु ख्रीस्त के जीवन और बलिदान पर केन्द्रित है. मेमना के ऊन से बना यह सफेद पालियोम आर्चबिशप को याद दिलाता है कि सभी अधिकार और शक्ति प्रभु येसु ख्रीस्त, ईश्वर के मेमने से आती है. मेमने के ऊन का यह भी अर्थ है खोई हुई, बीमार या कमजोर भेड़ों का प्रतिनिधित्व करना है. जिन्हें चरवाहा अपने कंधों पर रखता है और जीवन के झरना के पास ले जाता है. यह एक भले चरवाहे का प्रतीक है. जो येसु ख्रीस्त के समान अपनी रेवड़ की देखरेख करता है. रक्षा और सुमार्ग पर ले चलता है.

सावन सिंधारा महोत्सव में नृत्य करतीं मारवाड़ी समाज की महिलाएं.

धूमधाम से श्रावण सिंधारा उत्सव मना रहा मारवाड़ी समाज

संवाददाता।रांची

श्रावण मास शुरू होते ही सावन सिंधारा महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है. मारवाड़ी समाज में यूं तो सात अगस्त को हरियाली तीज का त्योहार घर-घर मनाया जायेगा, लेकिन सावनभर इसकी धूम रहेगी. यही कारण है कि समाज की महिलाएं मौज-मस्ती और उमंग के साथ उत्सव के रंग में रंगी हैं. अग्रवाल सभा की अलका सरावगी और अन्नू अग्रवाल बताती हैं कि इस त्योहार की खासियत है कि सास और मां बहु-बेटियो को लाड़-प्यार करती हैं. भाभी,ननद और सखियां एक दूसरे का सिंधारा करती है. राजधानी में भी रंगीलो सावन आयो रे सुरंगो सावन आयो ... और रिमझिम बरसे सावन ... जैसे राजस्थानी गीत पर जमकर ठुमके लगाए जा रहे हैं. झूला, मेंहदी, साज-श्रृंगार के क्या कहने. उत्सव के दौरान कई तरह के मनोरंजक खेल, स्वादिष्ट व्यंजन सब के मन भाता है. उन्होंने बताया कि सावन सिंधारा उत्सव हमारी सांस्कृतिक धरोहर है. इससे परस्पर प्रेम की भावना बढ़ती है. इसी भाव से सावन की घटा के साथ जगह-जगह महोत्सव मनाया जा रहा है, तांकि इसमें एक साथ घर-बाहर के लोग भी भाग लें सके. हरियाली तीज के दिन घर-परिवार संग ही पूजा-पाठ किया जायेगा. हरियाली तीज वैसे तो सुहाग और सौभाग्य का त्योहार है, पर इसमें सिंधारे के रूप में मायके का दुलार भी जुड़ा है. मायके से आने वाले सिंजारे के जरिए बेटी के लिए शुभकामनाएं भेजी जाती हैं. जिन लड़कियों का रिश्ता तय हो जाता है उनके ससुराल से भी सुहाग का सामान भेजा जाता है.

हरियाली तीज का मुहूर्त

तृतीया तिथि 6 अगस्त शाम 07:52 बजे से शुरू होगा, जो सात अगस्त को दिन के 10:05 तक रहेगा. आचार्य अजय मिश्र ने बताया कि उदीयमान तिथि के अनुसार 7 अगस्त को ही यह त्योहार मनाया जायेगा.

लुभाएगा भव्य आयोजन

श्रीराणी सती मंदिर में 28 जुलाई को और श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर, पुंदाग में सात अगस्त को सिंधारा महोत्सव होगा.

कुछ बड़े विद्यालयों ने नहीं लिया एक भी एडमिशन

आरटीई अंतर्गत रांची जिले में 1250 सीट, एडमिशन फीस मात्र 650

खास बातें

- 25 प्रतिशत सीट पर नामांकन बीपीएल छात्रों के लिए रिजर्व.
- 120 स्कूलों में बीपीएल श्रेणी के छात्रों के लिए 1250 सीटें

शुभम किशोर।रांची

निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम (आरटीई) के अंतर्गत मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों की प्रवेश कक्षा में 25 प्रतिशत सीट पर नामांकन बीपीएल श्रेणी वाले छात्रों के लिए रिजर्व होती है. जिसमे क्लास के स्ट्रेंथ का 25 प्रतिशत एडमिशन बीपीएल वालों को देना होता है. जिसका भुगतान सरकार करती है. लेकिन रांची जिला में कई बड़े और नामी स्कूल सरकार के आरटीई पॉलिसी का उलंघन कर रहे है. जानकारी के अनुसार रांची जिला में 120 स्कूलों में बीपीएल श्रेणी के छात्रों के लिए 1250 सीट हैं. लेकिन जुलाई माह के लगभग बीत जाने तक 650 एडमिशन हीं हुए है.

ब्रिजफोर्ड, कैराली में जीरो एडमिशन : रांची के नामी स्कूलों में तुपुदाना स्थित ब्रिडफोर्ड, सेक्टर 2 स्थित कैराली स्कूल, धुर्वा स्थित संत जेवियर पब्लिक स्कूल, धुर्वा में प्रभात तारा स्कूल समेत 40 से ज्यादा स्कूलों ने बीपीएल छात्रों का एडमिशन नहीं लिया है. विभाग के लोगों ने बताया की ग्रामीण क्षेत्रों में बीपीएल श्रेणी में एडमिशन कम होते हैं. सभी बड़े स्कूल मैं एडमिशन करवाना चाहते हैं.

जो स्कूल सरकारी जमीन पर संचालित हैं उन्हें बीपीएल बच्चों का शुल्क नहीं मिलेगा

7 जुलाई को झारखंड शिक्षा परियोजना निदेशक ने सभी जिलों के डीएसइ को पत्र लिखा. जिसमे राज्य में सरकार से लीज पर जमीन लेकर संचालित निजी विद्यालयों को बीपीएल बच्चों का शुल्क नहीं मिलने की बात लिखी थी. इसके अलावा अगर विद्यालय सरकार से सब्सिडी या वित्तीय सहायता प्राप्त करती है, तो सहायता के अनुरूप शुल्क की राशि में कटौती करने की बात थी. जारी पत्र में जिलों को भेजे गये पत्र में केंद्र सरकार के पत्र का भी उल्लेख किया गया था.

आरटीई के अंतर्गत मान्यता प्राप्त स्कूलों में 25 प्रतिशत छात्रों का शुल्क सरकार भुगतान करती है

शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के अंतर्गत मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में 25 प्रतिशत सीट बीपीएल बच्चों के लिए आरक्षित है. बच्चों का नामांकन इंट्री क्लास में लिया जाता है. इसके शिक्षण शुल्क का भुगतान सरकार करती है. विद्यालय को प्रति विद्यार्थी एक वर्ष के लिए 5100 रुपये शिक्षण शुल्क के रूप में दिया जाता है. कक्षा एक से आठ तक के बच्चों का शिक्षण शुल्क का 60 फीसदी राशि केंद्र व 40 फीसदी राशि राज्य सरकार देती है. जबकि कक्षा एक से नीचे नामांकित बच्चों का शत-प्रतिशत शुल्क राज्य सरकार द्वारा दिया जाता है.

2025 में सभी विद्यालयों का जारी होगा स्कोर कार्ड

बच्चों का समग्र विकास हमारा उद्देश्य होना चाहिए : उमाशंकर

संवाददाता।रांची

राज्य में संचालित 80 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों एवं 325 प्रखंडस्तरीय आदर्श विद्यालयों के शिक्षकों और एचएम के लिए गुरुवार से झारखंड अधविद्य परिषद, नामकुम में पांच दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला की शुरुआत हुई. इस कार्यशाला का उद्घाटन करने के बाद राज्य सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह ने कहा कि बच्चों के लर्निंग आउटकम को बढ़ाना शिक्षा विभाग का उद्देश्य है.

एनईपी होलिस्टिक डेवलपमेंट की बात करता है। प्रोफेशनल एजुकेशन और स्किल एजुकेशन के हर पहलू पर काम करना जरूरी है. स्कूलों के शैक्षणिक वातावरण को सुधारने के लिए शिक्षकों के साथ पदाधिकारी भी जिम्मेदार है. अगर रिजल्ट संतोषजनक नहीं होता है तो शिक्षकों एवं पदाधिकारियों दोनों के ऊपर कठोर से कठोर कार्रवाई होगी. उमाशंकर सिंह ने कहा कि आदर्श विद्यालयों में शत प्रतिशत रिजल्ट होना चाहिए. इसकी परिकल्पना शत प्रतिशत रिजल्ट को ध्यान में रखकर ही की गयी है. कई विद्यालयों ने इस वर्ष शत प्रतिशत रिजल्ट का लक्ष्य हासिल भी किया है. ऐसे विद्यालयों के शिक्षकों को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियो और शिक्षकों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि शिक्षा के नाम पर खानापूर्ति किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

शिक्षा सचिव ने कहा कि शिक्षकों पर कार्रवाई करने से पहले उन्हें प्रशिक्षण दे, अवसर दे। उसके बाद भी स्थिति नहीं सुधरी तो विभाग कार्रवाई करेगा ही. उन्होंने सभी एचएम को संबोधित करते हुए कहा कि स्कूलों में शिक्षकों की कमी का बहाना नहीं चलेगा. राज्य में लगातार शिक्षकों की नियुक्ति का प्रयास हो रहा है. एचएम को अगर विद्यालय के प्रबंधन और उसकी पढ़ाई में रुचि नहीं है, तो हमें बताएं. हम आगे का काम करेंगे. विद्यालय में अनुशासन जरूरी है. एचएम यह सुनिश्चित करें कि शिक्षकों के बीच तालमेल बेहतर हो. कोई भेदभाव ना हो.

पांच जिलों के आंदोलनकारियों को मिलेगी बकाया पेंशन

रांची। झारखंड अलग राज्य के गठन के लिए आंदोलन करने वाले आंदोलनकारियों को बकाया पेंशन का भुगतान किया जाएगा. यह बकाया पेंशन रांची, जामताड़ा, लातेहार, चतरा और गढ़वा जिले के आंदोलनकारियों या उनके आश्रितों को मिलेगा. इसको लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने गुरुवार को तीस लाख की राशि आवंटित की है. इसको लेकर गृह सचिव ने आदेश जारी किया है. जिन जिलों के लिए राशि आवंटित की गयी है, उसमें जामताड़ा के लिए 11.45 लाख, लातेहार के लिए 3.54 लाख, चतरा के लिए 9.97 लाख, गढ़वा के लिए 1.16 लाख और रांची के लिए 3.91 लाख शामिल हैं.

न्यूज अपडेट

महावतार बाबाजी के स्मृति दिवस पर मना स्मरणोत्सव

रांची। योगदा सत्संग आश्रम में गुरुवार को महावतार बाबाजी का स्मृति दिवस स्मरणोत्सव के रूप में श्रद्धाभाव से मनाया गया. सुबह ऑनलाइन सामूहिक ध्यान से कार्यक्रम की शुरुआत हुई. स्वामी धैर्यानंद गिरि ने "योगी कथामृत" के कुछ अंश पढ़े. बताया कि योगानंदजी के दुनिया-भर में क्रियायोग के प्राचीन विज्ञान का प्रसार करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा पर निकलने से पहले 1920 में इसी दिन महावतार बाबाजी ने परमहंस योगानन्दजी को आशीर्वाद देने के लिए कोलकाता में उनके पैतृक घर पर दर्शन दिए थे. डेढ़ घंटे चले ध्यान कार्यक्रम में भारत के विभिन्न भागों से भक्तों ने भाग लिया. इसके बाद दिन के साढ़े नौ से पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे तक स्वामी शंकरानंद ने अन्य संन्यासियों संग भजन-संकीर्तन कर भक्ति की रस की धारा बहायी.

जिला स्कूल में विश्व गणितज्ञ दिवस का आयोजन

रांची। अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव जिला स्कूल में गुरुवार को विश्व गणितज्ञ दिवस का आयोजन किया गया. 1610 ई में गैलीलियो ने पहली बार दूरबीन के माध्यम से शनि के छल्लों को देखा था. महान वैज्ञानिक गैलीलियो को अपनी खोजों के आधार पर पूर्ण विश्वास हो गया था कि ब्रह्मांड का केंद्र सूर्य है. पृथ्वी और अन्य ग्रह उसकी परिक्रमा कर रहे हैं. उक्त विषयों पर विद्यालय के गणित विभाग के छात्रों ने महान वैज्ञानिक गणितज्ञ गैलीलियो के बारे में विस्तृत चर्चा किया. छात्रों ने गैलीलियो के व्यक्तित्व और कृतित्व को जाना. प्रभारी प्राचार्य मंजुला एक्का ने गणित का महत्व बताया. गणित के वरीय शिक्षक रामकृष्ण ने विभिन्न विषयों में गणित का उपयोग अलग -अलग तरीका से बताया. गणित शिक्षक राजेश कुमार गुप्ता ने गणित पर स्वरचित कविता सुनाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया.

सुरेन्द्रनाथ सेंटेनरी में मना अभिभावक दिवस समारोह

अभिभावक दिवस समारोह में बच्चे एवं अभिभावक.

रांची । सुरेन्द्रनाथ सेंटेनरी स्कूल में गुरुवार को कक्षा एक के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ अभिभावक दिवस मनाया. कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक स्वागत के साथ हुई, जिसके बाद सरस्वती वंदना की प्रस्तुति हुई, इसके बाद छात्रों ने मंच पर रैंप वॉक के माध्यम से भारत की समृद्ध संस्कृति का प्रदर्शन किया. वहीं मैशअप राइम्स और छात्रों की नृत्य प्रस्तुति देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए. उन्नति मिश्रा ने एक विचारोत्तेजक भाषण दिया, जबकि दिल को छू लेने वाली पीपीटी की प्रस्तुति ने माता-पिता और बच्चों के बीच विशेष स्नेह बंधन को प्रकट किया. स्कूल की प्राचार्या समिता सिन्हा ने कहा कि इस दिन को मनाने का उद्देश्य माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए सभी कार्यों के लिए धन्यवाद देना और उन्हें स्वीकार करना है.

बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य को ज्ञापन

प्रतिनिधिमंडल से ज्ञापन लेते बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य.

रांची। झारखंड अभिभावक संघ के अध्यक्ष द्वारा बुधवार को झारखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग कार्यालय में आयोग के सदस्य उज्ज्वल प्रकाश तिवारी को ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में रांची के डीएवी पब्लिक स्कूल गांधीनगर के पीटी टीचर के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की मांग की गई. बता दें कि डीएवी के पीटी टीचर ने बोकारो के डीएवी पब्लिक स्कूल में विद्यालय समूह द्वारा आयोजित वार्षिक खेल प्रतियोगिता में छात्र को खराब प्रदर्शन करने पर प्रताड़ित किया था.

स्पोर्ट्स में खूंटी के बच्चों ने सर्वाधिक 15 पदक जीते

रांची/खूंटी। डीएवी हेहल रांची में 23 और 24 जुलाई को आयोजित क्लस्टर लेवल डीएवी स्पोर्ट्स 2024 में डीएवी स्कूल खूंटी के बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 12 गोल्ड सहित सर्वाधिक 15 पदक जीत कर स्कूल का मान बढ़ाया. विद्यालय के खेल शिक्षक मृत्युंजय कुमार सिंह और टीम के साथ गए शिक्षक चंदन कुमार और नीति प्रसाद ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल सात टीमें शामिल हुई थी, जिसमें अकेले 15 पदक जीतकर डीएवी खूंटी की टीम अव्वल रही. प्रतियोगिता के वालीबॉल स्पर्धा में डीएवी खूंटी उपविजेता टीम रही. डीएवी खूंटी के प्रतिभागियों में शिवानी, अर्चना, रचित, प्रवीण, कृष्णा, हर्ष, आलीशान, ऋषभ और अक्षत का प्रदर्शन श्रेष्ठ रहा. प्रतियोगिता में विद्यालय के शानदार प्रदर्शन पर प्राचार्य मनोजेश्वर कुमार ने हर्ष व्यक्त करते हुए सफल प्रतिभागियों को बधाई और शुभकामनाएं दी.

खूब पसंद की जा रही नागपुरी फिल्म 'खोटा सिक्का'

रांची । झारखंड में धीरे-धीरे नागपुरी फिल्मों की रफ्तार बढ़ने लगी है. अब झारखंड के लोग नागपुरी फ़िल्में देखना खूब पसंद कर रहे हैं. पिछले दिनों 19 जुलाई को अन्वी फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बनी नागपुरी फिल्म खोटा सिक्का फन अनलिमिटेड एक सप्ताह से धूम मचा रही है और प्रतिदिन का शो हाउसफुल चल रहा है. जिसके कारण बहुत सारे दर्शकों को टिकट नहीं मिल पा रहा है. फ़िल्म के अत्यधिक डिमांड को देखते हुए सिनेमा हॉल के संचालकों ने एक सप्ताह के लिए बढा दिया है. दर्शक इस फिल्म को हाई स्ट्रीट मॉल के जेडी सिनेमा हॉल में प्रति दिन तीन बजे से देख सकते है. फ़िल्मकार एवं कलाकारों को कहना है झारखंड की विलुप्त हो रही भाषा और संस्कृति को राज्य के फिल्मकार एवं कलाकार फिल्मों का निर्माण कर संरक्षित करने का कार्य कर रहे हैं. सरकार की तरफ से झारखंड के फ़िल्मकार एवं कलाकारों को कोई सहयोग नहीं मिल पा रहा है.

एसएस मेमोरियल कॉलेज में बना स्थाई प्याऊ

रांची। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन रांची शाखा के तत्वावधान में गुरुवार को स्वर्गीय बजरंग लाल बूबना की पुण्य स्मृति एवं स्व. मुरारी लाल अग्रवाल की पुण्य स्मृति में बीना बूबना एवं सुनीता सरावगी के सौजन्य से सूरज सिंह मेमोरियल कॉलेज के भवन परिसर में स्थाई प्याऊ का निर्माण किया गया, जिसका विधिवत उद्घाटन पूर्व प्रधानाध्यापिका डा. वंदना राय ने किया. इस कार्यक्रम को सफल बनाने में नए प्रधानाचार्य डॉ. बीपी वर्मा, प्रो. राजेश कुजूर, प्रो. मुकेश उरांव (ज्योग्राफी डिपार्मेंट) डॉ. सुभाष साहू, डीआर समर सिंह, डॉ संजय सारंगी एवं कई कॉलेज के अध्यापक सहित निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरा बथवाल, निवर्तमान राष्ट्रीय सचिव रूपा अग्रवाल, गीता डालमिया, अलका सरावगी,शाखा अध्यक्ष मधु सराफ आदि का सहयोग रहा.

तैयारी एक वृक्ष को भी नुकसान पहुंचाए बिना बिरसा स्मृति उद्यान में ही मनेगा महोत्सव

आदिवासी महोत्सव का भव्य आयोजन करेगी हेमंत सरकार

विशेष संवाददाता।रांची

गत वर्ष की भांति ही इस वर्ष भी विश्व आदिवासी दिवस पर भव्य दो दिवसीय महोत्सव का आयोजन किया जाएगा. गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी यह आयोजन भगवान बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान में इसका आयोजन होगा. मगर रांची जिला प्रशासन को निर्देश दिया गया कि पार्क के एक वृक्ष को नुकसान किए बिना ही इसका आयोजन कर एक मिसाल कायम करें. इसको लेकर आदिवासी कल्याण मंत्री दीपक बिरुआ ने आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा से आयोजन को लेकर चर्चा की. अजयनाथ झा ने बताया कि विश्व आदिवासी दिवस पर पूरे देश के आदिवासी चिंतकों, विशेषज्ञों और सम्मानित व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाएगा.

आने वाले मेहमानों के आगमन और ठहरने की व्यवस्था में कोई कमी नहीं रहे. पूरे महोत्सव में आदिवासी संस्कृति और परंपरा की झलक दिखाई दे. महोत्सव में आदिवासी समाज से जुड़ी सभी संस्कृति और परंपराओं को दर्शाया जायेगा. उन्होंने कहा कि आदिवासी संस्कृति, कला एवं वाद्ययंत्र, परिधान एवं आभूषण, डोकरा कला, कोहबर, सोहराई सहित कई कलाओं और आदिवासी इतिहास की प्रदर्शनी भी लगायी जायेगी. आदिवासी व्यंजनों के स्टॉल भी लगाये जायेंगे.

उपायुक्त एवं अन्य अधिकारियों के साथ बैठक में कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा.

100 नगाड़ों से होगा अतिथियों का स्वागत

अजयनाथ झा ने बताया कि नृत्य दल शोभा यात्रा में शामिल होंगे. महोत्सव के दौरान अतिथियों का स्वागत 100 नगाड़ा स्वागत किया जाएगा. 32 आदिवासी समुदाय के नृत्य दल शोभा यात्रा में शामिल होंगे. कार्यक्रम में प्रसिद्ध आदिवासी संगीत और नृत्य कला की प्रस्तुति दी जायेगी. आदिवासी महोत्सव को यादगार बनायें विश्व आदिवासी दिवस पर होने वाले कार्यक्रम को लेकर इधर रांची जिला प्रशासन आदिवासी महोत्सव की तैयारी में जुट गया है.

देवघर में सीसीएल का निःशुल्क चिकित्सा शिविर

संवाददाता।रांची

सीसीएल द्वारा बिहार एवं झारखंड के सीमा के पास अवस्थित दुम्मा में श्रावणी मेला के अवसर पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया है. इस शिविर में ग्रामीणों, हितधारकों एवं कामगारों के लिए सीसीएल के चिकित्सकों की टीम द्वारा निःशुल्क चिकित्सीय परामर्श, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर आदि की जांच के साथ फिजियोथेरेपी और निःशुल्क दवाओं की सुविधा दी जा रही है. सीसीएल के दो वरिष्ठ चिकित्सकों और 7 अन्य चिकित्सा कर्मियों की टीम शिविर में सेवाएं प्रदान कर रही है. 22 जुलाई से शुरू यह शिविर 20 अगस्त तक चलेगा. अब तक इस शिविर में 8000 से अधिक लोग स्वास्थ्य लाभ उठा चुके हैं. सीसीएल सीएमडी निलेन्दु कुमार सिंह के मार्गदर्शन में एवं उनके समाज कल्याण के पहल को आगे बढ़ाते हुए, कंपनी द्वारा नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता है.

सीसीएल ने विगत कई वर्षों से श्रावणी मेले के दौरान स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करके स्थानीय समुदाय के स्वास्थ्य से संबन्धित समस्याओं के निदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. इस वर्ष भी, कंपनी अपने सामाजिक दायित्व के प्रति समर्पित होकरनिःशुल्क मेडिकल कैंप के माध्यम से सेवा कर रही है.

दुम्मा में लगाये गये चिकित्सा शिविर में चिकित्सक एवं चिकित्साकर्मी.

उपेक्षित राज्यों में विक्षोभ

बजट भाषण में इंडिया गठबंधन दलों के नेताओं के तल्ख तेवर से क्षुब्ध केंद्र सरकार ने आरोप लगाया है कि विपक्ष सार्थक चर्चा नहीं कर रहा है. दस सालों के बाद लोकसभा का समीकरण बदला हुआ है, जिसमें एक ओर वास्तविक अर्थों वाली गठबंधन सरकार को मजबूत विपक्ष का सामना करना पड़ रहा है. इसका असर सदन के बाहर भी दिख रहा है. बजट प्रावधानों में गैर-भाजपा शासित राज्यों की उपेक्षा का असर नीति आयोग की बैठक पर भी पड़ने जा रहा है. झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी बजट में झारखंड की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा है कि विशेष पैकेज केंद्र सरकार वैशाखियों को दे, लेकिन वह झारखंड को उसका बकाया चुका दे. झारखंड के मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का केंद्र पर 1.36 लाख करोड़ का बकाया है. गैर भाजपा शासित पांच राज्यों ने एलान किया है कि वे बजटीय उपेक्षा के प्रति अपना विरोध जताते हुए नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करेंगे. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को संसद में केंद्रीय बजट पेश किया था. इसके बाद विपक्षी गठबंधन इंडिया के कुछ नेताओं ने इसे 'सरकार बचाओ बजट' तो किसी ने 'भेदभावपूर्ण' बजट करार दिया. इसके बाद कांग्रेस ने 27 जुलाई को होने वाली नीति आयोग की बैठक के बहिष्कार का एलान किया था. नीति आयोग की बैठक में कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री भाग नहीं लेंगे. पंजाब सरकार ने भी नीति आयोग की बैठक के बहिष्कार का निर्णय किया है. पंजाब के मुख्यमंत्री अब नीति आयोग की बैठक में भाग नहीं लेंगे. तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार ने 27 जुलाई को होने वाली नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करने का फैसला किया है. तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बजट के दौरान तेलंगाना के अधिकारों को नुकसान पहुंचाया गया है. इसके अलावा राज्य की बकाया धनराशि भी जारी नहीं की गई. इसके विरोध में नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करने का फैसला लिया गया है. तेलंगाना विधानसभा में दिन भर चली बहस के बाद केंद्रीय बजट में तेलंगाना के प्रति केंद्र के कथित भेदभाव के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया गया. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी बजट में बंगाल की उपेक्षा का आरोप लगाया है, लेकिन वे नीति आयोग की बैठक में भाग लेंगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले दस सालों में अनेक अवसरों पर कोऑपरेटिव फैडरलिज्म यानी सहयोगात्मक संघवाद की वकालत करते रहे हैं. लेकिन व्यवहार में देखा गया है कि संघात्मकता की मूल भावना केवल कागजी बन कर रह जाती है. इस तथ्य को गंभीरता से समझने और अमल में लाने की जरूरत है कि देश के सभी राज्यों के लिए समान अवसर का माहौल बनाना चाहिए. देश के ज्यादातर राज्यों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है. केंद्र की मदद की जरूरत सभी राज्यों को है. इसलिए बजट आबंटन में इस तथ्य का ध्यान रखा जाना जरूरी है.

> झारखंड के मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का केंद्र पर 1.36 लाख करोड़ का बकाया है. गैर भाजपा शासित पांच राज्यों ने एलान किया है कि वे बजटीय उपेक्षा के प्रति अपना विरोध जताते हुए नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करेंगे.

सुभाषित

परोऽपि हितवान् बन्धुः बन्धुरप्यहितः परः।
अहितो देहजो व्याधिः हितमारण्यमौषधम्॥

बीमारियां हमारे शरीर के भीतर रहते हुए भी हमारा बुरा करती हैं और औषधियां (जड़ी-बूटियां) हमसे दूर पेड़-पौधों में रहकर भी हमारा भला करती हैं. इसी प्रकार, जिनसे हमारा रक्त का सम्बन्ध न हो, किन्तु वे हमारा हित करें तो वे अपने होते हैं और यदि रिश्तेदार होकर भी कोई हमारा अहित करे तो वह पराया होता है.

आम बजट 2024 की आर्थिक दिशा

जब हर व्यक्ति के पास सम्मानजनक रोजगार होगा, तो उसका जीवन स्तर क्रमिक रूप से उठेगा और समाज समृद्ध एवं खुशहाल बनेगा. ऐसे समाज में आमदनी बढ़ने के कारण कर उगाही भी स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी, जिससे सरकारें जन-कल्याण एवं पुख्ता सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था कर सकेंगी. यानी कुल सोच यह थी कि पूंजीवाद धन पैदा करेगा, जो धीरे-धीरे रिस कर निचले तबकों तक पहुंचेगा. इस तरह सभी खुशहाल होंगे.

• देश-काल

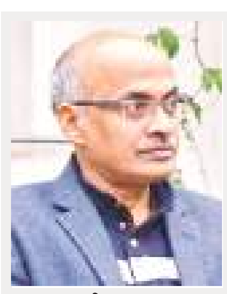

सत्येंद्र रंजन

लोकसभा चुनाव के दौरान ही ये बात जाहिर हो गई कि 'विकसित भारत' का नारा लोगों को उत्साहित या आकर्षित नहीं कर रहा है. इसके प्रति लोगों की उदासीनता का आलम यह था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के अन्य नेताओं ने पहले चरण के मतदान के बाद अपने प्रचार अभियान में इस थीम को हाशिये पर डाल दिया. इसके विपरीत हिंदुत्व का डोज (खुराक) बढ़ाने का दांव उन्होंने चला. वह भी कितना कारगर रहा, यह चार जून को आए चुनाव नतीजों से जाहिर हो चुका है. यह निर्विवाद है कि लोकसभा के चुनाव का प्रमुख कथानक महंगाई, बेरोजगारी, अवसरहीनता आदि जैसे ठोस और रोजमर्रा की जिंदगी की जुड़े मुद्दों से तय हुआ. इसके बावजूद अपने तीसरे कार्यकाल में नरेंद्र मोदी सरकार ने 'विकसित भारत' अपना थीम बनाए रखा है तो यही कहा जाएगा कि हकीकत से आंख मिलाने का साहस या क्षमता उसमें नहीं है. पिछले महीने संसद के साझा सत्र में दिए अपने अभिभाषण में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एलान किया था कि 2024-25 के बजट में सरकार 'विकसित भारत'की कार्यसूची पेश करेगी. 23 जुलाई को पेश बजट को मोदी सरकार ने 'विकसित भारत की तरफ यात्रा का रोडमैप'कहा है. इसमें पेज-दर-पेज 'विकसित भारत की प्राथमिकताएं' बताई गई हैं. यानी जो जुमला चुनाव अभियान में लोगों को लुभा नहीं सका, जिस पर लोगों ने यकीन नहीं किया, उसे ही इस बजट का मुख्य विषयवस्तु बनाया गया है. इसलिए यह सवाल विचारणीय हो जाता है कि आखिर किसी अर्थनीति और विकास नीति का मकसद क्या होना चाहिए? उनकी सफलता का पैमाना क्या होना चाहिए? बीसवीं सदी के आरंभ में जब सोवियत क्रांति के साथ समाजवाद सपनों की रूमानी दुनिया से उतर कर जमीनी हकीकत का रूप लेना लगा तो पहली बार तत्कालीन पूंजीवादी और अन्य व्यवस्थाओं के सामने भी अपना लक्ष्य तय करने और कुछ सपने जगाने की चुनौती पेश आई थी. क्या पूंजीवाद आधारित 'लोकतंत्र'खुद में सामाजिक एजेंडा जोड़ कर समाजवादी क्रांति का विकल्प पेश सकता है, यह बहस खड़ी हुई थी. उसी दौर में जॉन मेनार्ड कीन्स ने अर्थनीति संबंधी अपनी समझ दुनिया के सामने रखी, जो धीरे-धीरे पूरे पूंजीवादी विश्व का स्वीकृत आर्थिक एजेंडा बन गई. कीन्स की आर्थिकी ने "क्रांतिकारी समाजवाद"के विकल्प के रूप में "शांतिमय प्रगति आधारित लोकतांत्रिक पूंजीवाद"के लक्ष्यों और उन्हें हासिल करने के मार्ग की व्याख्या की थी.

बताया गया कि इस अर्थनीति का पालन करते हुए संपूर्ण रोजगार हासिल किया जा सकता है. जब हर व्यक्ति के पास सम्मानजनक रोजगार होगा, तो उसका जीवन स्तर क्रमिक रूप से उठेगा और समाज समृद्ध एवं खुशहाल बनेगा. ऐसे समाज में आमदनी बढ़ने के कारण कर उगाही भी स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी, जिससे सरकारें जन-कल्याण एवं पुख्ता सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था कर सकेंगी. यानी कुल सोच यह थी कि पूंजीवाद धन पैदा करेगा, जो धीरे-धीरे रिस कर निचले तबकों तक पहुंचेगा. इस तरह सभी खुशहाल होंगे. इस आर्थिकी को कार्यरूप देने के लिए कीन्स ने अर्थव्यवस्था में सरकारों की सक्रिय भूमिका की वकालत की थी. सामाजिक लक्ष्य तय करना और उन्हें हासिल करने की तरफ समाज को ले जाना सरकारों की लोकतांत्रिक जिम्मेदारी मानी गई. फुल इंप्लायमेंअ इन लक्ष्यों में सर्व-प्रमुख था.

पूंजीपति और धनिक तबकों ने अपनी नव-उदारवादी मुहिम के तहत इसी सोच पर हमला बोला. 1980 का दशक आते-आते उनकी यह मुहिम कामयाबी की राह पर चल निकली. 1990 के दशक में इस सोच और इस पर आधारित आर्थिकी का लगभग सारी दुनिया में प्रसार हो गया. 1991 में यह आर्थिकी भारत पहुंची और आज उसका सबसे विद्रूप चेहरा हमारे सामने है. ताजा बजट ने यही दिखाया है कि नरेंद्र मोदी सरकार में इस विद्रूपता से भारत की इच्छाशक्ति और समझ का सिरे से अभाव है. बेरोजगारी और महंगाई जैसे प्रश्नों पर वह नव-उदारवादी फॉर्मूलों पर पुनर्विचार करने तक को तैयार नहीं है. चूंकि हाल के आम चुनाव में इन दोनों समस्याओं के कारण उसे गंभीर झटके लगे, इसलिए वह इस दिशा में कुछ करते तो दिखना चाहती है, लेकिन सचमुच कुछ करना नहीं चाहती! महंगाई के सवाल पर तो उसने आत्म-समर्पण कर दिया है. इस बात का प्रमाण 22 जुलाई को संसद में पेश 2023-24 की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में मिला. इसमें खाद्य पदार्थों की ऊंची महंगाई दर का जिक्र किया गया और इसका कारण आपूर्ति संबंधी दिक्कतों को बताया गया. रिपोर्ट में कहा गया है: 'अक्सर खाद्य पदार्थों की महंगाई का कारण मांग से संबंधित नहीं, बल्कि आपूर्ति से संबंधित है.' तो इस रिपोर्ट के जरिए सरकार ने दलील दी है कि ब्याज दरें बढ़ा कर महंगाई पर काबू पाने का तरीका मौजूदा खाद्य महंगाई के संदर्भ में कारगर नहीं होगा. इसलिए भारतीय रिजर्व बैंक से सिफारिश की गई है कि वह खाद्य पदार्थों के अलावा बाकी मुद्रास्फीति दर पर गौर करे, जो अब नियंत्रण में है. यानी वह ब्याज दरों में कटौती शुरू कर दे. मतलब, सरकार मानती है कि खाद्य पदार्थों की महंगाई इसलिए है कि किसान पर्याप्त मात्रा में अनाज, सब्जियों और अन्य खाद्य पदार्थों का उत्पादन नहीं कर पा रहे हैं. क्या यह सच है? क्या इस बात को स्वीकार किया जा सकता है?

दरअसल, आज की मोनोपॉली नियंत्रित अर्थव्यवस्था के दौर में महंगाई सिर्फ मांग और आपूर्ति के आपसी संबंध से तय नहीं हो रही है. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसाबेला बेवर जैसी अर्थशास्त्री और भारत के संदर्भ में रिजर्व बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर विरल आचार्य ने अपने अनुसंधानों से यह साबित किया है कि महंगाई का एक बड़ा कारण मोनोपॉली घरानों की मुनाफाखोरी है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष

सुज्ञ

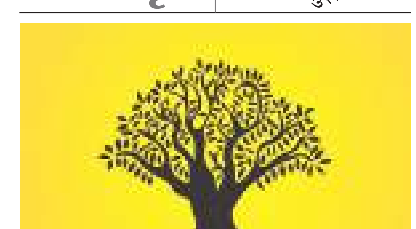

लक्ष्य और साधना

संसार में हर व्यक्ति अकिंचन है. चाहे उसके पास जितना कुछ क्यों न हो, उसकी और अधिक, और अधिक पाने की लालसा अपनी बुलंद रहती है. उसकी तृष्णा और वासना उसे उकसाती हैं, लक्ष्य से भटकाने की कोशिश करती हैं. जिनकी साधना मजबूत होती है, वे तो बच निकलते हैं, लेकिन जो साधक हैं ही नहीं या फिर जिनकी साधना कमजोर होती है, सांसारिक माया के जाल में फंसने से स्वयं को बचा नहीं पाते. क्या पाना है, यदि लक्ष्य निर्धारित है, अन्तः सुख प्राप्त करना ही ध्येय है, तो भ्रमित करने वाले छोटे छोटे सुख साधन मृगतृष्णा है. वे साधन मार्गभ्रष्ट कर अनावश्यक लक्ष्य को दूर करने वाले और मार्ग की दूरी बढाने वाले होते है. यदि सुख सहज मार्ग से उपलब्ध हो तो सुविधाभोग, भटकन के अतिरिक्त कुछ नहीं. सड़क के किनारे, मिट्टी के बर्तन व कलाकृतियां सजा कर, कुम्हार खाट पर पसरा हुआ था. एक विदेशी उन कलाकृतियों का तन्मयता से अवलोकन कर रहा था. उसने मोल पूछा और कुम्हार ने लेटे लेटे ही मूल्य बता दिया. विदेशी उसकी लापरवाही से बड़ा क्षुब्ध हुआ. उसे आश्चर्य हो रहा था. उसने कुम्हार को टोकते हुए कहा, "तुम काम में तत्परता दर्शाने के बजाय आराम फरमा रहे हो?" कुम्हार ने कहा, ₹जिसको लेना होगा वह तो खरीद ही लेगा, आतुरता से आखिर क्या होगा?₹ "इस तरह आराम से पडे रहने से बेहतर है तुम ग्राहकों को पटाओ, उन्हें अपनी यह सुन्दर वस्तुएं बेचो. तुम्हें शायद मालूम ही नहीं, तुम्हारी ये कलाकृतियां विशेष और अभिन्न हैं. अधिक बेचोगे तो अधिक धन कमाओगे.", विदेशी ने कहा. कुम्हार ने पूछा, ₹और अधिक धन कमाने से क्या होगा?₹ विदेशी ने समझाते हुए कहा, "तुम अधिक धन कमाकर, इन वस्तुओं का उत्पादन बढा सकते हो, बडा सा शोरूम खोल सकते हो, अपने अधीन कर्मचारी, कारीगर रख कर और धन कमा सकते हो." कुम्हार ने पूछा, "फिर क्या होगा?" ₹तुम अपने व्यवसाय को ओर बढा सकते हो, देश विदेश में फैला सकते हो, एक बड़ा बिजनेस एम्पायर खड़ा कर सकते हो₹, विदेशी ने कहा. "उससे क्या होगा", कुम्हार ने फिर पूछा. विदेशी ने जवाब दिया, "तुम्हारी बहुत बडी आय होगी, तुम्हारे पास आलिशान सा घर, आरामदायक गाडियां और बहुत सारी सम्पत्ति होगी." कुम्हार ने फिर पूछा, "उसके बाद?" ₹उसके बाद क्या, उसके बाद तुम आराम से जीवनयापन करोगे, आराम ही आराम, और क्या?₹ कुम्हार ने छूटते ही पूछा, ₹तो अभी क्या कर रहा हूं? जब इतना उहापोह, सब आराम के लिए ही करना है तब तो मैं पहले से ही आराम कर रहा हूं.₹

सामाजिक सुरक्षा का विस्तार जरूरी

• समाज

अरविंद जयतिलक

भारत एक लोकतांत्रिक व कल्याणकारी राज्य है. ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी है कि वह अपने नागरिकों को बेहतर सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराए. निःसंदेह सरकार द्वारा अपने नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की ढेरों योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं, लेकिन बढ़ती जनसंख्या के कारण इसे विस्तार देने की जरूरत है. सामाजिक सुरक्षा का अभिप्राय ऐसी सभी सेवाओं, साधनों और सुविधाओं से है, जो नागरिकों को दी जाती है, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर होता है. सामाजिक सुरक्षा श्रम कल्याण का एक मुख्य संघटक है और उसे निरंतर विकास प्रक्रिया के एक अंग के रूप में देखा जाता है. सामाजिक सुरक्षा वैश्वीकरण और उसके कारण होने वाले संरचनात्मक और तकनीकी परिवर्तनों से उपजी चुनौतियों से निपटने में अधिक सकारात्मक रवैए के निर्माण में सहायता प्रदान करती है. सामाजिक सुरक्षा में यह परिकल्पना की जाती है कि नागरिकों को सभी प्रकार के सामाजिक जोखिमों से रक्षा की जाएगी जो उनकी बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति में अनावश्यक मुश्किलें उत्पन करती हैं. यह सच्चाई है कि कर्मगारों के पास बीमारी, दुर्घटना, वृद्धावस्था, रोग और बेरोजगार आदि के कारण उत्पन जोखिमों का सामना करने के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन नहीं होता है और संकट के समय में उनकी सहायता करने के लिए जीविका का वैकल्पिक साधन का अभाव होता है. इसलिए कर्मगारों को सामाजिक सुरक्षा देना राज्य का दायित्व है. 19 वीं शताब्दी के अंत तक अधिकांश राज्य अपने को पुलिस राज्य रखकर ही संतुष्ट थे. उनका मुख्य काम शांति व व्यवस्था कायम रखना था. उन्होंने सामाजिक सुरक्षा के कार्य व्यक्तियों और व्यक्तियों के समूहों के जिम्मे छोड़ रखे थे. लेकिन धीरे-धीरे राज्य के स्वभाव में बुनियादी बदलाव आया और उसकी प्राथमिकता में सामाजिक सुरक्षा की औपचारिक व्यवस्था शीर्ष पर हो गयी. लॉयड जार्ज के प्रथम मंत्रित्व काल में इंग्लैंड की सरकार ने सामाजिक सुरक्षा के तहत सामाजिक बीमा चालू किया, जिसके तहत बूढे, अवकाश प्राप्त व्यक्ति, विधवाएं और बेरोजगार लाभ उठाते हैं. इस योजना के अंतर्गत स्कूल में बच्चों को दूध देने, गर्भवती और दूध पिलाने वाली महिलाओं को दूध और विशेष भोजन देने, निःशुल्क डॉक्टरी सहायता और निःशुल्क माध्यमिक शिक्षा और उच्चतर शिक्षा के लिए अच्छी छात्रवृत्तियों की व्यवस्थाएं की गयी हैं. गौर करें तो संपूर्ण यूरोपीय देशों में विस्तृत सामाजिक सुरक्षा लागू है. संयुक्त राज्य अमेरिका में भी जनता को लाभ पहुंचाने संबंधी विस्तृत सामाजिक सुरक्षा योजनाएं चालू हैं. भारतीय संदर्भ में सामाजिक सुरक्षा एक समग्र अधिगम है जिसका निर्माण व्यक्ति को आर्थिक अभाव से बचाने और व्यक्ति के खुद के लिए तथा उसके आश्रितों के लिए, उन्हें आर्थिक अनिश्चितता की स्थिति से बचाने हेतु एक न्यूनतम आय की सुनिश्चितता के लिए किया गया है. यह तथ्य भारत के नीति-नियंताओं द्वारा पहचाना गया और तद्नुसार सामाजिक सुरक्षा से संबंद्ध विषयों को राज्य के नीति-निर्देशक तत्व और समवर्ती सूची में संबंद्ध किया गया. राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के तहत अनुच्छेद 41 में कार्य के अधिकार शिक्षा और कुछ मामलों में सार्वजनिक सहायता की व्यवस्था की गयी है. अनुच्छेद 42 में कार्य की उचित और मानवीय परिस्थिति और मातृत्व राहत की व्यवस्था की गयी है. भारतीय संविधान की समवर्ती सूची में भी सामाजिक सुरक्षा और बीमा, रोजगार और बेरोजगार, कार्य परिस्थिति, भविष्यनिधियां, नियोक्ताओं का दायित्व, कर्मगारों की क्षतिपूर्ति अवैधता, श्रम कल्याण, वृद्धावस्था पेंशन और मातृत्व लाभ का उल्लेख है. भारत में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने एक सामाजिक सुरक्षा प्रभाग की स्थापना की है जो कर्मगार सामाजिक सुरक्षा से संबंधित सभी कानूनों के प्रशासन के लिए सामाजिक सुरक्षा नीति एवं योजनाएं बनाने और क्रियान्वित करने का कार्य करता है. भारत में ढेरों सामाजिक सुरक्षा कानून लागू हैं, मसलन कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (ईएसआई एक्ट), कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम 1923 (डब्लयूसी एक्ट), कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम 1952 (ईपीडीएंडएमपी एक्ट), प्रसूति प्रसुविधा अधिनियम 1961 (एमबी एक्ट), ग्रैच्युटी भुगतान अधिनियम 1972 (पीजी एक्ट), वैयक्ति क्षति (आपात उपलब्ध) अधिनियम 1962, वैयक्तिक क्षति (प्रतिकर बीमा) अधिनियम 1963 और नियोजक दायित्व अधिनियम 1938 इत्यादि.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> 19 वीं शताब्दी के अंत तक अधिकांश राज्य अपने को पुलिस राज्य रखकर ही संतुष्ट थे. उनका मुख्य काम शांति व व्यवस्था कायम रखना था. उन्होंने सामाजिक सुरक्षा के कार्य व्यक्तियों और व्यक्तियों के समूहों के जिम्मे छोड़ रखे थे. लेकिन धीरे-धीरे राज्य के स्वभाव में बुनियादी बदलाव आया और उसकी प्राथमिकता में सामाजिक सुरक्षा की औपचारिक व्यवस्था शीर्ष पर हो गयी.

कृषि में सुधार की संभावना

• कृषि

डॉ. ज्ञान पाठक

आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 भारत की विकास कहानी की एक सुखद तस्वीर पेश करता है और अल्पकालिक संभावनाओं को अच्छा मानता है, लेकिन चिंता के कई क्षेत्रों को चिह्नित करने में विफल नहीं होता है. बेहतर दीर्घकालिक संभावनाओं के लिए यह स्पष्ट दूरदर्शी दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देता है. इसने कृषि में व्यापक सुधार की तत्काल जरूरतों को रेखांकित किया-'भारत के विकास पथ में अपनी केंद्रीयता के बावजूद, कृषि क्षेत्र को संरचनात्मक मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है, जिसका भारत के आर्थिक विकास पर प्रभाव पड़ता है,' इसने क्षेत्र के सामने कई प्रमुख चुनौतियों की पहचान करते हुए कहा, जिसमें खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति का प्रबंधन करते हुए विकास को बनाये रखने की आवश्यकता, फसलों के मूल्य निर्धारण तंत्र में सुधार और भूमि विखंडन को संबोधित करना शामिल है. इसमें कहा गया है कि नीति निर्माताओं को किसानों को उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने और खाद्य कीमतों को स्वीकार्य सीमा के भीतर रखने के बीच एक नाजुक संतुलन बनाना चाहिए. इस दोहरे उद्देश्य के लिए सावधानीपूर्वक नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता है. हालांकि आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारत के श्रम बाजार संकेतकों में सुधार हुआ है, लेकिन यह चेतावनी देता है कि आर्थिक गतिविधि के कई क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की जड़ें जम रही हैं और इसलिए सामूहिक कल्याण की दिशा में तकनीकी विकल्पों को आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण होगा. हालांकि, यह सरकार पर नहीं, बल्कि नियोक्ताओं पर जिम्मेदारी डालता है कि वे प्रौद्योगिकी और श्रम के बीच संतुलन बनाने के लिए जिम्मेदार हैं. इसमें कहा गया है कि कई विनियामक नियंत्रण, जैसे कि भूमि उपयोग, भवन संहिता, महिलाओं के रोजगार के लिए खुले क्षेत्रों और घंटों को प्रतिबंधित करना, रोजगार सृजन को रोकते हैं. सर्वेक्षण ने रुपये की अस्थिरता को नोट किया, लेकिन कहा कि यह सबसे कम अस्थिर मुद्राओं में से एक है, जो सांत्वना के अलावा और कुछ नहीं है. वित्त वर्ष 24 में, अमेरिकी डॉलर ने लगभग हर प्रमुख समकक्ष के मुकाबले बढ़त हासिल की. रुपया भी मूल्यह्रास के दबाव में आया. इसके अलावा, दस्तावेज़ में जोर दिया गया है कि वित्त वर्ष 24 में इसने पिछले वर्षों की तुलना में सबसे कम अस्थिरता प्रदर्शित की. यह विश्व अर्थव्यवस्था पर चीन के वैश्विक प्रभाव का भी उल्लेख करता है और कहता है कि दुनिया चीन को पूरी तरह से अनदेखा नहीं कर सकती, भले ही वह चीन के साथ-साथ एक और देश की ओर क्यों न बढ़ रही हो. अपने निष्कर्ष के समर्थन में सर्वेक्षण कहता है कि मेक्सिको, वियतनाम, ताइवान और कोरिया जैसे देश, जो चीन से अमेरिका के व्यापार मोड़ के प्रत्यक्ष लाभार्थी थे. जबकि इन देशों ने अमेरिका को निर्यात में अपना हिस्सा बढ़ाया, उन्होंने चीनी एफडीआई में भी वृद्धि दिखाई. दिए गए उदाहरण में भारत के 'विकसित भारत' की ओर बढ़ने के संबंध में कई छिपे हुए अर्थ हैं. सर्वेक्षण कहता है कि यह 1980 और 2015 के बीच चीन के आर्थिक उछाल से अलग होगा और यह एक आसान रास्ता नहीं होगा. यह कारण गिनाता है कि क्यों? यह कहता है कि शीत युद्ध के अंत में भू-राजनीति काफी हद तक शांत थी और पश्चिमी शक्तियों ने चीन का स्वागत किया और यहां तक कि इसके उदय और विश्व अर्थव्यवस्था में इसके एकीकरण को प्रोत्साहित किया. वैश्वीकरण अपने लंबे विस्तार के शिखर पर था और जलवायु परिवर्तन और वैश्विक चेतावनी पर चिंताएं तब इतनी व्यापक या गंभीर नहीं थीं, जितनी कि वे अब हैं. यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आगमन की ओर इशारा करता है, जो सभी कौशल स्तरों-निम्न, अर्ध और उच्च-के श्रमिकों पर इसके प्रभाव के बारे में अनिश्चितता की एक बड़ी परत डालता है. ये आने वाले वर्षों और दशकों में भारत के लिए निरंतर उच्च विकास दर के लिए अवरोध और बाधाएं पैदा करेंगे. इन पर काबू पाने के लिए संघ और राज्य सरकारों और निजी क्षेत्र के बीच एक शानदार गठबंधन की आवश्यकता है. देश के कल्याणकारी अर्थशास्त्र के लिए, यह कहता है कि हम कल्याण के लिए एक सुधारित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहे हैं, जो सशक्तीकरण, संतृप्ति दृष्टिकोण, आवश्यकताओं तक सार्वभौमिक पहुंच, दक्षता, लागत-प्रभावशीलता और निजीक्षेत्र और नागरिक समाज की भागीदारी बढ़ाने पर केंद्रित है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> सर्वेक्षण कहता है कि यह 1980 और 2015 के बीच चीन के आर्थिक उछाल से अलग होगा और यह एक आसान रास्ता नहीं होगा. यह कारण गिनाता है कि क्यों? यह कहता है कि शीत युद्ध के अंत में भू-राजनीति काफी हद तक शांत थी और पश्चिमी शक्तियों ने चीन का स्वागत किया और यहां तक कि इसके उदय और विश्व अर्थव्यवस्था में इसके एकीकरण को प्रोत्साहित किया.

मीडिया में अन्यत्र

पूंजीगत लाभ ढांचे को सहज बनाने वाला बजट

केंद्रीय बजट में एक अच्छी बात रही पूंजीगत लाभ ढांचे को सहज बनाना. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि चुनिंदा वित्तीय परिसंपत्तियों पर अल्पावधि का पूंजीगत लाभ कर 20 फीसदी की दर से लगाया जाएगा जबकि पहले यह 15 फीसदी की दर से लगाया जाता था. अन्य सभी वित्तीय एवं गैर वित्तीय परिसंपत्तियों पर उसी दर से कर लगेगा. इसका अर्थ यह हुआ कि शेयर बाजार में अल्पावधि में होने वाले लाभ पर 20 फीसदी की दर से कर चुकता करना होगा. इसके अलावा सभी वित्तीय और गैर वित्तीय परिसंपत्तियों पर होने वाले दीर्घकालिक लाभ पर 12.5 फीसदी की दर से कर लगेगा. सूचीबद्ध शेयरों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर की दर 10 फीसदी थी. लंबी अवधि के कर और अल्पावधि के कर के बीच के अंतर को बढ़ाने वाले कारणों में से एक पूंजी बाजार में दीर्घकालिक निवेश को बढ़ावा देना भी हो सकता है. खासतौर पर परिवारों द्वारा किए जाने वाले निवेश के मामले में.निवेशकों की कम आय वाली श्रेणी की बात करें तो वित्त मंत्री ने पूंजीगत लाभ के मामले में रियायत की सीमा को एक लाख से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपये कर दिया है. सूचीबद्ध वित्तीय परिसंपत्तियों को अगर एक वर्ष से अधिक अवधि तक रखा गया तो उन्हें दीर्घकालिक माना जाएगा.गैर सूचीबद्ध वित्तीय और गैर वित्तीय परिसंपत्तियों के मामले में उन्हें दो वर्ष तक धारण करने पर ही उन्हें दीर्घकालिक माना जाएगा. गैर सूचीबद्ध बॉन्ड और डिबेंचर और डेट म्युचुअल फंड पर लागू दर से ही पूंजीगत लाभ कर लगेगा. बजट के दिन सूचीबद्ध शेयरों पर पूंजीगत लाभ कर बढ़ाने की घोषणा ने शेयर बाजारों को प्रभावित किया. इसके चलते कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला. हालांकि मानक सूचकांकों ने कारोबार समाप्त होते-होते काफी हद तक नुकसान की भरपाई कर ली. अचल संपत्ति के क्षेत्र में भी चिंता थी, क्योंकि पूंजीगत लाभ पर अब 12.5 फीसदी की दर से कर लगेगा और वह भी बिना इंडेक्सेशन लाभ के. पहले इंडेक्सेशन के साथ इस पर 20 फीसदी की दर से कर लगता था. बहरहाल, जैसा कि सरकार ने स्पष्ट किया है, इससे अचल संपत्ति के अधिकांश निवेशकों को लाभ होगा. अगर लाभ का इस्तेमाल 10 करोड़ रुपये तक की कीमत का घर खरीदने या बनाने में किया जाएगा तो कर छूट मिलेगी. अगर चुनिंदा बॉन्ड में 50 लाख रुपये तक का निवेश किया जाए तो भी छूट मिलेगी. प्रस्तावित बदलाव के दो परस्पर निर्भर लक्ष्य हैं. वित्त मंत्री ने कहा कि मूल विचार है कर ढांचे को सरल बनाना. यह भी उम्मीद है कि सरल कर ढांचा कर संग्रह में सुधार में मददगार साबित होगा. बाजार को बिना कठिनाई के उच्च कर दर से समायोजित हो जाना चाहिए.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

ओर/ और

जरा उस मैदान की ओर देखिए, जहां गधे और घोड़े एक साथ घास चर रहे हैं. उस सरिता की ओर देखिए, जहां बाघ और बकरी एक साथ पानी पीते हैं. इन वाक्यों में कुछ अंतरों के बावजूद एक जैसे लगनेवाले दो शब्द सामने हैं- ओर तथा और. दोनों शब्दों की प्रकृति से पूरी तरह परिचित नहीं होने के कारण कुछ लोग और की जगह ओर शब्द का प्रयोग करते हैं, लेकिन यह जानना आवश्यक है कि दोनों शब्दों के बीच काफी अंतर है. ओर संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है, जिसका मतलब है किनारा, किसी नियत स्थान के अतिरिक्त विस्तार जिसे दाहिना बांयां, ऊपर, नीचे, पूर्व, पश्चिम आदि शब्दों से निचिश्चत करते हैं. तरफ, दिशा. पक्ष. जैसे यह उनकी ओर का आदमी है. हम आपकी ओर से बहुत कुछ कहेंगे. मजेदार बात यह है कि ओर संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है, लेकिन अगर ओर कपहले कोई संख्यावाचक शब्द आता है, तब इसका व्यवहार पुल्लिंग की तरह होता है. जैसे घर के चारों ओर, उसके दोनों ओर. वैसे ओर संज्ञा पुल्लिंग रूप में भी व्यवहार में आता है, जिसका मतलब है अंत, सिरा, छोर, किनारा, आदि, आरंभ. कहते हैं न कि उसकी बातों का न कोई ओर है न छोर. ओर आना एक मुहावरा है, जिसका अर्थ है नाश का समय आना. उदाहरण के लिए हंसता ठाकुर, खांसता चोर, इन दोनों का आया ओर. ओर निभाना यानी अंत तक अपना कर्तव्य पूरा करना. और शब्द हिंदी का अवयय शब्द है, जो मुख्यतः संयोजक है. यानी और शब्द दो शब्दों या वाक्यों को जोड़नेवाला शब्द है. जैसे घोड़े और गदहे चर रहे हैं. हमने उनको पुस्तक दे दी और घर का रास्ता दिखला दिया. विशेषण के रूप में और का मतलब है दूसरा, अन्य, भिन्न. यह पुस्तक किसी और को न देना. और से बने मुहावरों का प्रयोग बहुत ही रोचक होता है. जैसे और और यानी अन्यान्य, विभिन्न प्रकार के. और क्या? सवाल है तुम वहां जाओगे? जवाब है-और क्या?

आइए, करके देखते हैं सेल्फी सियासत

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

सेल्फी की सियासत हर जगह अपनी धाक जमाए है. मनुष्य एक आत्म केन्द्रित प्राणी है. उसके कान को सबसे ज्यादह प्यारा उसका अपना नाम है, उसके हाथ को सबसे ज्यादह प्यारा उसका काम है, इसी तरह उसकी आँख को सबसे ज्यादह प्यारा उसका अपना चित्र है. यह मैं नहीं बड़े-बड़े मनोवैज्ञानिक और दार्शनिक कहते हैं. भारतीय दर्शन तो आत्मानुभूति को ही सर्वाधिक मूल्यवान उपलब्धि मानता है. मनोवैज्ञानिकों का भी स्पष्ट मत है कि मनुष्य अपने में ही रमा रहता है. 'मैं' और 'मेरा' उसे सर्वाधिक आकर्षित करते हैं. 'सेल्फी', भले ही एक नया शब्द हो लेकिन इसका व्यापार सनातन है. युगों-युगों से फैला हुआ है. इतिहास में कोई ऐसा काल नहीं है जब सेल्फी ने अपना जलवा न दिखाया हो. वस्तुतः सेल्फी आपका अपना एक चित्र मात्र है जिसे आप अपने मोबाइल में लगे उन्नत कमरे की तकनीक से खुद ही खींच सकते हैं. जिस तरह प्रजातंत्र लोगों का, लोगों के लिए, लोगों द्वारा स्थापित तंत्र है. ठीक इसी प्रकार 'सेल्फी' की परिभाषा भी हो सकती है. सेल्फी के सम्बन्ध में भी कहा जा सकता है कि यह 'मेरा, मेरे द्वारा, मेरे लिए खींचा गया चित्र है'। पहले शायद यह संभव नहीं था. धूम मचा दी है सेल्फी ने इन दिनों. जिसे देखो सेल्फी के लिए उतावला है. हाथ में मोबाइल लिए घूम रहा है. जगह की तलाश है. कहाँ से सेल्फी लेना ठीक रहेगा ? कोई बिलकुल अलग सी जगह होना चाहिए. पेड़ की ऊंची से ऊंची शाख पर से, नदी की तेज़ धार में खड़े होकर, रेल के पहियों के साथ दौड़ते हुए... ऐसी ही कोई खतरनाक जगह हो जहां हिम्मत की दाद मिल सके. लोग हश-हश कर सकें कि वाह ! देखो तो कहाँ से सेल्फी खींच ली है ! अपनी इस कारगुजारी में जान भी चली जाए तो क्या फर्क पड़ता है. सेल्फी को देखकर लोग याद तो करेंगे. लोगों को अपना मित्र या मित्र-वत बताने के लिए राजनीति भला क्या-क्या हथकंडे नहीं अपनाती ! अभी ईद-मिलन और होली-मिलन जैसे 'मिलन' होते हैं तो कभी भोज (राजाभोज नहीं) की राजनीति अपनाई जाती है. कभी कैदियों का आदान-प्रदान होता है, तो कभी 'गोल-मेज़' पर वार्ता का चक्राकार दौर चलता है. बहरहाल, अब राजनीतिज्ञों को राजनीति करने का एक औ साधन मिल गया है – सेल्फी. सेल्फी का राजनीति में उपयोग सबसे पहले हमारे मोबाइल-सेवी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया जो सारे भारत समेत सारे विश्व को डिजिटल बनाने का सपना अपने दिल में संजोए हैं. उन्होंने राजनीति की खातिर सेल्फी का प्रयोग, वे जिन जिन देशों में गए, वहां किया. अबू धाबी में मोदी ने मस्जिद दौरे के दौरान अरब के मंत्री के साथ सेल्फी ली. चीन यात्रा के दौरान हमारे प्रधान-मंत्री ने चीन के प्रधान-मंत्री, ली के कियांग, के साथ सेल्फी ली; आस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान पीएम टोनी एबट के साथ भी उन्होंने सेल्फी पोस्ट की थी. आजकल प्रधान मंत्री जी ईरान में हैं. वहां के प्रेसिडेंट आस लगाए बैदे हैं की कब मोदी जी उनके साथ सेल्फी लें और उन्हें धन्य कर दें. सेल्फी सियासत को सलाम!

रमता जोगी : इंग्लैंड

ये महल सुनाते दास्तां क्वीन विक्टोरिया की

इंगलैंड दुनिया के उन कुछ देशों में से है जहां आज भी राजा-रानी का राज है. उनके कई राजमहल पर्यटकों के लिए पूरे या आंशिक रूप से उपलब्ध हैं. इन सब के लिए प्रवेश शुल्क है जिसे पहले से ही लेना होता है. बकिंघम पैलेस इनमें से सबसे प्रसिद्ध है. इसमें रहने वाली प्रथम राजसी व्यक्ति क्वीन विक्टोरिया थीं जो 1837 में अपने राज्याभिषेक के उपरांत यहां रहने लगीं. 1861 में अपने वैधव्य के बाद वे इसे छोड़ कर विंडसर पैलेस में चली गईं जो लंदन के मुख्य शहर से थोड़ी दूरी पर है. 1901 में नए राजा एडवर्ड सप्तम ने फिर इसे अपना निवास बनाया. आज भी राजपरिवार यहां रहता है.

नूपुर अशोक

▪ प्रिंसेस डायना का यह निवास स्थल

इसके सामने होने वाले चेज़ ऑफ गाड्‌र्स को देखने हर दिन भारी भीड़ जमा होती है. केंसिंग्टन पैलेस शहर के बीचोबीच है. अब यहां कोई नहीं रहता लेकिन कुछ समय पहले तक यह प्रिंसेस डायना का निवास स्थल था. क्वीन विक्टोरिया का जन्म भी इसी महल में हुआ था. उनके बचपन के खिलौने, उनकी गुड़ियों का कमरा, पढ़ाई-लिखाई का कमरा यहां देखे जा सकते हैं. इसके अलावा उनके पहले और बाद के राज परिवार के कपड़े, उनके चित्र इत्यादि भी यहां प्रदर्शित हैं. महल के प्रवेश द्वार पर उपलब्ध ऑडियो गाइड हर कमरे की कहानी और उससे संबन्धित बातें बताता चलता है.

▪ स्मृति को समर्पित

महल के बाहर के उद्यान भी देखने योग्य हैं. इनमें से एक डायना की स्मृति को समर्पित है. विंडसर कासल आज के राजा चार्ल्स तृतीय का निवास स्थान है. उनका राज्याभिषेक इसी महल के प्रांगण में हुआ था. इस महल का एक हिस्सा पर्यटकों के लिए खुला हुआ है जहां राजपरिवार द्वारा एकत्रित कलाकृतियां और अस्त्र-शस्त्र प्रदर्शित हैं.

यहां हमारा कोहिनूर

टावर ऑफ लंदन टेम्स नदी के उत्तरी किनारे पर स्थित एक बहुत पुराना किला है. इसकी नींव 1066 में रखी गई थी. प्रारम्भ में यह एक राजमहल था लेकिन सन 1100 से 1952 तक इसे कारागार के रूप में व्यवहार किया गया. यहां का मुख्य आकर्षण राजसी जवाहरात हैं जिन्हें देखने पर्यटकों की लंबी कतार लगी रहती है. अंदर फोटो लेना मना है. हमारी उत्सुकता अन्य जवाहरातों से अधिक कोहिनूर को देखने की थी. जिस कक्ष में इसे रखा गया है उसकी दीवारों पर इससे संबन्धित जानकारी भी प्रदर्शित थी. उस जानकारी के अनुसार यह एक ऐसा नगीना है जो हमेशा हस्तांतरित होता रहा. कभी यह मुगलों के पास था, कभी नादिर शाह के पास, कभी पंजाब के महाराजा के पास. ग्यारह वर्षीय महाराजा दलीप सिंह ने इसे महारानी विक्टोरिया को भेंट कर दिया था. अब यह वर्तमान राजा चार्ल्स की संपत्ति है. इस पर भारत अपना दावा तो करता ही रहा है, समय-समय पर पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान भी अपना दावा करते रहे हैं. लेकिन ब्रिटेन का कहना है कि यह स्वेच्छा से दी गई भेंट है इस कारण इसे लौटाने का कोई प्रश्न नहीं उठता.

▪ ब्लेंहैम पैलेस और हैंपटन कोर्ट

इन सबके अलावा ब्लेंहैम पैलेस और हैंपटन कोर्ट भी दो दर्शनीय महल हैं. ब्लेंहैम पैलेस विंस्टन चर्चिल के परिवार को 18वीं सदी के प्रारम्भ में भेंटस्वरूप दिया गया था. सैकड़ों एकड़ की जागीर के बीच स्थित इस शानदार महल में उस पूरे खानदान के चित्र और उनसे संबन्धित वस्तुएं प्रदर्शित हैं. सोलहवीं सदी में बने हैंपटन कोर्ट में रहने वाले अंतिम राजा जॉर्ज द्वितीय थे. उनके बाद कोई राजा यहां नहीं रहा लेकिन कई फिल्मों की शूटिंग यहां हो चुकी है. आज भी हर दिन सैकड़ों लोग इसे देखने आते हैं और यहां उपलब्ध ऑडियो गाइड पर इसकी कहानी सुनते हुए पूरे किले और इसके उद्यानों का भ्रमण करते हैं. इतिहास की ये कहानियां हमें बताती हैं कि हमारे वर्तमान की जड़ें कहां से कहां तक पसरी हुई हैं.

होम डेकोर

बोनचाइना प्लेट या वाल आर्ट

पुरानी क्रॉकरी जैसे बोन चाइना प्लेट्स उपयोग के बाद गर ऊब पैदा कर रही हो या फिर टूटन-फूटने के बाद अब बची कुछ प्लेट्स मिस मैच हो रही हों तो उस पर अपनी रचनात्मकता का रंग चढ़ाएं. अपनी पुरानी प्लेटों को अलग-अलग कैंडी रंगों में पेंट करें और अपनी दीवारों का साज सज्जा का एक ऐसा अंदाज दें जिसे कोई किसी दुकान से ला कर नहीं मुकाबला कर सके.

पैचवर्क ब्लैंकेट

दादी-नानी के जमाने की सुजनी-लेदरा कला एक बार फिर पैचवर्क के नाम से चलन में है और इस बार पर्यावरण हित का झंडा उठाए है. पुराने कपड़ों जैसे बच्चों की स्कूल यूनिफॉर्म, फ्रॉक, आपके खुद के कपड़े आदि के छोटे-छोटे टुकड़ों को इच्छानुसार आकार में काट कर किसी पुरानी बेडशीट पर पैच करके पैचर्व ब्लैंककेट तैयार किया जा सकता है जो रंग-बिरंगा तो होगा ही, कई स्मृतियों को सजोने वाला भी.

मोटिवेशन

संबंधों का यह जोड़-घटाव

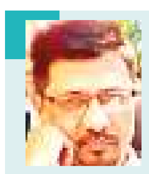

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

कभी-कभी अपनों से हमारी दूरी बढ़ जाती है. हम मन ही मन उस व्यक्ति को कोसते हैं, अंदर की भड़ास निकालने के लिए फेसबुक-व्हाट्सएप का सहारा लेते हैं, दो-चार लोगों से अपना दर्द शेयर भी करते हैं. लेकिन इससे दूरियां कम नहीं होतीं. क्या हर बार सामने वाले की गलती होती है? इस बारे में सोचने की जरूरत है, आत्म विश्लेषण करने की जरूरत है. दूरी बढ़ने के पीछे किसी ने किसी पक्ष की गलती तो होती है. कहीं ये गलतियां हम तो नहीं कर रहे, आइए इस पर गौर करें -

1. **नेटवर्क मार्केटिंग :** कुछ लोग नेटवर्क बिजनेस ज्वाइन करते हैं. फिर वे सभी जान-पहचान वालों के पीछे पड़ जाते हैं. वे अपने करीबी लोगों को अपने नेटवर्किंग बिजनेस का हिस्सा बनाने के लिए दिन-रात फोन घुमाते हैं और अनावश्यक दवाब डालते हैं. स्वाभाविक है, लोग उनको अवॉइड करने लगते हैं. कहीं हम तो ऐसा नहीं कर रहे?

2. **इंश्योरेंस तथा फिनांशियल इन्वेस्टमेंट :** जो लोग इंश्योरेंस सेक्टर में होते हैं, वे भी अपनी सीमा क्रॉस करने लगते हैं, खासकर जब उन्हें टारगेट पूरा करना रहता है. हर किसी को पॉलिसी समझाने लगते हैं, और उन्हें पॉलिसी पकड़ाने पर तुल जाते हैं. कुछ ऐसा ही फिनांशियल इन्वेस्टर करते हैं. वे जबरदस्ती सलाह देने पर उतर आते हैं कि सामने वाले को पैसा कहां-कैसे इन्वेस्ट करना चाहिए, जबकि सामने वाला उसमें बिल्कुल इंटरेस्टेड नहीं होता. उनका यह अप्रोच संबंधों में खटास ले आता है.

3. **प्रोडक्ट बेचना :** कई लोग डायरेक्ट मार्केटिंग को ज्वाइन करते हैं जहां प्रोडक्ट बेचने पर कमीशन मिलता है. ये हर जगह कंपनी का विज्ञापन करते नजर आते हैं. दोस्त, यार, रिश्तेदार को कंपनी का प्रोडक्ट्स खरीदने के लिए फोर्स करते हैं. जब मार्केट में इतने ऑप्शन हैं, तो लोग इनसे प्रोडक्ट क्यों लें ? एक बार आप अपने प्रोडक्ट की जानकारी दे दीजिए और फिर भूल जाइए. जिसको लेना होगा, वह लेगा. अनावश्यक दबाव मत डालिए.

4. **प्रोफेशनल सलाह :** मान लीजिए हमारा कोई करीबी डॉक्टर है. पार्टी, प्रोग्राम, गेट टूगेदर में उससे मिलने पर हम उसे अपनी समस्या बताने लगते हैं और उम्मीद करते हैं कि वह हमें सलाह दे, दवाइयां बताए. हम यह भूल जाते हैं कि वह भी पार्टी में गेस्ट बन कर आया है, इंजॉय करने आया है. पार्टी, पिकनिक सोशल गैदरिंग में प्रोफेशनल हेल्प न लें. यह शिष्टाचार के खिलाफ है और यह दूरी बढ़ाता है.

5. **कड़वी जुबान :** कुछ लोग दिल के बुरे नहीं होते लेकिन जुबान कड़वी रखते हैं. बहुत बार दिल को चुभने वाली बात कह डालते हैं. ऐसे लोगों से हर कोई एक दूरी बनाकर रखता है. फैमिली या ऑफिस गेट टूगेदर में एक दो नमूने ऐसे होते हैं जो जुबान से मीठे लेकिन अंदर से जहरीले होते हैं. वे वातावरण में जहर घोलने का काम करते हैं. जब इनकी पोल खुलती हैं तो कोई इन्हें अपने से सटने नहीं देता.

6. **कुछ तुम कहो, कुछ हम कहें :** कोई भी संबंध 'गिव एंड टेक' पर टिका होता है. कुछ लोग एक्सेस बोलते हैं, बोलते ही जाते हैं, किसी की कुछ सुनते ही नहीं. ऐसे लोग 'चाट' या 'पकाउ' की श्रेणी में आते हैं. लोग उन्हें देखकर छुपने लगते हैं. प्लीज, दूसरों को भी बोलने का मौका दें, उन्हें सुनें.

7. **उधार :** अगर संबंध बनाए रखना है तो न किसी को उधार दें, न किसी से उधार लें. उधार अच्छे से अच्छे संबंध में दरार ले आता है. भले बुरा लगे लेकिन विनम्रता से उधार मांगने वाले को मना कर दें. और खुद गांठ बांध लें कि आप किसी से किसी हाल में उधार नहीं मांगेंगे.

8. **अनावश्यक सलाह :** खुद हर्बल टी पीते हैं, तो पूरी दुनिया को हर्बल टी पिलाने पर उतारू हो जाते हैं. खुद कुछ टॉनिक लेते हैं, तो हर शख्स को टॉनिक खिलाने लगते हैं. कुछ बड़े हर बच्चे को पढ़ाई, करियर की अनावश्यक खुराक पिलाने पर आमादा हो जाते हैं. अब ऐसे लोगों से कौन सटना चाहेगा भला !

9. **शो ऑफ :** शो ऑफ की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है खासकर मिडिल क्लास में. मिडिल क्लास के लिए आईफोन, लग्जरी गाड़ी, स्पोर्ट्स बाइक, फ्लैट बड़ी उपलब्धियां हैं. वे हर किसी को पकड़ कर अपनी 'लेटेस्ट बाई' दिखाने लगते हैं, उसका मूल्य बताते हैं, और अपनी सक्सेस स्टोरी सुनाने लगते हैं तो लोग भागने का रास्ता ढूढ़ने लगते हैं. भाई मेरे, आप प्रोडक्ट खरीदें, शानदार जिंदगी जिएं लेकिन दिखावे से बचें.

10. **बेचारगी :** कुछ लोग हर किसी को पकड़ कर अपनी समस्या बताने लगते हैं, अपनी बेचारी प्रदर्शित करते हैं. हर व्यक्ति अपनी समस्या से जूझ रहा है. उसपर अपनी समस्या का बोझ क्यों थोपना. बेहतर होगा, हम अपनी समस्या अपने तक रखें.

मूल मंत्र

फ्रेड एलेन ने एक मजेदार बात कही है - मुझे लांग वाक पसंद है, खासकर जब उबाऊ लोग लंबे वाक पर जाते हैं. हमें किसी हाल में उबाऊ लोगों की श्रेणी में नहीं आना चाहिए, वरना लोगों से हमारी दूरी बढ़ती जाएगी और जिंदगी के वाक में हम अकेले पड़ जाएंगे.

उफ! कपड़ों की ये स्मेल

बारिश के मौसम में कपड़ों से आने वाली गुमसाइन सी गंध कई बार परेशान कर देती है. ऐसा धूप की किल्लत और हवा में नमी के कारण होता है. इससे बचने के लिए कुछ टिप्स...

- कपड़े धोने की टोकरी या वॉशिंग मशीन में ढेर लगाकर नहीं रखें. तभी वाशिंग मशीन में रखें जब धोना हो.
- कपड़े धोने के बाद नींबू का रस मिले पानी में कपड़े डालें और फिर सादे पानी से धो लें. इसके लिए नींबू की जगह सिरका का उपयोग भी कर सकते हैं.
- एक बाल्टी पानी में 1 चम्मच मीठा सोडा डालें और कपड़ों को थोड़ी देर के लिए उसमें भिगो दें. इसके बाद उन्हें सादा पानी से धो लें.
- अपने वार्डरोब में चॉक या सिलिकॉन पाउच रखें. तेजपत्ता, दालचीनी, लौंग आदि को सूती कपड़े की पोटली बना कर रखना भी लाभप्रद होगा.
- बाहर धूप न हो तो कपड़े मशीन में सुखाने की अपेक्षा अच्छी वेंटिलेशन वाली जगह पर सुखाएं. कमरे में पंखा चला कर सूखाना भी बेहतर विकल्प है.
- कपड़ों को सूखी जगह पर रखें.

पुरुषों के ग्रूमिंग टिप्स

हैंडसम, प्रजेंटेबल लुक

आज प्रजेंटेबल रहना प्रोफेशनल, सोशल और पर्सनलहर जगह की जरुरत है. खास बात यह कि प्रजेंटेबल या ग्रूमिंग टिप्स अब केवल महिलाओं की बात नहीं, बल्कि पुरुषों के लिए भी उतनी ही अहमियत रखती है. आइए, आज जानें पुरुषों के कुछ ग्रूमिंग और स्किन केयर टिप्स के बारे में.

▪ पहले शेविंग करें फिर नहाएं

ज्यादातर पुरुष प्रतिदिन शेविंग करते हैं. लेकिन इनमें प्रायः सभी पहले शेविंग करते हैं और फिर नहाते हैं. यह सही नहीं है. इससे स्किन कटने, रैशेस होने और एक्ने होने के चांसेस होते हैं. शेविंग नहाने के बाद करें. इससे बाल सॉफ्ट हो जाते हैं और गीली त्वचा पर शेविंग अच्छे से होती है क्योंकि हेयर फॉलिकल्स सॉफ्ट हो जाते हैं.

▪ कंडीशनर का इस्तेमाल यहां

अंडर आर्म्स और प्राइवेट पार्ट की शेविंग के लिए अच्छे कंडीशनर का इस्तेमाल शेविंग क्रीम की तरह किया जा सकते है. ये बेहतर परिणाम देते हैं.

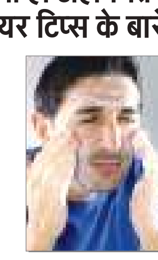

▪ स्क्रब है जरूरी

पुरुषों को भी अपने किट में एक अच्छा स्क्रबर जरूर रखना चाहिए. उनकी रफ टफ स्कीन के लिए स्पेशल स्क्रबर मार्केट में उपलब्ध हैं. इनका हफ्ते में एक या दो बार इस्तेमाल जरूर करें. इससे न केवल एक्सफोलिएशन होगा, बल्कि ब्लैकहेड्स रिमूव होंगे, मृत त्वचा हटेगी. स्क्रबिंग के लिए रात का समय ठीक रहेगा.

▪ पफी फेस करें नॉर्मल

मेकअप से पहले स्किन पर आइस लगाना या फिर आइस वॉटर में मुंह डाल कर थोड़ी देर रखना...ये टिप्स आपने भी महिलाओं को आजमाते देखा होगा. हैंगओवर, पफी फेस के लिए यह टिप्स आप भी आजमाएं. इसके लिए एक बाउल में आइस और उसमें थोड़ा पानी डालकर फेस डिप करें. लुक का फ्रेसनेश साफ नजर आएगा.

▪ कॉफी फिल्टर्स काम के

स्किन ऑयली वालों के लिए यह टिप्स बेहद कारगर है. इसके लिए कॉफी फिल्टर शीट्स को कॉफी में डिप करें ऑयली स्किन एरिया पर अप्लाई करें. इससे आपकी स्किन का एक्स्ट्रा ऑयल एब्जॉर्ब हो जाएगा और आपकी त्वचा साफ और मैट दिखने लगेगी.

मानसून पेट केअर गाइड

बारिश में हो सकता है शेरू को फंगल इंफेक्शन

बरसात का मौसम आपके दुलारे डॉगी के लिए थोड़ा संवेदनशील है. इस मौसम में उनके शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र की किसी एलर्जन के प्रति हाइपरसेंसिटीविटी या ओवर रिएक्टिविटी की स्थिति रहती है. खासकर डॉग्स की कुछ नस्लों में एलर्जी की आशंका अधिक होती है. आइए जाने कि बरसात के मौसम में अपने पालतू डॉग्स की कैसे करें देखभाल-

▪ एलर्जी से बचाएं

इस मौसम में डॉग्स के कुछ नस्ल में एलर्जी की आशंका होती है. डॉग्स में एलर्जी के मुय लक्षण नाक बहना, सांस फूलना, गले में घरघराहट, आंखें लाल होना, खुजली होना और बाल झड़ना इत्यादि हो सकते हैं. एलर्जी के लक्षण दिखाई देते ही सबसे पहले वेटरनरी डॉक्टर से मिलें. डॉग के लक्षण और जांच के आधार पर यह पता चलता है कि किस प्रकार की एलर्जी है और क्यों हुई है. उपचार के लिए डॉग को जरूरत के अनुसार एंटी एलर्जी दवाइयां और स्टेरॉइड्स दी जाती हैं.

▪ प्रतिदिन नहलाएं

इस मौसम में अपने डॉगी को नियम से नहलाएं ताकि उनके शरीर की गंदगी साफ हो जाए. नियमित रूप से उनके पंजों की साफ करें. फंगल इन्फेक्शन को रोकने और ठंड से बचाने के लिए नहाने के बाद उन्हें शरीर के हर एक हिस्से को अच्छी तरह सुखाएं. फर पर नियमित रूप से ब्रश करें.

▪ भींगने से बचाएं

बरसात में अव्वल तो अपने डॉगी को भीगने से बचाएं, गर भीग गया है तो उसे तुरंत सुखाएं. आप उसे तौलिए से अच्छे से पोछकर सुखा सखते हैं.

▪ घर में ही रखें

बरसात के मौसम में अपने जानवरों को अपने घर में ही साफ-सूखी जगह पर रखें. घर के अंदर गर्माहट बनी रहती है. बाहर ठंड से बीमार पड़ सकता है. कीड़े-कीट काटने की आशंका भी रहती है.

▪ पैरासाइट प्रोटेक्शन

मानसून का सीजन पिस्सू, कीटों और मच्छरों के लिए प्रजनन का मौसम भी है, जो आपके डॉग के लिए परेशानी भरा हो सकता है. इन परजीवियों से बचाव के लिए अपने पशु चिकित्सक से परामर्श लें. संक्रमण को कम करने के लिए नियमित रूप से बिस्तर, इनडोर जगहों की साफ-सफाई करें.

▪ डाइट और लिक्विड्स

मानसून के दौरान, पालतू जानवर ज्यादा एक्टिव नहीं रहते, जिससे उनका वजन बढ़ सकता है, तो मोटापे से बचाने के लिए उनकी डाइट में भी मौसम के अनुसार बदलाव करें. साथ ही वो कितना पानी पी रहे हैं, इस पर भी नजर रखें. क्योंकि कई बार प्यास लगने पर वो जगह-जगह भरा हुआ पानी पी लेते हैं, जिससे बैक्टीरिया के शरीर में प्रवेश करने की बहुत ज्यादा आशंका रहती है. इससे बचाव के लिए उन्हें हमेशा ताज़ा, फिल्टर किया हुआ पानी पीने के लिए दें.

▪ फिजिकल एक्सरसाइज

चूंकि इस मौसम में डॉग की आउटडोर एक्टिविटीज कम हो जाती हैं, इसलिए अपने पालतू को फिट रखने के लिए घर में ही उन्हें खेलने का मौका दे. इंटरेक्टिव टॉयज और पजल गेम से वो एक्टिव और हेल्दी रहते हैं.

▪ नमी से दूर रखें

डॉगी में इंफेक्शन होने का खतरा भी रहता है. इसीलिए उन्हें नमी वाली जगहों से दूर रखें.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

पेरिस ओलंपिक : फुटबॉल के ग्रुप मैच के साथ 2024 के 'खेलों का महाकुंभ' शुरू, स्पेन ने उज्बेकिस्तान को 2-1 से हराया, इजराइल व माली का मैच ड्रॉ रहा

स्पेन की जीत से शुरुआत, अर्जेंटीना पहला मैच हारा, फ्रांस ने अमेरिका को हराया

- मोरक्को से 2-1 से हार गयी अर्जेंटीना की टीम
- फ्रांस ने अमेरिका को 3-1 के अंतर से पराजित किया

एजेंसी। पेरिस

यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने उज्बेकिस्तान को 2-1 से हराकर ओलंपिक खेलों की फुटबॉल प्रतियोगिता में अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की, लेकिन लियोनेल मेस्सी के बिना खेल रहे विश्व चैंपियन अर्जेंटीना को पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा. उज्बेकिस्तान ने स्पेन को कड़ी चुनौती दी और इसलिए दर्शकों का उन्हें भरपूर समर्थन भी मिला. पेरिस ओलंपिक खेलों का पहला गोल स्पेन के राइट बैक मार्क पबिल ने 29वें मिनट में किया. एल्डोर शोमुरोदोव ने पहले हाफ के आखिर में पेनल्टी के जरिये अपना 41वां अंतरराष्ट्रीय गोल करके बराबरी की, जिसका उज्बेकिस्तान के प्रशंसकों ने जमकर जश्न मनाया. स्पेन की तरफ से सर्जियो गोमेज ने 62वें मिनट में निर्णायक गोल किया. इन खेलों में मेस्सी के बिना खेल रहे कोपा अमेरिका चैंपियन अर्जेंटीना को अपने पहले मैच में मोरक्को से 2-1 से हार झेलनी पड़ी. मोरक्को की तरफ से दोनों गोल स्ट्राइकर सौफियाने रहीमी ने किए.

स्पेन और उज्बेकिस्तान के मैच के दौरान खिलाड़ी.

अर्जेंटीना-मोरक्को के मैच में दर्शकों ने डाली खलल.

मोरक्को के प्रशंसक मैदान पर उतर आए खेल दो घंटे रुका रहा

मोरक्को की जीत जब सुनिश्चित लग रही थी, तब अर्जेंटीना की तरफ से दूसरे हाथ के इंजरी टाइम मे क्रिस्टियन मदीना ने बराबरी का गोल कर दिया. मोरक्को के प्रशंसक मैदान पर उतर आए, जिससे खेल खत्म होने से कुछ समय पहले मैच स्थगित कर दिया गया. इसके बाद 2 घंटे तक खेल रुका रहा और जब खेल शुरू हुआ तो उससे कुछ देर पहले वीडियो प्रणाली से अर्जेंटीना का गोल ऑफ साइड होने के कारण अमान्य करार दे दिया गया. अन्य मैचों में इजरायल ने कड़ी सुरक्षा के बीच खेले गए मैच में माली को 1-1 से बराबरी पर रोका जबकि मेजबान फ्रांस ने अमेरिका को 3-1 से हराया.

ब्रीफ खबरें

एंडी मरे ओलंपिक टेनिस एकल से हटे

पेरिस। दो बार के ओलंपिक टेनिस स्वर्ण पदक विजेता एंडी मरे ने गुरुवार को पेरिस खेलों की एकल स्पर्धा से हटने का फैसला किया और वह डैन इवांस के साथ केवल युगल स्पर्धा में हिस्सा लेंगे. ब्रिटेन के 37 साल के मरे ने कहा कि ये ओलंपिक उनके करियर का अंतिम टूर्नामेंट होंगे. उन्होंने इस महीने विंबलडन की एकल स्पर्धा से भी हटने का फैसला किया था.

तुषारा चोट के कारण टी20 श्रृंखला से बाहर

पालेकल। श्रीलंका के तेज गेंदबाज नुवान तुषारा अभ्यास के दौरान हाथ में चोट लगने के कारण भारत के खिलाफ तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर हो गए हैं. इस 29 वर्षीय खिलाड़ी के बुधवार को अभ्यास सत्र के दौरान बाएं हाथ के अंगूठे में चोट लग गई थी. श्रीलंका ने तुषारा की जगह एक अन्य तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका को टीम में शामिल किया है. तुषारा की चोट श्रीलंका के लिए बड़ा झटका है.

पंत और सैमसन में से एक का चयन है चुनौती

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम के नवनियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए श्रीलंका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए ऋषभ पंत और संजू सैमसन में से किसी एक का चयन करना चुनौतीपूर्ण होगा. छोटे प्रारूप से संन्यास लेने वाले रोहित शर्मा और विराट कोहली को छोड़कर टी20 विश्व कप विजेता टीम के अधिकतर खिलाड़ी श्रीलंका दौरे पर आए हैं और ऐसे में पंत व सैमसन में से एक का चयन करना आसान नहीं होगा.

अपने गोलों की क्लिप देखता हूं : सुखजीत

नयी दिल्ली। दो साल पहले भारतीय हॉकी टीम में पदार्पण करने वाले फॉरवर्ड सुखजीत सिंह पेरिस में ओलंपिक में पदार्पण को लेकर कतई नर्वस नहीं हैं और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय गोलों की क्लिप देखते रहते हैं. सुखजीत भारतीय टीम में शामिल उन पांच खिलाड़ियों (अभिषेक, राजकुमार पाल, जरमनप्रीत सिंह, संजय) में से हैं, जिनके लिये पेरिस उनका पहला ओलंपिक होगा.

पेरिस ओलंपिक में भारत का लक्ष्य : टोक्यो ओलंपिक में इंडिया ने सात पदक जीते थे

पदकों की संख्या दो अंकों में करनी है

भाषा। पेरिस

मंच सज चुका है और दुनिया भर के खिलाड़ियों की तरह भारत के 117 खिलाड़ी भी शुक्रवार से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं, जहां उनका लक्ष्य पदकों की संख्या को दोहरे अंक में पहुंचाना होगा. भारत ने टोक्यो ओलंपिक में सात पदक जीते थे, जो उसका ओलंपिक खेलों में अभी तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है और भारतीय खिलाड़ी इसमें सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. भले ही उन पर इसके लिए अपेक्षाओं का बोझ भी है लेकिन कुश्ती को छोड़कर किसी भी अन्य खेल के खिलाड़ी अपनी तैयारी को लेकर किसी तरह की शिकायत नहीं कर सकते हैं. खिलाड़ियों को चाहे विदेश में अभ्यास करवाना हो या उन्हें सर्वश्रेष्ठ सुविधा उपलब्ध करानी हो, किसी भी तरह से कोई कसर नहीं छोड़ी गई है और अब परिणाम देना खिलाड़ियों का काम है. लेकिन इस हकीकत से भी मुंह नहीं मोड़ा जा सकता है कि टोक्यो ओलंपिक के सात पदकों की संख्या की बराबरी करना भी आसान नहीं होगा, क्योंकि भाला फेंक में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा को छोड़कर कोई भी अन्य खिलाड़ी पदक का प्रबल दावेदार नहीं है. भारत के 117 सदस्यों के दल में तीन खेलों एथलेटिक्स (29), निशानेबाजी (21) और हॉकी (19) के आधे खिलाड़ी शामिल हैं. इन 69 खिलाड़ियों में से 40 खिलाड़ी पहली बार ओलंपिक में भाग ले रहे हैं. अन्य खेलों में भी कमोबेश यही स्थिति है और इस तरह से देखा जाए तो भारत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी पदार्पण करने वाले खिलाड़ियों पर होगी. भारतीय दल में हालांकि कुछ अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं जिन्हें अपना खेल का स्तर बढ़ाना होगा. इन खिलाड़ियों में बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु, टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना, टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल और हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश भी शामिल हैं जो निश्चित तौर पर अपना अंतिम ओलंपिक खेल रहे हैं. हॉकी टीम की ओलंपिक खेलों से

117 सदस्यीय भारतीय दल में 40 खिलाड़ी पहली बार ओलंपिक में भाग ले रहे हैं

टोक्यो ओलंपिक 2020 में पदक जीतने वाले भारतीय सितारे

निशानेबाजी में 21 खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे

निशानेबाजी में भारत के 21 खिलाड़ी अपनी चुनौती पेश करेंगे जिनमें मनु भाकर और सौरभ चौधरी भी शामिल हैं, जिन्हें पदक का दावेदार माना जा रहा है. इनके अलावा सिफत कौर समारा (50 मीटर थ्री पोजिशन), संदीप सिंह (10 मीटर एयर राइफल) और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (पुरुषों की 50 मीटर राइफल) ने भी निशानेबाजी में पदक का 12 साल का इंतजार खत्म करने का माद्दा दिखाया है. वर्तमान में भारतीय दल के प्रमुख गगन नारंग 2012 लंदन खेलों में 10 मीटर एयर राइफल कांस्य पदक जीतकर पोडियम पर पहुंचने वाले आखिरी भारतीय निशानेबाज थे.

अविनाश साबले से भी है पदक की आस

ट्रैक और फील्ड एथलीटों, विशेषकर अविनाश साबले ने हाल में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन अपने वैश्विक प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में उनका प्रदर्शन उन्हें पदक के दावेदारों में शामिल करने के लिए पर्याप्त नहीं लगता है. स्टीपलचेजर साबले लगातार अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर कर रहे हैं. उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8:09.94 है, लेकिन सात अंतरराष्ट्रीय धावक हैं जिन्होंने उनसे बेहतर समय निकाला है. ऐसे में उनका फाइनल में पहुंचना भी बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी. भारत की पदक की उम्मीदें नीरज तथा चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की फॉर्म में चल रही बैडमिंटन जोड़ी पर टिकी हैं. नीरज भले ही अभी तक 90 मीटर की दूरी तक भाला नहीं फेंक पाए हैं, लेकिन उन्होंने निरंतर अच्छा प्रदर्शन किया है. बड़ी प्रतियोगिताओं में वह अपने प्रतिद्वंद्वियों से बेहतर प्रदर्शन करते रहे हैं और उनके पास लगातार दो ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाला तीसरा भारतीय खिलाड़ी बनने का शानदार मौका है.

पहले फॉर्म बहुत अच्छी नहीं रही जबकि मुक्केबाजों और पहलवानों को प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा करने का कम मौका मिला. निशानेबाजों ने भी ओलंपिक से पहले मिश्रित परिणाम हासिल किये.

इससे पहले पहलवान सुशील कुमार (2008 और 2012) और सिंधु (2016 और 2021) ही यह उपलब्धि हासिल कर पाए हैं.

सात्विक और चिराग की जोड़ी जिस तरह से अच्छा प्रदर्शन कर रही है उसे देखते हुए वह निश्चित तौर पर पदक की प्रबल दावेदार है. सिंधु भी लगातार तीसरा पदक जीतने के लिए प्रतिबद्ध है. उनकी हाल की फॉर्म अच्छी नहीं रही और उन्हें मुश्किल ड्रॉ भी मिला है.

हॉकी में भारत में पिछले ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीत कर 41 वर्ष के लंबे इंतजार को खत्म किया था लेकिन हाल में टीम के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है. पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलना और लय बनाए रखना टीम की सबसे बड़ी चिंता है. यही नहीं भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ मुश्किल ग्रुप में रखा गया है. ऐसे में टीम को छोटी गलती भी भारी पड़ सकती है.

कुश्ती से लगातार पदक मिल रहे हैं

कुश्ती में भारत ने पिछले चार ओलंपिक खेलों में पदक जीता है लेकिन इस बार भारतीय कुश्ती महासंघ के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के कारण खिलाड़ियों की तैयारी अनुकूल नहीं रही हैं. इसके बावजूद अंशु मलिक, अंतिम पंघाल और अमन सहरावत को भारत का सबसे अच्छा दावेदार माना जा रहा

है. अंडर-23 विश्व चैंपियन रीतिका हुड्डा भी छुपी रुस्तम साबित हो सकती है. अन्य खेलों में तीरंदाजी और टेबल टेनिस के खिलाड़ियों ने अपनी रैंकिंग के आधार पर खेलों में जगह बनाई है. तीरंदाजी में भारत लगातार ओलंपिक खेलों में भाग ले रहा है लेकिन उसे अभी अपने पहले पदक का इंतजार है. पिछले ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारोत्तोलक मीराबाई चानू पिछले कुछ समय से चोट और खराब फॉर्म से जूझ रही हैं.

तीरंदाजी टीम : टीम स्पर्धा में सीधे क्वार्टरफाइनल में मिलेगी एंट्री

एजेंसी। पेरिस

भारत की महिला तीरंदाजी टीम ने पेरिस ओलंपिक के रैंकिंग राउंड में बढ़िया प्रदर्शन किया है. दीपिका कुमारी, अंकिता भगत और भजन कौर ने कुल मिलाकर भारत को 1,983 अंक दिलाए हैं. इसी के साथ भारतीय टीम चौथे स्थान पर रही और उसने क्वार्टरफाइनल में जगह पक्की कर ली है. व्यक्तिगत स्कोर की बात करें तो भारत के लिए सबसे बेहतर प्रदर्शन अंकिता भगत ने किया, जिन्होंने 72 शॉट लगाते हुए कुल 666 पॉइंट हासिल किए हैं और वे 11वें स्थान पर रहीं. दूसरी ओर दीपिका कुमारी और भजन कौर टॉप-20 से भी बाहर रहीं. भारतीय एथलीटों के व्यक्तिगत प्रदर्शन पर नजर डालें तो अंकिता 11वें, भजन कौर 22वें और दीपिका कुमारी 23वें स्थान पर रहीं. अंकिता ने दूसरे हाफ के आखिरी 2 सेट में शानदार वापसी की, जिनमें उन्होंने 120 में से 112 अंक हासिल किए. वहीं आखिरी क्षणों में विशेष रूप से 18 वर्षीय भजन कौर की ओर से काफी लचर प्रदर्शन देखने को मिला, जिन्होंने कुल 659 पॉइंट बटोरे. दीपिका उनसे एक अंक पीछे रहीं और उन्होंने रैंकिंग राउंड को 658 पॉइंट के साथ फिनिश

किया. भारत 1983 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहा

नियमों की बात करें तो टीम लिस्ट में टॉप-4 में रहने वाली टीमों को टीम स्पर्धा में सीधे क्वार्टरफाइनल में एंट्री मिलेगी. चूंकि भारत 1983 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहा, इसलिए उसने डायरेक्ट क्वार्टरफाइनल में एंट्री ले ली है. भारत का सामना अब क्वार्टरफाइनल में फ्रांस बनाम नीदरलैंड्स मैच के विजेता से होगा. वहीं टीम रैंकिंग में 5वें से 12वें स्थान पर रहने वाली टीमों को पहले राउंड ऑफ 16 से गुजरना होगा.

ओलंपिक टेटे : ड्रॉ की घोषणा मनिका का पहला मैच हर्से से

- शरत कमल स्लोवेनिया के कोजुल से भिड़ेंगे

भाषा। पेरिस

भारत की शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ी और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता मनिका बत्रा महिला एकल के शुरुआती दौर में ब्रिटेन की अन्ना हर्से से भिड़ेंगी, जबकि अनुभवी पुरुष खिलाड़ी अचंता शरत कमल स्लोवेनिया के डेनी कोजुल के सामने होंगे. धवार को ड्रॉ की घोषणा हुई. मनिका को 18वीं वरीयता मिली है और यह उनका लगातार तीसरा ओलंपिक है. वह 2021 टोक्यो ओलंपिक में एकल में राउंड 32 में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी थीं.

पुरुष एकल में हरमीत देसाई का सामना पहले दौर में जोर्डन के अबो यमन से होगा जबकि 25 साल की श्रीजा अकुला (16वीं वरीय) महिला वर्ग में स्वीडन की खिलाड़ी क्रिस्टिना कालबर्ग के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी. राष्ट्रमंडल खेलों के चैम्पियन शरत कमल भारत के टेबल टेनिस दल की अगुआई कर रहे हैं जिसमें 41 साल का यह खिलाड़ी ओलंपिक में पांचवीं दफा खेलने उतरेगा. जी साथियान मुख्य टीम में जगह नहीं बना सके जिससे उन्हें 'रिजर्व' खिलाड़ी के तौर पर चुना गया है. वह 2018 और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत की स्वर्ण पदक विजेता पुरुष टीम के सदस्य रह चुके हैं.

महिलाओं की टीम स्पर्धा के शुरूआती मुकाबले में 11वीं वरीयता प्राप्त भारत का सामना चौथी वरीय रोमानिया से होगा. जीतने वाली टीम सीधे क्वार्टरफाइनल में पहुंचेगी. हाल में मनिका अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 24वीं रैंकिंग पर पहुंची थीं. मनिका और श्रीजा के अलावा महिला टीम की तीसरी सदस्य अर्चना कामत हैं. अयहिका मुखर्जी रिजर्व खिलाड़ी हैं. भारतीय पुरुष टीम में शरत कमल, मानव ठक्कर और राष्ट्रीय चैम्पियन हरमीत शामिल है.

हिजाब पहनने पर महिला एथलीट को दी गयी सजा

- फ्रांस की धाविका सूनकाम्बा सिला को हिजाब के कारण उद्घाटन समारोह में एंट्री नहीं मिलेगी

एजेंसी। पेरिस

पेरिस ओलंपिक का औपचारिक उदघाटन शुक्रवार को होना है. उससे पहले ही इसमें विवाद खड़े होने लगे हैं. पहले अर्जेंटीना बनाम मोरक्को फुटबॉल मैच चर्चा का केंद्र बना और अब फ्रांस की एक महिला एथलीट को हिजाब पहनने के कारण भेदभाव का शिकार बनना पड़ा है. फ्रांस की धाविका सूनकाम्बा सिला ने बताया है कि उन्हें शुक्रवार को होने वाले उदघाटन समारोह में भाग लेने से रोका जा रहा है. वहीं फ्रेंच ओलंपिक समिति का कहना है कि वह इस मामले की जांच कर रही है. 26 वर्षीय सूनकाम्बा सिला 400 मीटर दौड़ में भाग लेने वाली फ्रांस की महिला और मिक्स्ड टीम की सदस्य हैं. उन्होंने उदघाटन समारोह में एंट्री ना मिलने के प्रति आपत्ति जतायी.

समाधान के लिए बातचीत जारी है

डेविड लैपार्टिएंट ने कहा कि सिला के साथ इस मामले का समाधान निकालने के लिए बातचीत जारी है. समाधान ऐसा निकाला जाएगा, जिससे फ्रांस के एथलीटों की धर्मनिरपेक्षता को कोई ठेस ना पहुंचे और सिला के व्यक्तिगत विचारों का भी सम्मान किया जा सके.

पेरिस ओलंपिक रियो ओलंपिक में रजत और टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीत चुकी हैं सिंधु

पदकों की हैट्रिक बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार पीवी सिंधु

भाषा। पेरिस

भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु लगातार तीसरे ओलंपिक खेलों में पदक जीतकर इतिहास रचने के लिए किसी भी तरह की कसर नहीं छोड़ रही हैं और उन्होंने अपना यह लक्ष्य हासिल करने के लिए पिछले कुछ महीनो में अलग-अलग तरीकों से कड़ा अभ्यास किया है.

सिंधु ने रियो ओलंपिक में रजत और टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था. अगर वह पेरिस ओलंपिक में पोडियम पर पहुंचने में सफल रहती है तो फिर वह पदकों की हैट्रिक पूरी करने वाली भारत की पहली खिलाड़ी बन जाएंगी. सिंधु पिछले कुछ समय से अच्छी फॉर्म में नहीं चल रही है लेकिन उन्होंने कहा कि पिछले आठ महीने प्रकाश पादुकोण के साथ बिताने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और वह लगातार तीसरा पदक जीतने के लिए तैयार है.

सिंधु ने पोर्टे डे ला चैपल एरिना में अभ्यास सत्र के बाद कहा, निश्चित रूप से पदक जीतना मेरा लक्ष्य है. यह पहला हो या दूसरा या फिर तीसरा यह मायने नहीं रखता. मैंने दो पदक जीते हैं और मैं तीसरे पदक के बारे में सोच कर खुद पर दबाव नहीं बनना चाहती हूं.

'उम्मीद है कि मैं जल्द ही हैट्रिक पूरी करूंगी'

उन्होंने कहा, जब भी मैं ओलंपिक में भाग लेती हूं तो वह मेरे लिए नया ओलंपिक होता है. इसलिए मैं जब भी ओलंपिक में खेलने के लिए उतरती हूं तो मेरा लक्ष्य पदक जीतना होता है. उम्मीद है कि मैं जल्द ही हैट्रिक पूरी करूंगी. पेरिस आने से पहले सिंधु ने जर्मनी के सारब्रुकेन में स्पोर्टकैंपस सार में अभ्यास किया जहां की समुद्र तल से ऊंचाई, मौसम और परिस्थितियां फ्रांस की राजधानी के समान हैं. परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के लिए वहां उन्होंने अपने कमरे में एक हाइपोक्सिक चैंबर (कम ऑक्सीजन) बनाया और कुछ दिनों तक वहीं सोईं. हाइपोक्सिक चैंबर खिलाड़ी के शरीर को अधिक ऊंचाई वाले स्थानों पर खेलने के लिए तैयार करने में मदद करते हैं. सिंधु ने कहा, मैं अभ्यास के लिए अधिक ऊंचाई वाले स्थान पर नहीं जा सकती थी. मेरे पास बहुत अधिक समय नहीं था और इसलिए मैंने सोचा कि कहीं और जाने से बेहतर होगा कि यहीं उस तरह की परिस्थितियां तैयार की जाएं. इस स्टार भारतीय खिलाड़ी ने कहा कि उन्होंने अपने स्ट्रोक्स में सुधार किया है और लंबी रैलियों में वह पहले से बेहतर प्रदर्शन कर रही है. सिंधु से पूछा गया कि पादुकोण के साथ अभ्यास करने से उन्हें क्या अंतर महसूस हुआ, उन्होंने कहा, स्ट्रोक में बहुत अधिक आत्मविश्वास होना. महिला एकल में अब बहुत लंबी रैलियां और लंबी अवधि के मैच होते हैं और मैंने खुद को उनके लिए तैयार किया है. उन्होंने कहा, प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ आपको अलग शैली अपनानी पड़ती है और सही समय पर सही स्ट्रोक लगाना आवश्यक होता है. प्रकाश सर ने इस बात पर जोर दिया और हमने इस पर काम किया. बहुत सुधार हुआ है. यह आपको कोर्ट पर नजर आएगा.

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष — अनिद्रा की समस्या हो सकती है. अपनों पर खर्च अधिक होगा, पर रोजगार की समस्या का समाधान भी संभव है. व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा. कश्मकश दूर होगी. स्वजनों से भेंट होगी. नवार्ण मंत्र का जाप करें.

वृषभ — किसी नए कार्य से आय होगी. साथ ही व्यवसाय ठीक चलेगा. शत्रुभय रहेगा. लाभ होगा. पिछले कार्यों को टालना चाहिए, क्योंकि उसमें असफलता का योग है. अनावश्यक विवाद होगा. व्यावसायिक योजनाएं क्रियान्वित नहीं हो पाएंगी.

मिथुन — पिता का पुराना रोग उभर सकता है. वाणी पर नियंत्रण रखें. व्यापार के विस्तार हेतु किए गए प्रयास सफल होंगे. संतान की ओर से अच्छे समाचार मिलेंगे. दूसरों के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करें. परिवार की चिंता रहेगी.

कर्क — भाग्य का साथ मिलेगा. सरकार या कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे. कार्यसिद्धि होगी. आय-व्यय में संतुलन रहेगा. क्रोध पर संयम आवश्यक है. व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे. धर्म में रुचि बढ़ेगी. नई योजना से लाभ होगा.

सिंह — पूर्व किये कार्य का लाभ मिलेगा. निवेश शुभ रहेगा. जल्दबाजी व भागदौड़ से काम करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएं. अच्छे मित्र से भेंट होगी. पराक्रम की वृद्धि होगी. समाज-परिवार में आदर मिलेगा. गुड़ और जल का दान करें.

कन्या — पार्टनर से विवाद न करें. व्यवसाय ठीक चलेगा. दांपत्य जीवन सुखद रहेगा. पूंजी निवेश बढ़ेगा. साहित्यिक रुचि बढ़ेगी. आर्थिक योग शुभ हैं. यात्रा से व्यापारिक लाभ हो सकता है. सुसंगति से लाभ होगा. माता दुर्गा की सेवा करें.

तुला — कुसंगति से बचें. दूसरों पर भरोसा न करें. धैर्य रखें. पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा. रुका पैसा मिलेगा. शत्रु आपकी छवि को धूमिल करने का प्रयास करेंगे. अतः सावधान रहें. व्यापार में सफलता मिलेगी. जल और फल का दान करें.

वृश्चिक — किसी से विवाद हो सकता है. किसी नया कार्य से अप्रत्याशित लाभ होगा पर जोखिम बिलकुल न लें. धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी. व्यापार व नौकरी में हितकारकों की पूर्ण कृपा रहेगी. गृह उपयोगी वस्तुएं क्रय करेंगे.

धनु — व्यवसाय ठीक चलेगा. कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा. विवादों से दूर रहना चाहिए. आर्थिक तंगी रहेगी. पिछले कार्यों को टालें. पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा. व्यापार में हानि हो सकती है.

मकर — दिन खुशनुमा होगा. छोटी यात्रा सफल रहेगी. धनलाभ होगा. प्रसन्नता बनी रहेगी. वाहन सुख मिलेगा. संपत्ति के लेन-देन में सावधानी बरतें. परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. अन्न दान करें.

कुंभ — क्रोध में बृद्धि होगा इसलिए वाणी पर नियंत्रण रखें. स्वास्थ्य कमजोर रहेगा. लेन-देन में सावधानी रखें. आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी. आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से लाभ होगा. शिव मंदिर में खीर का दान करें.

मीन — सूझ बूझ कर किया गया कार्य लाभ देगा. स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा. थकान रहेगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. पराक्रम बढ़ेगा. जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं. कामकाज में आशानुरूप स्थिति बनेगी. शिव मंदिर में झाड़ू का दान करें.

33 पंचायत सचिवों का वेतन रोका

मेदिनीनगर। पलामू जिले के उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने गुरुवार को अबुआ आवास योजना की प्रगति की समीक्षा की. इस दौरान उन्होंने विश्रामपुर, चैनपुर, हुसैनाबाद, नवाबाजार, लेस्लीगंज, पांडु, पड़वा, पांकी, पाटन व सतबरवा की विभिन्न पंचायत सचिवों संग बैठक कर उनके क्षेत्र अंतर्गत न्यूनतम प्रगति वाली पंचायतों में अबुआ आवास योजना की समीक्षा की. इस दौरान डीडीसी श्री अहमद सभी पंचायत सचिवों से अपेक्षित प्रगति नहीं होने के कारणों से अवगत हुए. बताया गया कि कई लाभुक प्रथम किस्त लेने के बाद कार्य प्रारंभ नहीं किये हैं. इस पर डीडीसी ने ऐसे सभी लाभुकों को नोटिस करने की बात कही. वहीं कुछ पंचायत सचिव द्वारा जियो टैग नहीं किया गया है, जिस कारण दूसरी किस्त का भुगतान की कार्रवाई नहीं की जा सकी है. इसके अलावे प्रगति नहीं होने से संबंधित कई अन्य बिंदुओं पर उप विकास आयुक्त द्वारा गहनता से समीक्षा किया गया. इस दौरान उन्होंने सभी 33 पंचायत सचिवों का वेतन अगले आदेश तक स्थगित रखने के निर्देश दिये. कहा कि अगले एक सप्ताह में प्रगति नहीं होती है तो संबंधित पंचायत सचिवों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

153 युवक-युवतियों को मिला रोजगार

लोहरदगा। सदर प्रखंड पर स्थित नगर भवन परिसर में लोहरदगा जिला के बेरोजगार युवक-युवतियों को सुगमता से रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, सरकार के तत्वावधान में जिला नियोजनालय, द्वारा एक दिवसीय दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन किया गया. इधर, मेला का उद्घाटन उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया. इस रोजगार मेला के लिए विभिन्न निजी क्षेत्र के नियोजकों के रिक्तियों के लिए कुल 362 युवक-युवतियां शामिल हुए जिनमें से 153 युवक-युवतियों का चयन विभिन्न पदों के लिए किया गया. मेला के लिए 42 सौ 60 रिक्तियां नियोजकों की ओर से प्रस्तावित थी. मौके पर उप विकास आयुक्त ने मेला में आये नियोजक कंपनियों को यहां के युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया.

सियासी पिच पर उतर सकते हैं सौरभ तिवारी

गृह मंत्री से मिले, भाजपा में शामिल होने के कयास

प्रमुख संवाददाता। रांची

क्रिकेटर सौरभ तिवारी सियासी पिच पर चौका-छक्का मारने को बेताब हैं. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सौरभ तिवारी की मुलाकात के बाद कयासों का बाजार गर्म हो गया है. गुरुवार को क्रिकेटर सौरभ तिवारी ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने गृह मंत्री को पुस्तक भी भेंट की. कयास इसलिए भी लगाया जा रहा है कि झारखंड में कुछ महीने के बाद विधानसभा चुनाव होने हैं. इससे ठीक पहले भाजपा के टॉप लीडर से मुलाकात के कई मायने भी निकाले जा रहे हैं. राजनीति के गलियारों में चर्चा हो रही है कि सौरभ तिवारी जल्द ही भाजपा का दामन थाम सकते हैं. सौरभ तिवारी कई अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं. आईपीएल में वे मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू का भी हिस्सा रह चुके हैं. झारखंड में सौरभ तिवारी का संबंध जमशेदपुर से है.

झारखंड विस का मॉनसून सत्र आज से, सुरक्षा चाक-चौबंद

छह डीएसपी, 15 इंस्पेक्टर व 1000 जवान रहेंगे तैनात

संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र शुक्रवार से शुरू हो रहा है. इसको लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं. सुरक्षा में किसी प्रकार की चूक ना हो, इसको लेकर छह डीएसपी, 15 इंस्पेक्टर और 1000 जवानों की तैनाती की गयी है. एसएसपी ने सत्र को लेकर सुरक्षाकर्मियों को ब्रीफिंग भी की है. सत्र के दौरान किसी भी तरह की चूक न हो, सभी कर्मियों को इस पर विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया गया है. वहीं पुलिस अधिकारियों को भी विधानसभा और उसके आसपास के इलाकों में गश्त करने का निर्देश है.

दो दर्जन से अधिक जगहों पर की गयी है बैरिकेडिंग : मॉनसून सत्र के दौरान कई तरह के आंदोलन अचानक शुरू हो जाते हैं, इसको ध्यान में रखते हुए पुलिस ने अपनी विशेष रणनीति बनायी है. आंदोलनकारियों को विस के पास स्थित विस्थापित भवन के पास वाले मैदान तक ही सीमित रहने का निर्देश दिया गया है. धुर्वा, नगड़ी,डोरंडा, जगन्नाथपुर और अरगोड़ा थाना को विशेष रूप से सतर्क रहने को कहा गया है. सभी थानों को सड़कों पर नियमित गश्ती करने का भी निर्देश है. विस सत्र को लेकर मेकॉन चौक, सेटेलाइट चौक से विस तक दो दर्जन से अधिक जगहों पर बैरिकेडिंग की गयी है.

तीन लेयर की होगी सुरक्षा : झारखंड विस के सत्र को लेकर सुरक्षा पुख्ता इंतजाम किये गये हैं. विस के चारों ओर रांची पुलिस के अधिकारी और जवान तैनात रहेंगे. सत्र के दौरान तीन लेयर की सुरक्षा का घेरा बनाया गया है. विधानसभा की ओर आने वाली सड़कों पर बैरिकेडिंग भी की गयी है. बिना अधिकृत पास के कोई भी विधानसभा परिसर के अंदर नहीं जा सकता है.

आजसू ने पलायन रोकने पर विशेष चर्चा की मांग रखी

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह गोमिया विधायक लंबोदर महतो ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर 17वें मानसून सत्र में युवाओं के विकास कल्याण व रोजगार एवं पलायन रोकने पर विशेष चर्चा की मांग की है. उन्होंने मानसून सत्र में इस अतिमहत्वपूर्ण विषय पर चर्चा के लिए विधानसभा अध्यक्ष से समय निर्धारित करने की भी मांग की है. विधानसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में रोजगार के अभाव में युवाओं के बीच निराशाजनक स्थिति है. राज्य में रोजगार न मिलने की वजह से राज्य के बाहर देश के अन्य राज्यों एवं विदेश में युवाओं एवं श्रमिकों का पलायन लगातार जारी है, जिस पर राज्यहित में रोजगार उपलब्ध कराकर रोक लगाना आवश्यक है. विधानसभा के आगामी प्रस्तावित मानसून सत्र में परिचर्चा करना राज्यहित में श्रेयस्कर होगा. महतो ने कहा कि राज्य में जीविकोपार्जन के साधन में निरंतर गिरावट के कारण पलायन और बेरोजगारी में बढ़ोतरी हुई है.

विधायक मिले मुख्यमंत्री से बेरमो को जिला बनाने की मांग

रांची। गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले. उन्होंने बेरमो (मुख्यालय तेनुघाट) अनुमंडल को जिला बनाने की मांग की. उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि बेरमो झारखंड राज्य का सबसे समृद्ध खनिज संपदाओं से परिपूर्ण व अविभाजित बिहार में 1972 में बनने वाला सबसे पुराना अनुमंडल है. बेरमो (मुख्यालय तेनुघाट) को जिला बनाने की मांग लंबे समय से की जा रही है मगर कतिपय कारणों से अब तक इसे जिला का दर्जा नहीं मिल पाया है.इसकी आबादी 2011 की जनगणना के अनुसार 11,07,672 है, जो मौजूदा समय में करीब 15 लाख है. बेरमो अनुमंडल में 14 थाने, चार ओपी व सात प्रखंड क्रमशः पेटरवार, कसमार, जरीडीह, बेरमो, गोमिया, नावाडीह व चंद्रपुरा है. यह अनुमंडल सबसे समृद्ध व खनिज संपदाओं से भरा पड़ा है. यहां चार विद्युत उत्पादन उत्पादक केंद्र (थर्मल पावर स्टेशन) क्रमशः टीपीपीएस, सीटीपीएस, बीटीपीएस व कैप्टिव पावर प्लांट है. सीसीएल के तीन क्षेत्र क्रमशः कथारा, करगली व ढोरी है, जहां दर्जनों परियोजनाएं विद्यमान है. सीसीएल के दर्जनों कोलियारियों से प्रतिवर्ष करोड़ों टन कोयला का उत्पादन होता है. जिसका लाभ सीधा राज्य सरकार व केंद्र सरकार को मिलता है. इसके अतिरिक्त सीसीएल व बीसीसीएल की चार कोल वाशरी क्रमशः स्वांग, कथारा ,करगली व दुग्दा कार्यरत है. अभी एक और कॉल वाशरी निर्माणाधीन है. एशिया महादेश का सबसे पहला बारूद का कारखाना गोमिया में अवस्थित है.

विद्यार्थियों के हित में हमेशा खड़ा हैं : आलम

लोहरदगा। एनएसयूआई के बैनर तले जिला महासचिव मनौवर आलम के नेतृत्व में बलदेव साहू महाविद्यालय में नए विद्यार्थियों की सहायता हेतु हेल्प डेस्क एवं सहायता और पूछताछ केंद्र खोला गया. अभियान में लगभग 100 नए लोग सदस्य बनाए गए. इस बीच अभियान के क्रम में छात्र-छात्राओं को एनएसयूआई के बारे में बताया गया कि एनएसयूआई विद्यार्थियों के हित में हमेशा काम करती है, कभी भी विद्यार्थी को किसी प्रकार की दिक्कत या परेशानी होती है तो एनएसयूआई के सदस्य या पदाधिकारी उनकी समस्याओं को समाधान के लिए तत्पर रहते हैं. महासचिव मनौवर आलम विद्यार्थियों से आग्रह करते हुए कहा कि महाविद्यालय में विद्यार्थी बहुत ही सुदूरवर्ती एवं दूर-दराज से नामांकन लेते हैं.

टेबल टेनिस प्रतियोगिता के लिए टीम रांची रवाना

गढ़वा। रांची में शुक्रवार से आयोजित सेकेंड झारखंड स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए गढ़वा जिला की 24 सदस्यीय टीम को संघ के अध्यक्ष मदन प्रसाद केशरी, सचिव आनंद सिन्हा और संघ के पदाधिकारियों ने जीत की शुभकामना देते हुए खिलाड़ियों को रवाना किया. मौके पर अध्यक्ष केशरी ने कहा कि आप अपने लक्ष्य को पाने के लिए जो मेहनत कर रहे है, उस लक्ष्य को हासिल करने के लिए आप जा रहे है. प्रतियोगिता में जिला को चैम्पियन बनाने के साथ साथ चैम्पियन बनकर आए. अगर आप अपने खेल का शत प्रतिशत लगा दे तो आपको जीत से कोई रोक नहीं सकता है. सचिव आनंद सिन्हा ने कहा कि टीम के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता को लेकर बेहतर तैयारी की है. पहले की अपेक्षा टीम इस बार बेहतर करेगी.

पेज एक का शेष

खनिजों पर राज्यों को रॉयल्टी...

चीफ जस्टिस ने कहा कि पीठ ने दो अलग-अलग फैसले दिये हैं और न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने असहमतिपूर्ण फैसला दिया है. सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दो अहम सवाल थे. क्या ''रॉयल्टी'' को टैक्स के समान माना जा सकता है? क्या राज्य विधानमंडल जमीन पर टैक्स लगाते समय जमीन की उपज के मूल्य के आधार पर टैक्स का उपाय अपना सकता है?

हाई बोल्ट का नंगा तार...

इसका मतलब यह कतई नहीं है कि वह पार्टी से बड़े हो गये हैं या अपरिहार्य हैं. उन्हें जिन लोगों ने मुख्यमंत्री बनाया था, वे केवल इशारा कर दें तो वह अपने मठ में लौट जायेंगे. उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में इतना गरल पीया है कि वह नीलकंठ बन गये हैं. उनसे पूछे बगैर मुख्य सचिव बनाये, हटाये गये. केंद्र की इच्छा पर ऐसे अधिकारी को मंत्री बनाया गया जो चार वोट भी नहीं जुगाड़ सकता. ऐसे मुंहफट, बदमिजाज नेताओं को मंत्री बनाना पड़ा जो योगी जी को गालियां देते रहे हैं. इस बार टिकट बंटवारे में भी उनकी राय नहीं सुनी गयी. एक संगठन मंत्री तो छाया मुख्यमंत्री बने बैठे थे. योगी के भृकुटि तानने पर वे हटे तो बाद में भेजे गये संगठन मंत्री पैंतरेबाजी में मशगूल हो गये. प्रदेश अध्यक्ष ऐसे महानुभाव को बनाया गया जो न कोई चुनाव जीत सकते हैं, न किसी को जिता सकते हैं. जो उप मुख्यमंत्री कथित रूप से बगावत का झंडा उठाये हुए हैं और जिनके बयानों को आधार बनाकर योगी विरोधी माहौल बनाया जा रहा है, वे अपनी विधानसभा सीट तक हार चुके हैं. एक उप मुख्यमंत्री बसपा से आये हैं और सिर्फ बोलक्कड़ हैं. यानी यदि योगी को बलि का बकरा बनाया गया और उन्होंने मुंह खोल दिया तो नीचे से ऊपर तक समूची भाजपा हिल जायेगी. वह एक हाई बोल्ट का नंगा तार हैं. यदि ग्रिड से बिना लाइन काटे किसी ने छू लिया तो वह खाक हो जायेगा. वह कल्याण सिंह वाली गलती भी नहीं कर रहे हैं. उन्होंने शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ कुछ नहीं बोला है. वह मोदी जी से तादात्म्य बैठाये हुए हैं. वह भाजपा के स्टार प्रचारक हैं और मोदी के बाद सबसे ज्यादा डिमांड उन्हीं की है. वह वसुंधरा राजे सिंधिया नहीं हैं. वह शिवराज सिंह चौहान सरीखे हैं, जिन्हें मध्य प्रदेश से हटाने के बाद केंद्र में समायोजित करना पड़ा है.

2017 में केशव प्रसाद मौर्य मुख्यमंत्री पद के स्वाभाविक दावेदार थे. तब वह प्रदेश अध्यक्ष थे और पार्टी ने आशातीत सफलता प्राप्त की थी. तब योगी जी मुख्यमंत्री पद की रेस में भी नहीं थे. वह तो गोरखपुर में अपनी दिनचर्या में मस्त, व्यस्त थे. रेस में थे मनोज सिन्हा, वह भी केंद्र की कृपा से. लेकिन योगी जी को लाया गया तो कोई बड़ा कारण तो रहा ही होगा. वैसे केशव प्रसाद मौर्य ने कोई नयी बात तो कही नहीं थी कि संगठन सरकार से बड़ा होता है. यह तो जनसंघ के जमाने से भाजपा का ध्येय वाक्य है. इसे योगी के विरुद्ध क्यों देखना चाहिए ? उसी बैठक में योगी ने कहा था कि हमें अति आत्मविश्वास ले डूबा. इसका क्या अर्थ लगाया जाये ? यह किसके विरुद्ध है ? इसी बीच अखिलेश यादव ने मौर्य साहब को मानसून ऑफर दे दिया- 100 विधायक लाओ, मुख्यमंत्री बनो, सरकार चलाओ. लेकिन उन्होंने डिस्काउंट की घोषणा नहीं की. यानी उन्होंने यह नहीं बताया कि उनकी पार्टी सरकार में शामिल होगी या मौर्य की सरकार को बाहर से समर्थन देगी.

दरअसल सभी विपक्षी पार्टियां चाहती हैं कि योगी जायें तो उनकी राजनीति फले-फूले, क्योंकि योगी ने जो लकीर खींची है उससे बड़ी लकीर खींचने की कुव्वत उन नेताओं में नहीं है. इसका मतलब यह कतई नहीं है कि योगी राज में सब कुछ ठीक है. कार्यकर्ता मायूस हैं, अफसर उनकी नहीं सुनते हैं. लेकिन संगठन मंत्री और प्रदेश अध्यक्ष कर क्या रहे हैं ? क्या उन्होंने सरकार से इस बाबत कभी बात की ? समन्वय का काम देख रहे सहकार्यवाह क्या कर रहे हैं ? पेपर लीक एक बड़ी समस्या है. यह योगी पर एक धब्बा है. इसका इलाज उन्हें करना ही होगा. लेकिन यदि पार्टी के कुछ नेता और सहयोगी दलों के महारथी योगी पर प्रत्यक्ष-परोक्ष आरोप लगाते रहे, तंज कसते रहे तो हालात और बिगड़ेंगे. वह भी हाड़-मांस, शिराओं-धमनियों से बने व्यक्ति हैं. कितना सहेंगे, कब तक सहेंगे. तुलसी ने लिखा ही है-अतिशय रगड़ करे जो कोई, अनल प्रकट चंदन ते होई. यह अनल प्रकट न हो, पार्टी धधकने-जलने से बच जाये, इस बाबत तुरंत उपाय जरूरी है. योगी को हटाने से बात बनती है तो उन्हें कहीं सम्मान सहित शिफ्ट किया जा सकता है. लेकिन बिना सावधानी, सतर्कता के कोई उन्हें छुएगा तो जल जायेगा.

न्यायालय की अवमानना कर रहे हैं स्पीकर : प्रतुल शाहदेव

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा ने स्पीकर रविंद्र नाथ महतो को उनके डेमोग्राफी में बदलाव से इनकार करने वाले बयान पर घेरा. प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने कहा कि डेमोग्राफी बदलाव का मामला

फिलहाल उच्च न्यायालय में विचाराधीन है. उच्च न्यायालय ने सीमावर्ती 6 जिलों के उपायुक्तो को इस मुद्दे पर शपथ पत्र दाखिल कर यह बताने को कहा है कि उनके जिलों में कितने घुसपैठिए रह रहे हैं और उनको कैसे निकाला जाए. उच्च न्यायालय द्वारा कोई निर्णय सुनाने के पहले ही स्पीकर का इस मामले में हस्तक्षेप करना सीधे तौर पर उच्च न्यायालय की अवमानना है.

घुसपैठियों को संताल के मदरसों में ठहराया जाता है : प्रतुल ने कहा एक तरफ स्पीकर डेमोग्राफी में बदलाव से इनकार कर रहे हैं जबकि देश की जनगणना के आधिकारिक आंकड़ों में 1951 से 2011 के बीच संताल के इलाके में आदिवासियों की आबादी 16% घटी है और मुसलमान की आबादी 13% बढ़ी है. यह सीधे तौर पर घुसपैठ का मामला है. 1951 से 2011 के 60 वर्षों के कार्यकाल में 85% समय केंद्र में कांग्रेस की सरकार सत्ता में थी, तो इस घुसपैठ के लिए सीधे तौर पर कांग्रेस की तत्कालीन सरकारें जिम्मेदार है. प्रतुल ने कहा 2 जून, 2023 को सभी जिला के उपायुक्त को पत्र लिखकर स्पेशल ब्रांच ने स्पष्ट रूप से कहा था कि घुसपैठियों को संताल के मदरसों में ठहराया जाता है और उनके सरकारी दस्तावेज तैयार किए जाते हैं. प्रतुल ने जानना चाहा कि क्या स्पीकर राज्य सरकार के स्पेशल ब्रांच से भी सहमत नहीं है?

स्पीकर एक राजनीतिक दल के प्रवक्ता की तरह बयान दे रहे : प्रतुल ने कहा कि स्पीकर का पद एक संवैधानिक पद होता है और राजनीति से ऊपर का माना जाता है, लेकिन यहां स्पीकर एक राजनीतिक दल के प्रवक्ता की तरह बयान दे रहे हैं और विचाराधीन मामलों पर भी टिप्पणी कर रहे हैं, जो कि सर्वथा अनुचित है. स्पीकर को अपने संवैधानिक कुर्सी की मर्यादा का ख्याल रखना चाहिए.

बासी रोटी को नए फ्लेवर में परोसने की कोशिश : कांग्रेस

- झारखंड से क्या कमाया और क्या दिया, यब सब जनता देख रही है

विशेष संवाददाता। रांची

आनेवाला विधानसभा चुनाव लड़ने से पहले ही भाजपा ने हथियार डाल दिए हैं. यही कारण है कि भाजपा नेता अपनी शुभचिंतक केंद्रीय एजेंसियों के पास लगातार दौड़ लगा रही है. भाजपा ने एक झूठ का पिटारा अपने पास रखा है और हताश निराश भाजपा नेता चुनावी धारा को मोड़ने के लिए रोज एक नया झूठ अपने पिटारे से निकाल रहे हैं.

ये बातें प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनल शांति ने कही. उन्होंने कहा कि झारखंडी जनता भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी से हिसाब लेने को तैयार बैठी है. उन्होंने झारखंड से क्या कमाया और झारखंडी जनता को क्या दिया. केंद्र को सबसे ज्यादा राजस्व देनेवाला झारखंड केंद्र से मिलने वाली सुविधाओं के मामले में निचले पायदान पर है. वर्तमान केंद्रीय बजट में भी झारखंड को उपेक्षित किया जाना झारखंड वासियों के साथ लगातार हो रहे अन्याय की पराकाष्ठा को दर्शाता है.

शांति ने कहा कि नेतृत्व विहीन झारखंड भाजपा बासी रोटी राज्यवासियों को खिलाना चाहती है, क्योंकि वह जानती है कि उनके पास महागठबंधन सरकार के खिलाफ न नेता हैं और न ही कोई मुद्दा. झारखंडी जनता ने बासी रोटी खाने से इनकार कर दिया है.

भाजपा बॉरो प्लेयर के सहारे मैदान में उतरने की तैयारी में : लोकसभा चुनाव बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में लड़ने वाली भाजपा बॉरो खिलाड़ियों के सहारे झारखंड में चुनाव लड़ना चाहती है. लेकिन जब दो बॉरो खिलाड़ियों से झारखंड में मुद्दे नहीं बन पाये, तो टीम मैनेजर को समय पूर्व उतार कर सामूहिक नेतृत्व के साथ मैच जीतने की बात की जा रही है. इससे भाजपा के वर्तमान कप्तान बाबूलाल मरांडी की छटपटाहट बढ़ गई है.

महोत्सव — विधायक ने किया उदघाटन, कहा- हमें अपनी विरासत को संजोकर रखना है

दो दिवसीय जनजातीय लोक नृत्य महोत्सव का शुभारंभ

संवाददाता। बरवाडीह (लातेहार)

गुरुवार को पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (कोलकाता), संस्कृति मंत्रालय (भारत सरकार) व रंगयात्रा लातेहार, झारखंड के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय पलामू जनजातीय लोकनृत्य महोत्सव की शुभारंभ रेलवे स्पोर्ट्स क्लब में किया गया. बतौर मुख्य अतिथि मनिका विधायक रामचंद्र सिंह व विशिष्ट अतिथि बरवाडीह पश्चिमी जिला परिषद सदस्य संतोषी शेखर, बीस सूत्री अध्यक्ष नसीम अंसारी एवं विधायक प्रतिनिधि प्रेम कुमार सिंह (पिंटू) द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ

किया.आयोजन कमेटी द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया. मंच का संचालन चंद्रदेव सिंह (सचिव) भारतीय लोक कल्याण संस्थान (रांची) झारखंड जलछाजन योजना, बरवाडीह द्वारा किया गया.कार्यक्रम में स्थानीय एवं बाहर से आए कलाकारों ने एक से बढ़कर एक लोकगीत एवं लोकनृत्य प्रस्तुत किया. इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोक संस्कृति एवं परंपरा को संरक्षण एवं विकास करते हुए आगे की पीढ़ी को जागृत करना है.विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा सभ्यता, संस्कृति एवं परंपरा जनजातीय समुदाय के लिए मौलिक आधार है. हमें इसे संजो कर रखना है. लोक नृत्य एवं लोकगीत सभ्यता, संस्कृति परंपरा को पारंपरिक रूप से आगे बढ़ाने के महत्वपूर्ण आधार हैं। संतोषी शेखर ने कहा जनजातीय सभ्यता, संस्कृति हमारे जीवन का मूल आधार स्तंभ है. यह हमें जमीन से जुड़ा रहना सिखाती है. इस दौरान राजद महामंत्री अजय प्रसाद, कांग्रेस प्रदेश सदस्य रविन्द्र राम, यूथ कांग्रेस प्रदेश समन्वयक विजय बहादुर सिंह, गौतम पटेल एवं आयोजन कमेटी के सदस्य मौजूद थे.

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गुणानंद ने दिया इस्तीफा

रांची। भाजपा के प्रदेश कार्य समिति सदस्य गुणानंद महतो ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है. प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को सौंपे इस्तीफे में कहा है कि झारखंड के आंदोलनकारियों और शहीदों ने जो सपना देखा था, उस सपने का पूरा न होना और स्थानीय नीति, नियोजन नीति, पलायन, बेरोजगारी एवं विस्थापन जैसी ज्वलत मुद्दों पर विपक्ष का मुखर ना होना और झारखंड में युवाओं की जनभावनाओं का सम्मान नहीं मिलने से मैं दुखी हूं, गहरी चिंतन और मंथन करने के पश्चात में भाजपा के प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं. महतो के इस्तीफे के बाद यह कयास लगाये जा रहे हैं कि वे जयराम महतो की पार्टी में शामिल होंगे.

भारी बारिश के बीच कई राज्यों में बने बाढ़ के हालात

पुणे

मॉनसून की बारिश के बीच देश देश के कई राज्यों में बाढ़ के हालात बने हुए हैं. बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा, ओडिशा, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में भारी बारिश हुई. इसके कारण कई नदियों के उफान पर आने के साथ ही कई इलाके बाढ़ की चपेट में आ गए हैं. पुणे में बारिश के बीच करीब 400 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, जबकि ठेला हटाने की कोशिश कर रहे तीन लोगों की करंट लगने से मौत हो गई. वहीं मुंबई में सड़कों पर जलभराव होने से यातायात प्रभावित हुआ. साथ ही ट्रेन सेवा भी प्रभावित हुई. 'रेड अलर्ट' को देखते हुए मुंबई सहित महाराष्ट्र के कई जिलों में स्कूलों और कॉलेजों में अवकाश घोषित कर दिया गया. इस बीच, महाराष्ट्र के पश्चिमी क्षेत्र के कुछ इलाकों में भारी वर्षा के चलते सांगली और कोल्हापुर जिलों में बाढ़ का खतरा टालने के लिए राज्य सरकार ने कर्नाटक से अलमाटी बांध से अधिक पानी छोड़ने का आग्रह किया है. मंगलुरु में घर की दीवार गिरने से उसके नीचे दबकर एकिशोर की मौत हो गई.

सूरत

पुणे में 400 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया

एजेंसी। पुणे/मुंबई

मॉनसून की बरसात के कारण महाराष्ट्र के कई इलाके बाढ़ की चपेट में आ गए हैं. पुणे शहर में मूसलाधार बारिश के बाद सिंहगड रोड और नदी तट से सटे अन्य इलाकों में बाढ़ आने के बाद बृहस्पतिवार को सेना की दो टुकड़ियों को बाढ़ से बुरी तरह से प्रभावित सिंहगड रोड पर तैनात किया गया है. राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और दमकल के दलों के साथ-साथ जिला और नगर आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के कर्मियों को भी राहत अभियान में लगाया गया है. सिंहगड रोड के निचले इलाकों में स्थित कई हाउसिंग सोसाइटी और घरों में पानी घुस गया. जिला कलेक्टर सुहास दिवसे ने कहा, "सिंहगड रोड से अबतक 400 लोगों को निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है." पुणे महानगरपालिका (पीएमसी) के अधिकारियों ने बताया कि सेना के कर्मी सिंहगड रोड में एकता नगर में राहत अभियान में मदद कर रहे हैं. कलेक्टर ने बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पुणे जिले के वास्ते अगले 48 घंटे के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है और खडकवासला और अन्य बांधों के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश होने का अंदेशा है तथा खडकवासला जलाशय से अधिक पानी छोड़े जाने के आसार हैं. पुणे जिले में झरने और झील जैसे पर्यटन स्थल सैलानियों के लिए बंद कर दिए गए हैं. स्कूल के अलावा निजी प्रतिष्ठानों और कार्यालयों से कहा गया है कि वे कर्मियों को एक दिन की छुट्टी दें. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्रियों अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई, ठाणे और पुणे शहरों में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो पुणे में बारिश से प्रभावित लोगों को हवाई मार्ग से निकाला जाएगा. उन्होंने पुणे के जिलाधिकारी और शहर तथा पड़ोसी औद्योगिक नगर पिंपरी चिंचवड़ के नगर निकाय प्रमुखों से बात की है.

भारी बारिश के बीच तीन की करंट लगने से मौत

पुणे में बृहस्पतिवार तड़के भारी बारिश के कारण पानी में डूबे ठेले को बाहर निकालने की कोशिश करते समय करंट लगने से तीन लोगों की मौत हो गई. पुलिस ने बताया कि यह घटना डेक्कन जिमखाना इलाके में हुई. डेक्कन जिमखाना पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि तीनों बाबा भिड़े पुल के पास सड़क किनारे ठेले पर अंडे से बने खाद्य पदार्थ बेचते थे. भारी बारिश के कारण जब उनका ठेला पानी में डूब गया, तो वे मौके पर उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाने की कोशिश करने लगे, इस दौरान तीनों को करंट लग गया.

मुंबई में भारी बारिश के कारण सड़कों पर जलभराव, ट्रेन सेवा हुई प्रभावित

मुंबई। मुंबई और उसके उपनगरों में बृहस्पतिवार को भारी बारिश हुई जिससे कुछ इलाकों में सड़कों पर जलभराव हो गया. इसके चलते यातायात बाधित हुआ और लोकल ट्रेन सेवा प्रभावित हुई. अधिकारियों ने बताया कि जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण विहार और मोदक सागर झीलें उफान पर हैं. अधिकारियों ने कहा कि इसके साथ ही महानगर को पीने योग्य पानी उपलब्ध कराने वाले सात जलाशयों में से चार अब उफान पर हैं, जिससे कुल जल भंडार में सुधार हुआ है. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले 24 घंटों में सुबह आठ बजे से शहर और उपनगरों में मध्यम से भारी वर्षा व कुछ स्थानों पर अत्याधिक बारिश होने की संभावना जताई है. नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई और इसके पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों में सुबह से ही भारी बारिश होने के कारण कुछ निचले इलाकों में जलभराव हो गया. वहीं पश्चिमी रेलवे और मध्य रेलवे द्वारा संचालित उपनगरीय सेवाएं 10-15 मिनट देरी से चल रही हैं. वहीं भारी बारिश के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा मुंबई के लिए रेड अलर्ट जारी करने के बाद, बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने बृहस्पतिवार को शहर के सभी स्कूलों और कॉलेजों में अवकाश घोषित कर दिया.

देश के मौसम का हाल

मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट के मुताबिक, अगले 24 घंटों के दौरान, गुजरात, कोंकण और गोवा और पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश संभव है. वहीं मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, विदर्भ, मध्य महाराष्ट्र, तेलंगाना के कुछ हिस्सों, तटीय कर्नाटक और ओडिशा के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ भारी बारिश हो सकती है. सिक्किम, पूर्वोत्तर भारत, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और बिहार में हल्की से मध्यम बारिश के साथ एक या दो बार भारी बारिश हो सकती है. हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, मराठवाड़ा, तेलंगाना, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और ओडिशा के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है.

गुजरात में उफान पर नदियां, सूरत व भरूच में आई बाढ़

सूरत। गुजरात में इन दिनों भारी बारिश ने हालात बिगाड़ दिए हैं. नदियां उफान पर हैं. पूर्णा नदी, अंबिका नदी और कावेरी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं. दक्षिण और मध्य गुजरात के सूरत और भरूच समेत कई इलाकों में बाढ़ आ गई है. हर तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा है. सड़क मार्ग कट जाने से कई गांवों का शहरों से संपर्क टूट गया है. इसके अलावा कई सड़कों को एहतियाती तौर पर बंद कर दिया गया है. इसके अलावा ट्रैक पर पानी भर जाने से कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया. जबकि कुछ ट्रेनों को रेगुलेट किया गया. वहीं प्रशासन और एनडीआरएफ की टीमों ने बाढ़ में फंसे सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया. वहीं स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई.

मंगलुरु में भारी वर्षा से दीवार गिरी, युवक की मौत

मंगलुरु (कर्नाटक)। मंगलुरु में बुधवार रात भारी वर्षा के बीच कोलनाड गांव के लिंगप्पय्या कड्डु में एक घर की दीवार गिरने से उसके नीचे दबकर एक किशोर की मौत हो गई. पुलिस ने यह जानकारी दी. उसने बताया कि मृतक की पहचान मुल्की के कोलनाड गांव के लिंगप्पय्या कड्डु निवासी शैलेश (17) के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार भारी बारिश के कारण देर रात्रि मकान की दीवार ढह गई जिसके नीचे दबने से शैलेश गंभीर रूप से घायल हो गया. उसे अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस मामले की जांच कर रही है और गांव में राहत एवं बचाव कार्य जारी है.

हिप्र में बादल फटने से आई बाढ़ के बाद एनएच-3 का एक हिस्सा किया गया बंद

शिमला/मनाली। हिमाचल के कुल्लू जिले में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग-तीन के एक हिस्से को वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दिया गया. पुलिस ने बृहस्पतिवार को बताया कि बुधवार देर रात हुई इस घटना में अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. अधिकारियों के अनुसार मनाली क्षेत्र में अंजनी महादेव नाले में बादल फटने के कारण एनएच-3 पर धुंडी और पलचान पुल के बीच का हिस्सा प्रभावित हुआ है. लाहौल और स्पीति पुलिस ने बृहस्पतिवार को एक परामर्श जारी कर कहा कि अटल टनल के उत्तरी द्वार से लाहौल और स्पीति से मनाली जाने वाले वाहनों को रोहतांग की ओर मोड़ दिया गया है. यात्रियों से यह भी कहा कि वे केवल आवश्यक होने पर ही यात्रा करें, सावधानी से वाहन चलाएं तथा मार्ग में संभावित खतरे के प्रति सचेत रहें. राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने बताया कि बुधवार रात में राज्य में कुल 15 सड़कें यातायात के लिए बंद कर दी गईं.

ब्रीफ खबरें

'चीन हिंद महासागर में कर रहा है घुसपैठ'

वाशिंगटन। अमेरिका की एक प्रभावशाली सांसद ने दावा किया है कि चीन हिंद महासागर के प्रमुख क्षेत्रों में अपनी पैठ बना रहा है और इस जल क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से आवागमन के अधिकार में बाधा डाल रहा है, जिससे अमेरिका और दक्षिण एशिया में उसके मित्र देशों और सहयोगियों की राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक हितों पर खतरा मंडरा रहा है. अमेरिकी संसद में यंग किम ने कहा कि वैश्विक व्यापार के लिए हिंद महासागर एक महत्वपूर्ण मार्ग है.

छग में पांच नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में पांच नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया. पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि नक्सलियों पर कुल 19 लाख रुपये का इनाम घोषित है. एसपी ने बताया कि नक्सलियों ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया है. वे अपने वरिष्ठ माओवादियों द्वारा किए गए अत्याचारों और 'अमानवीय' और 'खोखली' विचारधारा से निराश हैं.

श्रीलंका के पूर्व सेना प्रमुख लड़ेंगे चुनाव

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व सेना प्रमुख और लिट्टे के सफाए के लिए सैन्य अभियान के सूत्रधार फील्ड मार्शल सरथ फोंसेका ने आगामी राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी की बृहस्पतिवार घोषणा की और भ्रष्टाचार को खत्म करने तथा अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने का संकल्प जताया. देश में राष्ट्रपति चुनाव 17 सितंबर से 16 अक्टूबर के बीच होगा. चुनाव की तारीख की घोषणा शुक्रवार को की जाएगी. वह वर्ष 2010 के राष्ट्रपति चुनाव में महिंदा राजपक्षे के खिलाफ विपक्ष के मुख्य प्रतिद्वंद्वी थे.

मॉरिटेनिया में जहाज दुर्घटना में 25 प्रवासियों की मौत, 190 लापता

शुभम संदेश न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

मॉरिटेनिया की समाचार एजेंसी के अनुसार, देश के समुद्र तट पर एक जहाज दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें अभी तक 25 प्रवासियों के मौत की ख़बर है और कई लापता भी हैं. यह घटना राजधानी नौआकचॉट के पास हुई है, अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने कहा कि 190 से ज़्यादा लोग अभी भी लापता हैं और लोगों को निकालने के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है.

मॉरिटेनियाई तटरक्षक ने 103 प्रवासियों को बचाया है और 25 शव बरामद किए हैं. आईओएम ने कहा कि गाम्बिया से लगभग 300 लोग एक लकड़ी की नाव पर सवार होकर निकले थे और 22 जुलाई को नाव के पलटने से पहले वे समुद्र में सात दिन का सफ़र कर चुके थे. कोस्टगार्ड के पहुंचने से पहले 15 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 10 लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था. ऐसी ही एक घटना 5 जुलाई को हुई थी जिसमें मॉरिटानियाई तट रक्षकों ने 89 प्रवासियों के शव बरामद किये थे.

डूबा जहाज़, नौ लोग थे सवार

ताइवान के दक्षिणी तट पर मालवाहक जहाज़ के डूबने के बाद राहतकर्मियों ने तलाशी अभियान तेज़ कर दिया है. जहाज़ में चालक दल के नौ सदस्य सवार थे. ताइवान के तटों से गेमी तूफ़ान के टकराने के वक्त यह जहाज़ दक्षिणी शहर काऊशुंग के बंदरगाह के पास था. तूफ़ान के कारण फ़िलीपींस में लगातार बारिश हो रही है, जहां ईंधन ले जा रहा एक टैंकर डूब गया था.

मानहानि मामले में कल सुलतानपुर की अदालत में पेश होंगे राहुल गांधी

सुलतानपुर (उप्र)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मानहानि के एक मामले में 26 जुलाई को सुलतानपुर की सांसद-विधायक (एमपी/ एमएलए) अदालत में हाजिर होंगे. कांग्रेस की जिला इकाई के अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने बृहस्पतिवार को बताया कि राहुल गांधी 26 जुलाई को पूर्वाह्न नौ बजे लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरेंगे. वहां से वह कार से सुलतानपुर के लिये रवाना होंगे और अदालत में पेश होंगे. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेता विजय मिश्र ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर बेंगलुरु में 2018 में भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष और वर्तमान गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए चार अगस्त 2018 को मानहानि का मामला दर्ज कराया था. अदालत ने इस मामले में राहुल गांधी को 20 फरवरी को जमानत दी थी.

कर्नाटक: भाजपा विधायक व एमएलसी ने विस के अंदर रातभर अनोखे तरीके से दिया धरना

एजेंसी। बेंगलुरु

कर्नाटक में मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण घोटाले को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच जंग तेज हो गई है. विपक्षी विधायकों, एमएलसी ने विधानसभा में अनूठे अंदाज में रात बिताई. सोशल मीडिया पर विपक्षी विधायकों और एमएलसी के वहीं कुछ विधायक विधानसभा के अंदर तकिए और कंबल लेकर पहुंचे और पूरी रात धरना दिया.

भाजपा की कर्नाटक इकाई ने बुधवार को मुडा घोटाले के विरोध में सदन के अंदर दिन-रात धरना देने का ऐलान किया था. भाजपा विधायक और एमलसी पूरी रात विधानसभा में जमीन पर चादर बिछाकर सोए. सुबह उठे तो चाय की चुस्कियां लेते और इस अहम मुद्दे पर बातचीत करते दिखे. बता दें कि विपक्ष को बुधवार को दोनों सदनों में इस मुद्दे पर चर्चा करने की इजाजत नहीं दी गई थी. विधानमंडल का सत्र शुक्रवार को समाप्त हो जाएगा। ऐसे में आज (गुरुवार) भी पूरे दिन विधानसभा में भारी हंगामे के आसार हैं. रिपोर्ट के अनुसार, भूखंड हासिल करने वालों में कर्नाटक के सीएम सिद्दारमैया की पत्नी पार्वती भी शामिल हैं. विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा था कि कांग्रेस के पास 136 विधायक हैं. हम जब मुडा घोटाले में चार हजार करोड़ रुपए की लूट के बारे में स्थगन प्रस्ताव लाए, तो कर्नाटक की सिद्दारमैया सरकार डर गई. वह चर्चा से भाग रहे हैं. उन्होंने वित्त विधेयक समेत कई महत्वपूर्ण विधेयकों को बिना चर्चा के ही पारित कर दिया. यह डरपोक सरकार है. उनके पास सदन में मुडा के आरोपों का जवाब देने की हिम्मत नहीं है.

खास बातें

- कुछ विधायक घर से कंबल और बिस्तर लेकर पहुंचे थे
- मुडा घोटाले के विरोध में किया था धरना देने का ऐलान

राजस्थान में गोवंश के लिए अब 'आवारा' शब्द का इस्तेमाल नहीं होगा

जयपुर। राजस्थान में गौवंश के लिए अब 'आवारा' शब्द का इस्तेमाल नहीं होगा. पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने विधानसभा में यह घोषणा की. कुमावत बुधवार रात विधानसभा में पशुपालन एवं मत्स्य विभाग (मांग संख्या-47) की अनुदान मांग पर हुई बहस का जवाब दे रहे थे. चर्चा के बाद सदन ने पशुपालन एवं मत्स्य विभाग की 15.58 अरब रुपए से अधिक की अनुदान मांगें ध्वनिमत से पारित कर दी. मंत्री ने कहा, 'राज्य सरकार प्रदेश की बहुमूल्य पशु सम्पदा के विकास एवं पशुधन उत्पादन को बढ़ाकर पशुपालकों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है. साथ ही, गायों और बैलों के संरक्षण-संवर्धन के लिए संवेदनशील होकर कार्य कर रही है. उन्होंने कहा कि आवारा गौवंश के लिए अब से 'निराश्रित' शब्द का प्रयोग किया जाएगा.'

सुरक्षा स्थिति की समीक्षा सीओएएस ने कमांडरों और जवानों के साथ बातचीत भी की

सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने अग्रिम इलाकों का किया दौरा

एजेंसी। श्रीनगर

सेना प्रमुख (सीओएएस) जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने घुसपैठ रोधी और आतंकवाद रोधी अभियानों में शामिल बलों की तैयारियों की समीक्षा के लिए बहस्पतिवार को कश्मीर घाटी में नियंत्रण रेखा के पास अग्रिम इलाकों का दौरा किया. सैन्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी. सेना के अतिरिक्त लोक सूचना महानिदेशालय (एडीजीपीआई) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'सीओएएस जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने चिनार कोर के अग्रिम स्थलों का दौरा किया और नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की.' सेना ने कहा कि सीओएएस ने कमांडरों और जवानों के साथ बातचीत भी की. एडीजीपीआई ने कहा, 'सीओएएस ने अपने पेशे के उच्च मानक बनाए रखने के लिए सभी रैंक की सराहना की और उन्हें उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में दृढ़ रहने को लेकर प्रेरित किया.' बाद में सेना प्रमुख कारगिल विजय दिवस की रजत जयंती समारोह में भाग लेने के लिए कारगिल के लिए रवाना हुए. बुधवार को यहां पहुंचने के बाद जनरल द्विवेदी ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, उत्तरी कमान के प्रमुख, चिनार कोर के कमांडर, चिनार कोर के अन्य अफसरों व जवानों के अलावा गणमान्य लोगों के साथ कुपवाड़ा में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान शहीद हुए नायक दिलावर खान को श्रद्धांजलि दी.

कठुआ हमला : आतंकियों के दो मददगार गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में सेना के गश्ती दल पर हुए आतंकी हमले में संलिप्तता के लिए आतंकवादियों के दो कथित मददगारों को गिरफ्तार किया गया. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि आतंकी गतिविधियों से निपटने को लेकर जारी प्रयासों के तहत आतंकियों के दो मददगारों को गिरफ्तार किया है. जिले के दूरस्थ मछेड़ी इलाके में हथियार बंद आतंकवादियों द्वारा आठ जुलाई को घात लगाकर किये गये हमले में एक जूनियर कमीशन अधिकारी सहित सेना के पांच जवान शहीद हुए थे और पांच अन्य लोग घायल हुए थे. प्रवक्ता ने बताया, "इन व्यक्तियों ने पुलिस से महत्वपूर्ण जानकारी जानबूझकर छिपाई थी." उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान बिलावर के कलना धानू परोल के रहने वाले लायाकत अली उर्फ पावू और मल्हार के बौली मोहल्ला के रहने वाले मूल राज उर्फ जेनजू के रूप में हुई है.

नेपाल में दुर्घटनाग्रस्त विमान का 'ब्लैक बॉक्स' हुआ बरामद

एजेंसी। काठमांडू

नेपाल में एक दिन पहले दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान का 'ब्लैक बॉक्स' बरामद कर लिया गया है और यह जांच टीम को सौंप दिया गया है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. दुर्घटना में एक बच्चे सहित 18 लोग मारे गए थे.

सौर्य एयरलाइंस का पोखरा जा रहा 'बॉम्बार्डियर सीआरजे-200' विमान बुधवार को त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई. घटना में विमान में सवार 18 लोगों की मौत हो गई और पायलट गंभीर रूप से घायल हो गया. मृतकों में चालक दल के दो सदस्य, एयरलाइन के तकनीकी कर्मचारी और चार वर्षीय एक लड़के सहित तीन लोगों का परिवार शामिल है. नागर विमानन प्राधिकरण के उपमहानिदेशक हंस राज पांडे ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त विमान का 'ब्लैक बॉक्स' बरामद कर लिया गया है और आवश्यक कार्रवाई के लिए जांच टीम को सौंप दिया गया है. जांच टीम का नेतृत्व नागर विमानन प्राधिकरण के पूर्व महानिदेशक रतीश चंद्र लाल कर रहे हैं और इसमें चार अन्य विशेषज्ञ शामिल हैं. टीम को 45 दिन के भीतर अपनी जांच रिपोर्ट और सिफारिश सौंपनी हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)